Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

Page 10

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

खेल

यह मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था : विराट कोहली ने खुश रहने के लिए कप्तानी छोड़ी

देश

कांग्रेस महासचिव प्रियंका ने कलपेट्टा में नए पासपोर्ट सेवा केन्द्र का किया दौरा

शुक्ल पक्ष, पूर्व फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • बुधवार • 07 मई 2025 • वर्ष 27 • अंक 145 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 98,460	₹ 96,900

आज का इतिहास

2003 : जापान ने विकास कार्यों में मदद के लिए भारत को 90 करोड़ डालर की मदद की घोषणा की।

1971 : पानीपत की तीसरी लड़ाई में अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को हराया।

न्यूज बाइट्स

गंगा जीर्णोद्धार की प्रमुख योजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन(एनएमसीजी) ने पारिस्थितिकीय तंत्र की बहाली के जरिए गंगा जीर्णोद्धार के लिए प्रमुख परियोजनाओं को मंगलवार को मंजूरी दी। एनएमसीजी महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल की अध्यक्षता में हुई एनएमसीजी की 62वीं कार्यकारी समिति की बैठक में महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि के संरक्षण और शहर-विशिष्ट पुनः उपयोग योजनाओं के माध्यम से उपचारित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया। समिति ने उन परियोजनाओं को मंजूरी दी है जो गंगा बेसिन में इको-सिस्टम की बहाली के उद्देश्यों के अनुरूप हैं।

पटना हाईकोर्ट के 150 वकीलों ने सीजेआई को लिखा लेटर

पटना (नि.सं.)। पटना हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता वसंत कुमार चौधरी समेत लगभग डेढ़ सौ वकीलों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक पत्र लिखा है। भारत के न्यायिक व्यवस्था में व्याप्त कमियों,गड़बड़ियों व कथित भ्रष्टाचार के मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त इस पत्र में व्यक्त की है।भारत के संविधान के अनुसार कानून के दृष्टि में सभी बराबर है और सबके साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि भारतीय न्यायिक व्यवस्था में जिस तरह से जज के घर से जले हुए नोट मिले,वह एक अभूतपूर्व घटना है।लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात है कि उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई करने की जगह उनका स्थानांतरण दूसरे हाईकोर्ट में कर दिया गया। इन घटनाओं से आम जनता में न्यायपालिका में विश्वसनीयता कम होती जा रही है, जो एक गंभीर विषय है। भारत के संविधान ने आपराधिक मामलों के अंतर्गत कोई अलग से प्रशासनिक व्यवस्था उच्च पदस्थ लोगों के लिए नहीं किया है।

सीएम हाउस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी के मंत्रियों को साथ की बैठक

विकास और सरकारी योजनाओं को रफ्तार देने पर हुई चर्चा

निज संवाददाता | पटना

मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजधानी पटना स्थित एक अणे मार्ग पर भाजपा के मंत्रियों के साथ एक अहम बैठक की। यह बैठक करीब एक घंटे तक चली, जिसमें राज्यभर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई और आने वाले समय में उन्हें और गति देने की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। बैठक में विशेष रूप से केंद्र सरकार से मिल रही मदद और मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान स्वीकृत योजनाओं को जमीन पर उतारने को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि योजनाओं को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया में और पारदर्शिता लाई जाएगी ताकि

जनता को सीधे लाभ मिल सके।

इस बैठक को आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें यह तय किया गया कि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यह बात उभरकर सामने आई कि चुनावी माहौल में लोगों तक सही और सकारात्मक जानकारी पहुंचाना बेहद जरूरी है। इससे एक दिन पहले सोमवार को मुख्यमंत्री ने जदयू के शीर्ष नेताओं के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की थी, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर गहन चर्चा हुई। उस बैठक में यह तय किया गया कि जदयू पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी और विपक्ष के हर सवाल का तथ्यात्मक जवाब देगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह निर्देश दिया कि वे 243 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर लोगों को बताएं कि पिछले 20 वर्षों में सरकार ने उनके जीवन में किस तरह का बदलाव लाया है और राज्य के विकास के लिए किन-किन क्षेत्रों में बुनियादी कार्य किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की तस्वीर आज पूरी तरह बदल चुकी है, और इसका श्रेय जनता के समर्थन के साथ-साथ सरकार की दूरदर्शिता को जाता है।

जदयू की बैठक में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने इन नेताओं को कई महत्वपूर्ण टास्क भी सौंपे हैं, जिससे चुनावी तैयारी को जमीनी स्तर पर और मजबूत किया जा सके। बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों के बीच इन बैठकों को राज्य की राजनीति में बदलाव और आगामी चुनावी दिशा की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है।

ट्रैक्टर और स्कॉर्पियो की भीषण टक्कर

आठ बरातियों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | कटिहार

जिले में बीते सोमवार की रात दो भीषण सड़क हादसों ने जिलेवासियों को झकझोर कर रख दिया। अलग-अलग स्थानों पर हुई इन दुर्घटनाओं में कुल 10 लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों घटनाएं बरात जा रहे वाहनों से जुड़ी बताई जा रही हैं, जिससे शादी की खुशी मातम में बदल गई।

पहली घटना कुर्सेला थानाक्षेत्र के एसएच-77 पर दियारा चांदपुर टिकापट्टी बजरंगबली मंदिर के नजदीक की है, जहां देर रात करीब एक बजे मक्का लदे खड़े ट्रैक्टर से स्कॉर्पियो की जबरदस्त टक्कर हो गई। यह स्कॉर्पियो एक बरात लेकर पूर्णिया जिला के बरहरा कोठी डिबरा बाजार से कुर्सेला के पास कोसकीपुर गांव जा रही थी। चश्मदीदों के अनुसार, दियारा चांदपुर पुल के पास सड़क पर मक्का के ढेर से स्कॉर्पियो का चक्का चढ़ गया जिससे वह अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही अफरा-तफरी मच गई। हादसे में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को तत्काल समेली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने 8 लोगों को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर उपचार हेतु उच्च केंद्र रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर मक्का सुखाने और लोड करने की प्रवृत्ति इन दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रही है। बावजूद इसके प्रशासनिक स्तर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोग खुलेआम स्टेट हाईवे और नेशनल हाईवे पर मक्का फैला कर यातायात बाधित कर रहे हैं, जिसका नतीजा इन दर्दनाक हादसों के रूप में सामने आ रहा है। इसी रात एक और हादसा कदवा थानाक्षेत्र के परभेली पंचायत के पिपरा गांव से बिजेली गांव जा रही बारात के दौरान हुआ। यहां एक चार पहिया वाहन एफसीआई गोदाम के पास सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। घटना रात करीब दो बजे की है। टक्कर इतनी तेज थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों मृतकों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतकों की पहचान रितेश शर्मा और किशन शर्मा के रूप में हुई है, जिनकी उम्र लगभग 18 वर्ष बताई जा रही है। घायल युवकों का इलाज कटिहार में चल रहा है। दोनों घटनाओं ने पूरे जिले में मातम का माहौल बना दिया है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क पर मक्का सुखाने और रखने की प्रवृत्ति पर सख्ती से रोक लगाई जाए।

मृतकों में ये शामिल

1) टुनटुन मंडल, उम्र -25 वर्ष, पिता- स्व. वासो मंडल
2) प्रिंस कुमार, उम्र-21 वर्ष, पिता-पृथ्वी मंडल
3) सिक्को कुमार, उम्र-22 वर्ष, पिता-मंटू मंडल
4) अजय कुमार मंडल, उम्र-25 वर्ष, पिता स्व करम चंद मंडल
5) ज्योतिष कुमार, उम्र-19 वर्ष, पिता-स्व. शंकर मंडल
6) रूपेश कुमार, उम्र 15 वर्ष, पिता-छत्तीस मंडल
7) राधा रमन मंडल, उम्र-22 वर्ष, पिता-राजो मंडल
8) धीरज कुमार पोद्दार, उम्र-30 वर्ष, पिता-पवन पोद्दार

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आठ लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगों जिनका इलाज पूर्णिया सदर अस्पताल में चल रहा है, के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

भारत का पानी भारत के हक में बहेगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (ए.)। पहलगाम हमले के बाद भारत लगातार पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई कर रहा है। बुधवार को देशभर में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल की जाएगी। देशवासियों की मांग है कि पाकिस्तान को इस बार मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। वहीं, पाकिस्तान को डर है कि कि भारत कभी भी उसपर हमला कर सकता है। कुछ दिनों पहले ही भारत ने सिंधु जल समझौता को स्थगित कर दिया है, जिससे पाकिस्तान बेचैन हो उठा है। मंगलवार को एक निजी चैनल में बोलते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी, भारत के हक में बहेगा। भारत के हक में रुकेगा और भारत के हक में ही काम आएगा। 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ सिंधु जल समझौता अब तक विवादों से परे माना जाता रहा है। लेकिन हालिया हमलों और सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद के चलते भारत ने इस समझौते पर पुनर्विचार करते हुए इसे अस्थायी रूप से रोक दिया है। इससे पाकिस्तान में बेचैनी और असमंजस की स्थिति बन गई है, क्योंकि उसकी जल निर्भरता का बड़ा हिस्सा सिंधु नदी पर टिका है। बता दें कि पाकिस्तान के जहाज अब भारतीय बंदरगाहों पर नहीं आ सकेंगे। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड यानी डीजीएफटी ने पाकिस्तान के साथ सभी तरह के आयात पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। वहीं, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग ने आदेश जारी कर कहा है कि पाकिस्तान के जहाजों को भारत के बंदरगाहों पर एंट्री नहीं दी जाएगी। हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री ने माना था कि अगर सरकार एक रुपए गरीब को भेजती है तो उसमें से 85 पैसा लूट जाता है। सरकारें बदलती रहीं, साल बीतते रहे, लेकिन गरीब के हक का पूरा पैसा उसे मिले, इस दिशा में कोई ठोक काम नहीं हुआ।

एनटीपीसी कांटी के डीजीएम अरुण कुमार की पत्नी रत्ना प्रिया बनीं मिसेज इंडिया, जयपुर में लहराया परचम

निज संवाददाता | कांटी (मुजफ्फरपुर)

मुजफ्फरपुर जिले से जुड़ी हुई सामने आई है, जहां एनटीपीसी कांटी में कार्यरत डीजीएम (ऑपरेशन) अरुण कुमार की पत्नी रत्ना प्रिया ने देशभर में जिले और संस्थान का नाम रौशन किया है। उन्होंने जयपुर में आयोजित प्रतिष्ठित वीनस मिसेज इंडिया-2025 सौंदर्य प्रतियोगिता में मिसेज इंडिया-2025 का खिताब अपने नाम किया है। इसके साथ ही उन्हें मिसेज उत्तर प्रदेश और व्यूवर्स चॉइस अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। जयपुर, राजस्थान में 25 से 28 अप्रैल तक वीनस फिल्म्स एंड इवेंट्स के द्वारा आयोजित इस चार दिवसीय कार्यक्रम में देशभर से आई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें रत्ना प्रिया ने आत्मविश्वास, प्रतिभा, रचनात्मकता और कला के अद्भुत समन्वय से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया और प्रतियोगिता में विजयी बनीं। निर्णायक मंडल में मिसेज इंडिया इंटरनेशनल मौसमी चटर्जी, डॉ. अर्चना, सुमन कुमावत, दीपम शर्मा, डॉ. भूमिका गोविंदिनी और वीनस मिसेज राजस्थान प्रियंका गंगावत शामिल थीं। सभी ने रत्ना प्रिया के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। रत्ना प्रिया इससे पूर्व भी सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं।

वे एनटीपीसी ऊंचाहार बाल भवन की महासचिव रह चुकी हैं और महिला समिति की एक कर्मठ सदस्य के रूप में भी उनकी पहचान है। उनकी इस शानदार उपलब्धि से न केवल मुजफ्फरपुर और काँटी क्षेत्र, बल्कि पूरा एनटीपीसी परिवार गौरवांवित हुआ है। सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महिलाओं की इस प्रकार की उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेंगी।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग और बीएसईएस के बीच हुआ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

निज संवाददाता | पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग और बीएसईएस ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। यह समझौता मंगलवार को पटना के कौटिल्य हॉल, होटल मौर्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ। इस मौके पर विभागीय अधिकारियों और संस्था के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। इस समझौते के तहत राज्य में एक आधुनिक कॉल सेंटर की स्थापना की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य है आम नागरिकों को विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी सुलभ कराना और उनके द्वारा दर्ज की जाने वाली शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना। कॉल सेंटर का संचालन जून माह के पहले सप्ताह से प्रारंभ किया जाएगा और इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 18003456215 निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया।

ग्राहक अपने स्वर्ण आभूषणों के मूल्यांकन पर 20 हजार से पांच लाख तक का लोन ले सकेंगे

सहकारी बैंक में गोल्ड लोन योजना और पेमेंट गेटवे हुआ शुरू

निज संवाददाता | पटना

राज्य के सहकारी बैंकों में भी गोल्ड लोन मिलेगा। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार सोमवार को सहकारी बैंकों में गोल्ड लोन ज्वेलरी योजना और पेमेंट गेटवे का शुभारंभ करेंगे। गोल्ड ज्वेलरी लोन योजना के अंतर्गत सहकारी बैंक अपने ग्राहकों को उनके स्वर्ण आभूषणों के मूल्यांकन के आधार पर 20 हजार से पांच लाख तक का लोन देंगे। लोन पर ब्याज दर 9.5 फीसदी से 10 फीसदी होगी। अवधि एक माह से अधिकतम 12 माह होगी। समय पर लोन चुकाने पर अवधि विस्तारित की जाएगी। सहकारिता मंत्री ने बताया कि लोन की राशि आभूषण के मूल्यांकन के आधार पर तय की जाएगी। साथ ही गिरवी रखे आभूषणों के लिए समुचित बीमा व्यवस्था की गई है। समय पर ऋण चुकता करने पर ऋण अवधी विस्तारित की जा सकेगी। इच्छुक ग्राहक अपने नजदीकी बिहार राज्य सहकारी बैंक की शाखा से संपर्क स्थापित कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इससे घरों में रखे स्वर्ण आभूषण का प्रयोग सार्थक रूप व्यावसयिक और निजी वित्तीय कार्यों के लिए किया जा सकेगा। आभूषणों को सुरक्षित बैंक लाकर के समान रख कर उनकी सुरक्षा भी निःशुल्क हो जाएगी।

इसके अलावा सोमवार को बीएससीबी के पेमेंट गेटवे सुविधा का भी शुभारंभ किया जाएगा। इसके जरिए ग्राहकों को डिजिटल माध्यम से लेन-देन की सुविधा प्राप्त होगी। बैंकिंग प्रक्रिया और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनेगी। पेमेंट गेटवे एक एक डिजिटल सेवा है, जिसके द्वारा ग्राहक क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और यूपीआई जैसे तरीकों का उपयोग करके ऑनलाइन भुगतान कर सकते है। बैंक का अपना पेमेंट गेटवे होने से बैंक को पूरी भुगतान प्रक्रिया पर नियंत्रण मिलता है। ग्राहकों को लेन-देन शुल्क भी कम लगता है। बैंक अब अपने पेमेंट गेटवे को अन्य संस्थाओं एवं विभागीय योजनाओं के वित्तीय प्रयोग के लिए भी उपलब्ध करा पाएगा।

ऑपरेशन अभ्यास

(केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार)

आपातकालीन तैयारी का अभ्यास

सायरन अलर्ट को समझें

(हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का मतलब जानें। नागरिक सुरक्षा कार्यकर्ता आपको इसका प्रशिक्षण देंगे)

हवाई हमले से बचाव के तरीके सीखें

(नागरिकों और छात्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र होंगे। हमले से बचाव के तरीके सीखें)

क्रैश ब्लैकआउट प्रक्रिया का पालन करें

(शहर की बिजली एक साथ बंद हो सकती है ताकि हवाई हमले से बचा जा सके। घबराएं नहीं, यह सुरक्षा के लिए है)

निकासी योजना में सहयोग दें

(आपातकाल में सुरक्षित निकासी के लिए मॉक ड्रिल में हिस्सा लें)

यह अभ्यास झारखण्ड के केवल 5 जिले **रांची, पूर्वी सिंहभूम, बोकारो, साहेबगंज और गोड्डा में होगा**

ब्लैकआउट के दौरान वैकल्पिक **बिजली व्यवस्था, जैसे जनरेटर, इन्वर्टर या टॉर्च आदि का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए**

ब्लैकआउट के दौरान सभी **खिड़कियों को मोटे पर्दे से ढक देना चाहिए**

लोगों को मॉक ड्रिल के दौरान **अधिकारियों के साथ सहयोग करना चाहिए**

जिला प्रशासन आपातकालीन निकासी को सुविधाजनक बनाने के लिए **कुछ सड़कों को सार्वजनिक उपयोग के लिए बंद कर सकता है**

आम जनता से अनुरोध है कि **शाम 4 से 7 बजे घरों की बिजली ना जलाएं और गाड़ियों के हेडलाइट बंद रखें**

PR. No. 351811/IPRD/2025-26

7 मई 2025 को शाम 4 बजे से होने वाले नागरिक सुरक्षा

मॉक ड्रिल में भाग लें

जागरूक रहें, सुरक्षित रहें!

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

संक्षिप्त समाचार

आवास योजना : कोईलवर की टीम सम्मानित

कोईलवर। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में बेहतर प्रदर्शन करने पर कोईलवर प्रखंड की पूरी आवास टीम को सम्मानित किया गया। सोमवार को प्रखंड सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी वीर बहादुर पाठक ने टीम के सभी सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए तय लक्ष्य के मुकाबले कोईलवर प्रखंड ने जिला स्तर पर सराहनीय कार्य किया। इसी उपलब्धि के लिए बीडीओ वीर बहादुर पाठक की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में ग्रामीण आवास पर्यवेक्षक मोहम्मद शाहबाज, कार्यपालक सहायक अजय कुमार, लेखा सहायक रत्ना प्रिया सिंह, ग्रामीण आवास सहायक मनीष कुमार सिंह, सुरेश कुमार, संदीप कुमार वर्मा, अमितेश कुमार उपाध्याय, संतोष कुमार सुमन, मोहम्मद जमालुद्दीन, जितेंद्र कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार यादव, इरफान अली, राजीव रंजन कुमार और रुपाली कुमारी को सम्मानित किया गया। गौरतलब हो कि पिछले 26 अप्रैल को पटना के ऊर्जा ऑडिटोरियम में राज्य के ग्रामीण विकास विभाग की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत कार्य करने वाले प्रत्येक जिले से एक प्रखंड को सम्मानित किया गया था। भोजपुर जिले से कोईलवर प्रखंड को यह सम्मान मिला था।कार्यक्रम में बीडीओ वीर बहादुर पाठक ने कहा कि कोईलवर प्रखंड की टीम ने मेहनत, लगन और ईमानदारी से काम किया। इसी का नतीजा है कि राज्य स्तर पर प्रखंड को सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि असली हकदार टीम के सभी सदस्य हैं, इसलिए आज उन्हें सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी से विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार आगे भी मन लगाकर काम करने की अपील की। मौके पर आवास विभाग और प्रखंड के कई कर्मी मौजूद रहे।

डिजिटल युग में खुशहाली पर 16 मई से दो दिवसीय सेमिनार

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में 16 और 17 मई को होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार की तैयारी को लेकर कोर कमेटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफेसर लतिका वर्मा ने की। सेमिनार का विषय है- डिजिटल युग में खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करना और मानव विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका की खोज। सेमिनार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी के संरक्षण और अध्यक्षता में आयोजित होगा। आयोजन विश्वविद्यालय के जीरो माइल स्थित नए भवन में होगा। बैठक में कोर कमेटी के सभी सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व कुलपति और प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्रा उपस्थित रहेंगे। वक्ताओं में अहमदाबाद की प्रोफेसर एस.एल. वाया, नैशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. राजेश सिंह, बेंगलुरु से मार्केटिंग एक्सपर्ट और एंटरप्रेन्योर मयंक प्रकाश, दिल्ली से वेलनेस कोच प्रकृति प्रसाद और बीएचयू के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सत्यगोपाल शामिल हैं। ये सभी दो दिनों में अपनी प्रस्तुति देंगे। सेमिनार के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. वाचस्पति दुबे ने बताया कि तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। सभी सदस्य इसे सफल बनाने में जुटे हैं। बैठक में प्रोफेसर यशवंत कुमार, डॉ. प्रियंका पाठक, डॉ. कुमारी प्रीतिका, डॉ. वाचस्पति दुबे, डॉ. सादिया हबीब, डॉ. रश्मि, डॉ. इंदु, डॉ. कायनात रिजवी, शोधार्थी और छात्र मौजूद रहे।

राजेन्द्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

आरा। शहर के बांसटाल मोहल्ले में सोमवार को समाजसेवी स्व. राजेन्द्र प्रसाद की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। महापौर इंदु देवी, मेयर प्रतिनिधि प्रेम पंकज उर्फ ललन, भाजपा नेता आलोक अंजन उर्फ छोटे जी समेत कई लोगों ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि राजेन्द्र प्रसाद समाजसेवा से हमेशा जुड़े रहे। उन्होंने अपने पैतृक गांव सरैंया और आसपास के इलाकों में कई सामाजिक कार्य किए। वे असहाय और जरूरतमंदों की मदद करते थे। उनके पुत्र प्रेम पंकज उर्फ ललन ने कहा कि पिता की प्रेरणा से वे शुरू से ही समाजसेवा में लगे हैं। उनके अधूरे कार्यों को पूरा करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आलोक अंजन ने बताया कि पुण्यतिथि के मौके पर रमना हनुमान मंदिर, स्टेशन रोड, रोटी बैंक कार्यालय और अन्य स्लम इलाकों में जरूरतमंदों के बीच फुड पैकेट बांटे गए। मौके पर सुमेधा गुप्ता, राजीव रंजन, अभिजीत आनंद, प्रतीक राज आदि मौजूद थे।

सोलर स्ट्रीट लाइट के पोल पर अंकित होंगे शिकायत को मोबाइल नंबर

बक्सर। विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सरकार गांवों को जगमग करने में सख्ती से जुट गया है। गांव के हर वार्ड में मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट हर रात में जलने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसको लेकर पंचायती राज विभाग ने योजना की प्रगति की समीक्षा कर कई जरूरी निर्णय लिया है। विभाग के अधिकारियों के साथ सभी एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि जितने भी सोलर स्ट्रीट लाइट के पोल हैं, उन पर दो-दो वाट्सएप नंबर अंकित कराएं, ताकि उस वाट्सएप नंबर पर शिकायत की जा सके। पंचायती राज विभाग ने राज्य की ग्राम पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने वाली एजेंसियों को पारदर्शिता लाने के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एजेंसियों को कहा गया है कि जिन इलेक्ट्रिक पोल पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाया गया है उन पर शिकायत निवारण के लिए एक हफ्ते के अंदर दो वाट्सएप नंबर पेंट कर अंकित कराएं। पंचायती राज सचिव ने एजेंसियों को सर्विस स्टेशन को दो शिफ्टों में कार्य करने और सोलर स्ट्रीट लाइट की नियमित रूप से सर्विसिंग तथा रखरखाव करने का निर्देश दिया है। पंचायतीराज विभाग द्वारा ब्रेडा के माध्यम से विकसित की गई केंद्रीयकृत अनुश्रवण प्रणाली पर लिंक्ड करने का भी निर्देश दिया गया है। एजेंसियों को सर्विस स्टेशन दो शिफ्ट में कार्य करने का निर्देश दिया गया है। जिले में केंद्रीयकृत अनुश्रवण प्रणाली लगाई जाएगी। गंभीरता से काम नहीं करने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर बच्चों का बनेगा प्रोफाइल

बक्सर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत ई शिक्षा कोष पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय द्वारा प्रत्येक छात्र-छात्राओं की दैनिक उपस्थिति सहित एक एक विवरण अनिवार्य रूप से ऑनलाइन किया जाना है। नई शिक्षा नीति के तहत हर स्कूली बच्चे का ऑनलाइन ई-प्रोफाइल विकसित किया जायेगा। इसको लेकर शिक्षा विभाग से आदेश जारी होने के साथ कवायद तेज हो गई है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीओ एसएसए को भेजे गए पत्र में वर्ग एक से 12वीं तक एक एक विद्यार्थी का ई.शिक्षा कोष पोर्टल पर स्टूडेंट प्रोफाइल बनाने का निर्देश दिया है। जिसमें एक-एक विद्यार्थी की प्रोफाइल अपलोडिंग कार्य को पूरा करने को कहा गया है। जिसमे एक एक विद्यार्थी की फ्रेश एंट्री के साथ वर्गवार उपस्थिति पंजी भी अपलोड करना बीईपी ने अब अनिवार्य कर दिया गया है। यहां उल्लेखनीय है कि शिक्षा विभाग द्वारा छात्र- छात्राओं के रजिस्ट्रेशन से लेकर समग्र जानकारी ई शिक्षा कोष पोर्टल पर ऑनलाइन गणना हेतु फॉर्मेट विकसित किया गया है।

भगवान को पाने के लिए संसार का ज्ञान जरूरी : डॉ. युगल शरण

आरा। ब्रज गोपिका सेवा मिशन की 20 दिवसीय प्रवचन के नौवें दिन रामलीला मैदान में सोमवार को आनंद ही जीवन का लक्ष्य पर प्रवचन हुआ। जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज के प्रमुख प्रचारक, डॉ. स्वामी युगल शरण जी ने प्रवचन देते कहा कि हमें आत्मा को सुख देना चाहिए, न कि शरीर को। आत्मा को सुख देने से ही अनंत आनंद की प्राप्ति होगी। पहले यह दृढ़ विश्वास होना चाहिए कि हम आत्मा हैं। जब हम अपने को आत्मा मानेंगे, तभी आत्मा को सुखी बनाने का लक्ष्य तय करेंगे। जो आनंद हम चाहते हैं, वह आत्मा का विषय है, शरीर का नहीं। भौतिक वस्तुएं आत्मा को सुख नहीं दे सकतीं, क्योंकि आत्मा दिव्य है, भौतिक नहीं। स्वामी जी ने शरणागति के अंगों की भी व्याख्या की। उन्होंने कहा कि अपने शरण्य का सदा अनुकूल चिंतन करना चाहिए, प्रतिकूल नहीं। स्वयं को हरि और गुरु को धरोहर रूप में सौंप देना चाहिए। सब कुछ देने के बाद भी अहंकार नहीं करना चाहिए। डॉ. स्वामी युगल ने कहा कि भगवान को पाने के लिए पहले संसार का ज्ञान जरूरी है। भगवान को जानने के लिए श्रद्धा चाहिए और श्रद्धा तभी उत्पन्न होगी जब संसार से वैराग्य होगा।

आरा में पटना मेट्रो के जूनियर इंजीनियर को मारी गोली

निज संवाददाता। आरा

- खुद बाइक चलाकर पहुंचे अस्पताल, पीठ में फंसी बुलेट, पिता के साथ भोज खाकर लौट रहे थे

आरा में सोमवार देर रात अपराधियों ने चलती बाइक पर पटना मेट्रो के जूनियर इंजीनियर को गोली मार दी। पिता और भतीजे के साथ तिलक समारोह से भोज खाकर घर लौट रहे थे। गोली लगने के बाद खुद बाइक चलाकर सदर अस्पताल पहुंचे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पटना रेफर कर लिया। लेकिन परिजनों ने प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करा दिया। गोली सीने में लगने के बाद पीठ में फंस गई है। घायल प्रकाश राय(25) हसन बाजार ओपी अंतर्गत सहेजनी गांव के रहने वाले हैं। पूरे परिवार के साथ आनंद नगर मोहल्ले में रहते हैं। पिछले 5 साल से पटना मेट्रो में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। पिता अखिलेश राय आरा-बक्सर से जेडीयू MLC राधा चरण शाह उर्फ सेठ जी के पर्सनल बॉडी गार्ड हैं।

दहशत फैलाने के लिए फायरिंग: वारदात के 8 घंटे बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान नगर थाना क्षेत्र के शीतल टोला मोहल्ला निवासी अंकित कुमार के तौर पर हुई है। 1 पिस्टल और 2 कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि नशे में धुत होकर दहशत फैलने की नीयत से फायरिंग कर रहा था। पूछताछ की जा रही है। प्रकाश ने बताया कि पिता और भतीजे के साथ रिश्ते में लगने वाले मामा के घर तिलक समारोह में चंदवा गांव गए था। खाना खाकर बाइक से करीब 11:15 बजे लौट रहा था। शिवगंज दुर्गा मंदिर के पास 2 लोग फायरिंग कर रहे थे। एक गोली मेरे सीने में लग गई। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए।

पीठ में फंसी गोली: डॉक्टर विकास ने बताया कि बाएं साइड गोली लगने के बाद पीठ में आकर गोली फंसी है। ब्लड ग्रुप A निगेटिव है, जिसका इंतजाम किया जा रहा है। ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

CCTV फुटेज खंगाला जा रहा है: वहीं, मामले की सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष देवराज अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि गोली चलती बाइक पर लगी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है।

ट्रेन से लड़की को फेंकने के मामले में एफ आई आर

निज संवाददाता। आरा

- आरा में मोबाइल छीनने का विरोध करने पर बदमाशों ने दिया था धक्का, गिरफ्तारी के लिए छापेमारी

आरा-सासाराम रूट पर बदमाशों ने रविवार को मोबाइल छीनने के दौरान एक लड़की को चलती ट्रेन से फेंक दिया। सिर, सीने और पीठ में चोटें आईं हैं। इस मामले में पीड़िता के चचेरे भाई शशिरंजन के बयान पर आरा रेल थाना में अज्ञात बदमाशों को खिलाफ FIR दर्ज की गई है। रेल पुलिस तकनीकी सूत्र और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुटी है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी चल रही है। इससे पहले रविवार को पटना रेल एसपी अमृतेंदु शेखर और वरीय डीएसपी प्रशांत कुमार ने सदर अस्पताल पहुंचकर पीड़िता का हाल जाना था।

दवा लेने आरा जा रही थी बहन: पीड़िता की पहचान पीरो थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी कामेश्वर सिंह की बेटी तनु कुमारी(20) के तौर पर हुई। तनु के भाई शशि रंजन कुमार ने बताया, 'चेहरे के लिए होम्योपैथी दवा लेने के लिए बहन आरा जा रही थी।' 'पश्चिमी ओवर ब्रिज के पास बदमाशों ने मोबाइल छीनने का प्रयास किया। पीरो स्टेशन पर उसने सासाराम-पटना पैसेंजर पकड़ी थी। आरा स्टेशन से कुछ दूर पहले पश्चिमी ओवर ब्रिज के पास बदमाशों ने मोबाइल छीनने का प्रयास किया।'

भोजपुर में करंट लगने से युवक की मौत

निज संवाददाता। आरा

- पोल पर चढ़कर तार जोड़ रहा था, झटका लगते ही नीचे गिरा

भोजपुर के गड़हनी थाना क्षेत्र में करंट लगने से युवक बुरी तरह से झुलस गया। आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पहाड़पुर निवासी हृदया राम के पुत्र धनजी राम(20) के तौर पर हुई है। पेशे से मजदूर था। मृतक के भाई मंजू राम ने बताया कि पोल पर चढ़कर बिजली का तार जोड़ रहा था। इस दौरान गलती से सप्लाई वाला तार पकड़ लिया। कुछ देर तक पोल पर ही सटा रहा। जिसके चलते हाथ और सीना झुलस गया। फिर पोल से सीधे नीचे आ गिरा। सिर में काफी चोट लगी थी। इलाज के दौरान सोमवार को अस्पताल में मौत हो गई।

प्राथमिक उपचार के बाद पटना किया था रेफर: वहीं, अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि हाथ और सीना के पास जल गया था। सिर में काफी गंभीर चोट आई थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया था।

भोजपुर में भोज खाने से 20 बारातियों की तबीयत बिगड़ी

निज संवाददाता। आरा

- पूड़ी, पुलाव, मटर पनीर खाया था, उल्टी और दस्त की शिकायत, अस्पताल में भर्ती

भोजपुर में शादी समारोह में खाना खाने के बाद 20 से ज्यादा बारातियों की तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में सभी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना धोबहां थाना क्षेत्र के कड़ारी गांव की है। दूल्हा पक्ष के नागेश्वर प्रसाद ने बताया कि पटना के पुनाईचक सेवती गांव से बाराती आई थी। कन्हैया लाल के बेटे सतीश कुमार की शादी थी। जयमाल होने के बाद सभी ने खाना खाया। कुछ देर बाद दस्त और उल्टी होने लगी। ग्रामीणों के सहयोग से अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूड़ी, पुलाव, मटर पनीर, परवल की सब्जी, मिठाई, दही बाड़ा और सलाद की व्यवस्था की गई थी। सदर अस्पताल के डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि कुछ लोगों की स्थिति पहले से ठीक है। बीमार लोगों को फ्लूट लगाया गया है। कुछ मरीजों का कहना है कि अभी भी पेट में दर्द है। हमारी टीम प्रयास कर रही है कि जल्द से जल्द सभी ठीक हो जाएंगे। स्वस्थ्य होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। कुछ बच्चे भी बीमार हुए हैं।

ब्यूटीशियन समेत कई लोग बीमार: बीमार लोगों में आरा के बहिरो निवासी ब्यूटीशियन प्रतीक्षा कुमारी, पटना के करवा निवासी जगदीश भगत, सेवथी गांव के महेश भगत, कौशल कुमार, सुदर्शन पाल, सोना कुमार पांडेय, लेवाद गांव की राधा कुमारी, धीरज कुमार, अभियांश कुमार, सिपरा केराम लखन प्रसाद, सुमित कुमार, भगवानगंज के कन्हैया प्रसाद, श्रीनगर के नरेश प्रसाद, बाजार समिति के धर्मेंद्र कुमार, कुरा गांव के रामप्रीत प्रसाद, अपूरा गांव के अखिलेश भगत और बेगूसराय दरियापुर गांव के विकास कुमार शामिल है

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर से सिमरी जाने के दौरान हुआ हादसा, हादसे के बाद चालक फरार

बक्सर के सिमरी प्रखंड के मंझवारी मोड़ पर सोमवार की दोपहर में हुए एक सड़क हादसे में 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान नया भोजपुर निवासी नसीम अंसारी के बेटे महफूज हुसैन(16) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार किशोर अपनी बाइक से सिमरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद किशोर सड़क किनारे गिर गया और बेहोश हो गया। पुराना भोजपुर गांव के मंटू चौधरी और राहुल ठाकुर ने घायल को ई-रिक्शा से निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां से उसे डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान किशोर ने दम तोड़ दिया। नया भोजपुर थाने के सब-इंस्पेक्टर वकार अहमद गौसी पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। बताया गया कि महफूज पढ़ाई के साथ परिवार की आर्थिक मदद भी करता था। परिवार नया भोजपुर आदर्श नगर में घर बनाकर रहता था। हालांकि मूल रूप से मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तुर्कचकिया का निवासी है । घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वाहन और चालक की तलाश जारी: प्रभारी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन और चालक की तलाश जारी है। स्थानीय लोगों ने मंझवारी मोड़ पर स्पीड ब्रेकर लगाने और चौकसी बढ़ाने की मांग की है।

स्वच्छता कर्मियों की नहीं बन रही बायोमेट्रिक हाजिरी

निज संवाददाता। आरा

नगर विकास एवं आवास विभाग के निर्देश के बाद भी बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं बनाई जा रही है। यह आरोप पूर्व वार्ड पार्षद सह बार एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी सह अधिवक्ता अमरेंद्र कुमार ने लगाया है। दूसरी तरफ नगर निगम की नगर आयुक्त ने दावा किया कि सफाई कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति सभी वार्डों में शुरू कर दी गई है। इस संदर्भ पूर्व पार्षद सह अधिवक्ता अमरेंद्र कुमार ने कहा कि बिहार सरकार के आदेश को नजरअंदाज करते हुए नगर निगम अब तक हाजिरी पुराने रजिस्टर और अंगूठा निशान प्रणाली के जरिए दर्ज करा रहा है। इसके आधार पर ही सफाई कर्मियों को वेतन भी दिया जा रहा है। जब सरकार के आदेश का पालन अधिकारी नहीं कर रहे हैं, तो वे आम जनता की क्या सुनेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के उप-सचिव ने 13 फरवरी 2025 को सभी नगर निगमों को पत्र भेजकर निर्देश दिया था कि सफाई कर्मियों की उपस्थिति केवल बायोमेट्रिक मशीन से ली जाए। फरवरी 2025 से वेतन का भुगतान भी इसी के आधार पर किया जाए। 30 अप्रैल को दर्ज कराई गई अपील अमरेंद्र कुमार ने कहा कि शिकायत के बाद यह मामला लोक शिकायत पोर्टल पर दर्ज किया गया है। इस मामले में प्रधान सचिव, प्रमंडलीय आयुक्त, डीजीपी, जिलाधिकारी भोजपुर से लेकर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री कार्यालय तक ईमेल कर शिकायत दर्ज कराई गई है। 11 मार्च को लोक शिकायत निवारण कार्यालय में इस पर सुनवाई हेतु मामला भी दर्ज किया गया। नगर निगम की ओर से दिए गए जवाब में कहा गया है कि सफाई कर्मियों का भुगतान एजेंसी के माध्यम से उपस्थिति पंजी के आधार पर जांच के बाद किया जा रहा है। 22 अप्रैल को दिए गए प्रतिवेदन में स्पष्ट रूप से यह स्वीकार किया गया कि बायोमेट्रिक हाजिरी लागू नहीं की गई है। 30 अप्रैल को इस मामले में प्रथम अपील भी दर्ज की है, जो आर्थिक अपराध इकाई, प्रमंडलीय आयुक्त, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय सहित राष्ट्रपति पोर्टल पर दाखिल की गई है।

आरा में आज 3 घंटे तक कटेगी बिजली

निज संवाददाता। आरा

- पोल और जर्जर तारों को ठीक किया जाएगा, समय से निपटा लें जरूरी काम

आरा के जीरोमाइल फीडर से आज 3 तीन घंटे तक सप्लाई बाधित रहेगी। सुबह 10 बजे से दोपहर 1 तक बजे तक बिजली नहीं रहेगी। इस दौरान ग्रीष्मकाल मेंटेनेंस का कार्य और पेड़ों की छंटाई की जाएगी। इस क्षेत्र के सभी पोल और जर्जर तार को भी ठीक किया जाएगा। ताकि उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न न हो। इसके अलावा रोड कंस्ट्रक्शन विभाग की ओर से कायमनगर से जीरोमाइल तक सड़क चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। ऐसे में ट्रांसफार्मर डॉ. टी.पी गली के पास किनारे शिफ्ट किया जाएगा। जिसके कारण इस फीडर से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से समय से जरूरी काम निपटा लेने की अपील की है। सहायक अभियंता ने कहा कि काम खत्म होते ही जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने की कोशिश की जाएगी ।

इन इलाकों में कटेगी बिजली: जीरो माइल फीडर से सर्वोदय नगर, विष्णु नगर, बैंक कॉलोनी, जीरोमाइल, बेहरा, एस्कॉर्ट एजेंसी , रॉयल एनफील्ड शोरूम, बेहरा, टाटा मोटर्स, डी.के कार्मेल स्कूल के आसपास के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधि त रहेगी।

खेतों में नहीं थम रहा फसल अवशेष जलाने का सिलसिला, विभाग अंजान

निज संवाददाता। बक्सर

जिलेभर में रबी फसल कटनी समाप्त हो गई है। किसान कटनी के बाद फसल अवशेष को खेतों में जलाने से बाज नहीं आ रहें हैं। जबकि, ऐसा करने से होने वाले नुकसान से वे भली-भांति परिचित हैं। कृषि विभाग और सरकार पराली प्रबंधन को लेकर हमेशा किसानों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम चलाती है। पराली जलाने से जहां मिट्टी की सेहत बिगड़ती है, वहीं इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जिले का शायद ही ऐसा कोई प्रखंड है जहां पराली जलाने का मामला नहीं हो। पराली जलाने से खेत का रंग काला पड़ गया है। अब सवाल यह है कि अंधाधुंध जलाएं जा रहे पराली जलाने के मामले से कृषि विभाग के अधिकारी व संबंधित कर्मचारी बिल्कुल अंजान बने हुए हैं। खेतों में जलाए जा रहे फसल अवशेष पर आम लोगों की नजर पड़ जा रही है, लेकिन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी आंखें बंद कर लिए हैं। तभी तो आज तक पराली जलाने को लेकर एक भी कार्रवाई विभाग की ओर से नहीं की गई है। ग्लोबल वार्मिंग वैश्विक चुनौती के साथ ही एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। ऐसा किसी एक कारण से नहीं बल्कि कई कारणों से हो रहा है। इसके प्रमुख कारण प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों ही माना जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर नहीं चेते तो वह दिन दूर नहीं जब मानव जीवन खतरे में पड़ जाएगा। इसके गंभीर परिणाम प्रत्यक्ष दिखने लगा है। लगातार बढ़ रहे तापमान और जलवायु परिवर्तन से जूझना पड़ रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञ डॉ रामकेवल ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ावा देने में खतों में पराली जलाने के कारण को भी प्रमुख माना जा रहा है। पराली नहीं जलाया जाय इसके लिए सरकार व जिला प्रशासन गंभीर है। बावजूद अपने जिले में पराली जलाने के मामले कम होने का नहीं ले रहा। जागरूकता और कार्रवाई के बाद भी लोग नहीं मान रहे हैं। इससे एक तरफ जहां पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है तो दूसरी ओर खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति दिन प्रति दिन घटती जा रही है।

पराली जलाने से पर्यावरण को हो रहा है भारी नुकसान: पराली जलाने वाले का तीन वर्ष के लिए ब्लॉक आईडी पराली जलाने के मामले को लेकर सरकार और कृषि विभाग सख्त है। पराली जलाने के मामले में पकड़े जाने वाले किसानों का तीन साल के लिए आईडी ब्लॉक कर दिया जाएगा। उन्हें उक्त अवधि तक कृषि विभाग के योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया जाएगा। वहीं, एफआईआर करने तक का भी प्रावधान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में करंट लगने से युवक की मौत

■ पोल पर चढ़कर तार जोड़ रहा था, झटका लगते ही नीचे गिरा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के गड़हनी थाना क्षेत्र में करंट लगने से युवक बुरी तरह से झुलस गया। आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पहाड़पुर निवासी हृदया राम के पुत्र धनजी राम(20) के तौर पर हुई है। पेशे से मजदूर था। मृतक के भाई मंजू राम ने बताया कि पोल पर चढ़कर बिजली का तार जोड़ रहा था। इस दौरान गलती से सप्लाई वाला तार पकड़ लिया। कुछ देर तक पोल पर ही सटा रहा। जिसके चलते हाथ और सीना झुलस गया। फिर पोल से सीधे नीचे आ गिरा। सिर में काफी चोट लगी थी। इलाज के दौरान सोमवार को अस्पताल में मौत हो गई। वहीं, अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि हाथ और सीना के पास जल गया था। सिर में काफी गंभीर चोट आई थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया था।

पिकअप-ऑटो में टक्कर, दो बच्चों की मौत

■ जमुई में बारात से लौट रहे थे सभी ■ तीन घायलों को पटना किया गया रेफर

जमुई, एजेंसी। जमुई में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी बच्चे सोमवार की रात खैरा प्रखंड के सोनेल डहुआ गांव के बारात से लौट रहे थे। हादसा तब हुआ जब खैरा-सोनो मुख्य मार्ग पर हरदीमोह के पास आंधी के कारण गिरे पेड़ की वजह से ऑटो रुका था। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप ने ऑटो में टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान चंदन मांझी के बेटे ऋषि कुमार(10) और जोधन मांझी के बेटे गल्लू कुमार(10) के रूप में हुई है। वहीं गौतम मांझी (12), दीपक कुमार (11) और मोदी कुमार (12) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार सभी बच्चे गांव के संतोष मांझी के बेटे चूटर मांझी की शादी में जमुई शहर के हरनाहा गांव गए थे। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायल बच्चों को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया है। खैरा थानाध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। मृतक बच्चों के परिजनों का सदर अस्पताल में रो-रोकर बुरा हाल है।

संदिग्ध हालत में महिला की मौत

■ हिरासत में पति :परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

पटना, एजेंसी। पटना के बाढ़ अनुमंडल के उमानाथ में रूपा देवी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। रूपा देवी गोसाईंमठ मोहल्ला में रहती थी। वह मूल रूप से नालंदा जिले के जगतपुर गांव की रहने वाली थी। परिजनों का आरोप है कि रूपा देवी की गला दबाकर हत्या की गई। उनका कहना है कि मौत के बाद परिवार के सभी लोग एक शादी समारोह में चले गए। परिजनों को मौत की सूचना तक नहीं दी गई। जब वो मौके पर पहुंचे तो शव बेड पर पड़ा मिला। कमरे में न तो रस्सी मिली और न ही फांसी लगाने का कोई निशान। परिजनों के अनुसार, रूपा का पति शराब का अवैध व्यापार करता था। वह कई वर्षों से पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। रूपा ने इसकी शिकायत अपने परिवार से की थी। परिवार ने समझा-बुझाकर साथ रहने की सलाह दी। कुछ दिन पहले भी पति ने उसे हत्या की धमकी दी थी। दोनों के तीन बच्चे हैं। पति धनराज कुमार का कहना है कि वह घटना के समय घर के पास स्थित मंदिर में था। उसकी पत्नी से तीन दिनों से बातचीत नहीं हो रही थी। उसने घर में खाना भी नहीं खाया। सब इंस्पेक्टर रविरंजन सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। पति को हिरासत में लिया गया है। पड़ोसियों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच तीन दिनों से विवाद चल रहा था।

मुर्शिदाबाद घटना से विष्णुनगरी में कम आ रहे बंगाल के पिंडदानी

गया, एजेंसी। गर्मी के मौसम में विष्णुपद इलाके की रौनक ठंडी पड़ी है। पिंडदानियों की संख्या बेहद कम हो जाने से विष्णुपद मंदिर से लेकर फल्गु के घाटों पर चहल-पहल नहीं है। खासकर बंगाली तीर्थयात्रियों के नहीं आने से ऐसी स्थिति बनी हुई है। पिछले माह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई घटना का असर गयाधाम में भी दिख रहा है। साथ ही इस वक्त सीजन यानी दक्षिण भारत के तीर्थयात्रियों के भी कम आने से विष्णुपद इलाके की रौनक फीकी पड़ी हुई है। विष्णुपद इलाके के दुकानदार, गयापाल से लेकर ब्राह्मणों पर इसका असर है। प्रतिदिन करीब पांच हजार की जगह एक हजार से भी कम आ रहे पिंडदानी गयापाल छोटू बारिक और चंदन लाल गुर्दा ने बताया कि गर्मी के सीजन में दक्षिण भारत और बंगाल सहित देश के अन्य हिस्सों से पिंडदानी पितरों के लिए विष्णुनगरी आते हैं। इस वक्त औसतन एक दिन में करीब पांच हजार तीर्थयात्री आ जाते थे। लेकिन, इस वक्त इनकी संख्या दो हजार से भी कम हो गयी है। मुर्शिदाबाद घटना के बाद मुर्शिदाबाद, मालदा सहित अन्य इलाकों से पिंडदानियों की संख्या नहीं के बराबर है। दूसरी ओर इस वक्त के सीजन में दक्षिण भारत से आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या भी कम गयी है। चार हजार की जगह एक हजार भी नहीं है। गर्मी के सीजन यानी पितृपक्ष से पहले तक दक्षिण भारत के प्रदेशों से ही पिंडदानियों का आने की संभावना है। सालों भर पश्चिम बंगाल से आने वालों की संख्या प्रभावित रहेगी।

करीब 400 दुकानदारों का कारोबार प्रभावित विष्णुपद मंदिर के अलावा फल्गु के देवघाट, गजाधर व

संगत घाट पर सन्नाटा पसरा है। महत्वपूर्ण प्रेतशिला, अक्षयवट वेदी पर भी भीड़ नहीं है। विष्णुपद इलाके में छोटी-बड़ी करीब 400 दुकानें हैं। पिंडदानियों के नहीं आने से सभी की दुकानदारी प्रभावित है। चंदन गुर्दा व मुकेश मालाकार बताया कि सन्नाटा पसरा है। 80 फीसदी दुकानदारी प्रभावित है। विष्णुपद में इस वक्त भीड़ पिंडदानियों की नहीं शादी-विवाह करने वालों की है। जिले के ग्रामीण इलाकों से आकर विष्णुपद धाम में विवाह रचा रहे हैं। ये लोग खरीदारी नहीं करते। पितृपक्ष मेला तक इसी तरह की स्थिति रहने का अनुमान है।

बांका में 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह:ई-रिक्शा से मंडप पर पहुंचे दूल्हे

बांका, एजेंसी। बांका के रजौन प्रखंड के सोहानी गांव में सोमवार की मध्य रात्रि को सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कन्हैया मंडली और हरित रजौन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 11 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। समारोह में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, बांका विधायक राम नारायण मंडल, जदयू प्रदेश महासचिव सुभानंद मुकेश और डॉ. हर्षवर्धन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पुनसिया से बारात नाचते-गाते सोहानी गांव पहुंची। जहां दूल्हे ई-रिक्शा पर सवार होकर मंडप तक आए। 11 अलग-अलग मंडपों में पंडितों ने हिंदू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न कराया। वरमाला और सात फेरों की रस्में पूरी की गईं। सभी शादियां दहेज मुक्त रहीं।यह आयोजन 2007 से प्रतिवर्ष किया जा रहा है। आयोजन स्थल को सजाया गया था।

पूरी रात चला जागरण कार्यक्रम

मेहमानों के लिए कोल्ड ड्रिंक, नाश्ता, भोजन और पानी की व्यवस्था की गई थी। पूरी रात जागरण कार्यक्रम चला। महात्मा भोली बाबा के शिष्य और सामूहिक विवाह के संस्थापक कन्हैया सिंह, पर्यावरणवादी डॉ. रवि रंजन और सुमित कुमार उर्फ बब्बू ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में संस्था के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। विवाह करने वाले जोड़ों में गौरव कुमार-ममता कुमारी, राकेश कुमार सिंह-साखो कुमारी, सोनू कुमार-कल्पना कुमारी, सुखनंदन कुमार-जुली कुमारी, सूरज कुमार-नंदनी कुमारी, रावण राय-करुणा कुमारी, डब्लू राय-रंभा कुमारी, सज्जन दास-नंदनी कुमारी, सुरेंद्र दास-कंचन कुमारी, कुंदन कुमार दास-मनीषा कुमारी और जितेंद्र दास-सोनी कुमारी शामिल थे।

ट्रक में से गायब हो गई 500 से ज्यादा चीनी की बोरियां

बिहारशरीफ, एजेंसी। बिहार में अपराधियों ने चीनी लूटकांड को अंजाम दे दिया है। दरअसल राज्य के बिहारशरीफ जिले में दीपनगर थाना क्षेत्र के मामू-भगीना मोड़ के पास 26 अप्रैल को लावारिस हालत में ट्रक मिला था। बाद में जानकारी हुई कि ट्रक पर लदी 600 बोरा चीनी गायब थी। चालक भी गायब था। पुलिस ने इस लूटकांड का खुलासा कर लिया। 3 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी निशानदेही पर 55 बोरा चीनी बरामद की गयी है। सदर डीएसपी नुरुल हक ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि इसमें चालक की भी संलिप्तता थी। उन्होंने बताया कि बिचली खंदक मोहल्ला निवासी व्यवसायी सत्येन्द्र कुमार ने दीपनगर थाने में प्राथमिकी करायी थी। प्राथमिकी के अनुसार उन्होंने गोपालगंज से ट्रक पर 600 बोरा चीनी मंगवाया था। इसकी कीमत करीब 12 लाख 88 हजार रुपये थी। ट्रक 24 अप्रैल को गोपालगंज से रवाना हुआ था। 25 अप्रैल को चालक ने फतुहा पहुंचने की सूचना दी। इसके बाद से उसका मोबाइल बंद हो गया। अगली सुबह मामू-भगीना मोड़ के पास खाली ट्रक बरामद हुआ। प्राथमिकी के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। तीन मई को पटना से तीनों को पकड़ा गया। खाजेकला थाना क्षेत्र के दुल्ली घाट निवासी सत्यप्रकाश राय, आलमगंज थाना क्षेत्र के जल्ला रोड निवासी प्रदीप कुमार व गुलजारबाग, चैलीटांड निवासी राकेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। राकेश पटना के गल्ला व्यवसायी गोलू कुमार का भाई है। उसी ने इसकी साजिश रची थी। पूछताछ में पता चला कि फतुहा से चीनी को अलग-अलग स्थानों पर भेज दिया गया था। अन्य बदमाशों को गिरफ्तार कर बाकी बची चीनी को भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

जदयू पब्लिक को राजद के 'जंगलराज' और नीतीश सरकार के 'सुशासन' का फर्क बताएगा

नीतीश कुमार ने विधानसभा चुनाव को ले अपने नेताओं के साथ बैठक की

पटना, एजेंसी। जदयू, पब्लिक को राजद के 'जंगलराज' और नीतीश सरकार के 'सुशासन' का फर्क बताएगा। पार्टी की समझ है कि सिर्फ यही काम ठीक से हो जाए, तो 'मिशन 2025 फिर से नीतीश' को साकार करने में मुश्किल नहीं होगी। सोमवार को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में हुई पार्टी के वरीय नेताओं की बैठक में इस काम को अभियान चलाकर पूरा करने की बात हुई। पार्टी तथा एनडीए के दूसरे घटक दल इसमें जुटे हैं। सामने दिख रहे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इसे और रफ्तार देने, और सघन करने पर खासी चर्चा हुई।

बैठक की राय रही कि बिहार की नई पीढ़ी 2005 के पहले के बिहार से बिल्कुल वाकिफ नहीं है। उसे नहीं मालूम है कि कितनी मशक्कत से बिहार को बदला गया है। उसे यह सब ठीक से बताया जाए। अति पिछड़ों, महिलाओं व युवाओं पर पार्टी का खास ध्यान रहेगा। जाति जनगणना बड़ा एजेंडा होगा। मुख्यमंत्री ने संवाद कार्यक्रमों को बहुत मुनासिब तरीके से अंजाम देने की बात कही। ध्यान रहे कि महिला, एससी-एसटी तथा शहरी आबादी के लिए सरकार संवाद कार्यक्रम चला रही है। मकसद, इस जमात के लोगों से उनकी समस्याएं पूछकर उसे निपटाना और योजनाएं बनाने में उनकी राय को तवज्जो देना है। मुख्यमंत्री आवास में हुई बैठक में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन', पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा आदि मौजूद थे।

जदयू नीतीश सरकार के बेहतर कार्यों को लेकर आम लोगों के बीच जाएगा। पार्टी के नेता सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों की जनता को बताएंगे कि 20 वर्ष में राज्य सरकार ने उनके कल्याण के साथ-साथ राज्य के विकास के लिए क्या-क्या कार्य किया है। नीतीश सरकार ने किस प्रकार सूबे की सूरत बदली। कैसे जीवन सहज बना और आम लोगों की विकास में हिस्सेदारी दिखी। खासकर महिलाओं के साथ-साथ वंचित वर्गों व अल्पसंख्यकों के लिए अबतक किये गये कार्यों की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक की। बैठक में पूरी मजबूती से चुनाव लड़ने और विरोधियों के हर वार का माकूल जवाब देने की रणनीति बनी। पार्टी के चुनिंदा दर्जनभर नेताओं की बैठक में पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार ने नेताओं से कहा कि बिहार चुनाव 2025 खूब बढ़िया से लड़ना है। लोगों को सरकार द्वारा किये गये कार्यों के बारे में समझाना है। 2005 के बाद विभिन्न क्षेत्रों में आए बदलाव की जानकारी देने का टास्क सौंपा गया। शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, बिजली समेत हर सेक्टर में हुए कार्यों को बताया जाएगा।

पहली बार वोट डालने वाले पर फोकस

युवाओं और पहली बार वोट डालने वाले यूथ पर भी जदयू फोकस करेगा। उन्हें भी सूबे में आए बदलाव की जानकारी दी जाएगी। उन्हें जंगलराज के बारे में बताया जाएगा। नीतीश कुमार ने 2005 में सूबे में एनडीए की सरकार बनने के बाद किस प्रकार बड़े बदलाव की पहल की और कैसे बिहार को विकास की राह पर दौड़ाया। पार्टी मानती है कि ये मतदाता 20 वर्ष पहले के बिहार को अच्छे तरीके से नहीं जानते। पार्टी के वरीय नेता इसकी लगातार मॉनिटरिंग भी करेंगे।

जिले के पांच सीओ, चार बीएओ का वेतन बंद

भागलपुर, एजेंसी। बीते 14 अप्रैल से चल रहे डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान में शिथिलता पर बड़ी कार्रवाई की गई है। डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने सोमवार को समीक्षा के क्रम में पांच अंचलाधिकारी (सीओ) और चार प्रखंड कृषि पदाधिकारी (बीएओ) को कार्य में अभिरुचि नहीं लेने और सहयोग नहीं करने का प्रथम दृष्टया दोषी पाया है। इसके लिए इन नौ पदाधिकारियों का वेतन बंद करते हुए अनुशासनिक कार्रवाई भी करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा भवन में हुई बैठक में डीएम ने डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत महादलित टोलो में आयोजित विकास शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति जानी। बैठक में राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, किसानों का पंजीकरण सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं के लाभ प्राप्त करने को लेकर दिए गए आवेदन सहित 22 प्रकार की सेवाओं के लिए विकास शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति की समीक्षा प्रखंड वार बारी-बारी से की गई। इसी क्रम में कहलगांव, शाहकुंड, बिहपुर और सबौर के प्रखंड कृषि पदाधिकारी को किसानों के पंजीकरण में कोई अभिरुचि नहीं लेने के लिए वेतन बंद करते हुए विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया गया।

अनोन्जा को मिली केन्द्रीय गृह मंत्रालय की प्रतिष्ठित बीपीआरडी फेलोशिप

गया, एजेंसी। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस (एसएलजी) की शोधार्थी अनोन्जा प्रियदर्शिनी को भारत सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से पोषित प्रतिष्ठित बीपीआरडी फैलोशिप के लिए चयन हुआ है।

यह फेलोशिप देशभर से केवल दो शोधार्थियों को प्रदान की गई जो गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) द्वारा अपराध विज्ञान, पुलिस विज्ञान एवं संबंधित विषयों में डॉक्टोरल अनुसंधान के लिए प्रदान की जाती है। पीआरओ मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि प्रियदर्शिनी एसएलजी के विभागाध्यक्ष और डीन प्रो. अशोक कुमार के पर्यवेक्षण में शोध कर रही हैं। प्रियदर्शिनी के शोध का शीर्षक अपराध रोकथाम के भविष्य को नियंत्रित करना: भारत में भविष्य कहनेवाला पुलिसिंग के कानूनी और न्यायशास्त्रीय आयाम है। उनका शोध प्रेडिक्टिव पुलिसिंग जैसे उभरते हुए तकनीकी साधनों के

न्यायसंगत उपयोग के लिए कानूनी ढांचे को विकसित करने की दिशा में केंद्रित है। यह फेलोशिप प्रियदर्शिनी के चल रहे शोध परियोजना के लिए सहायक सिद्ध होगी, जिससे उन्हें क्षेत्रीय अध्ययन, तुलनात्मक विश्लेषण तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठनों के साथ सहयोग का अवसर मिलेगा।

शोध के तहत प्रियदर्शिनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल प्रेडिक्टिव पुलिसिंग मॉडलों का अध्ययन करेंगी, जिनमें स्कॉटलैंड यार्ड (यूके), एफबीआई (अमेरिका), इजराइल पुलिस, और सिंगापुर पुलिस बल जैसे संगठन शामिल हैं। ये संस्थान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित अपराध पूर्वानुमान प्रणालियों का उपयोग करते हुए जवाबदेही एवं कानूनी संतुलन बनाए रखते हैं, जो भारतीय संदर्भ में अनुकरणीय हो सकते हैं। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने फेलोशिप प्राप्त होने पर अनोन्जा को विशेष समारोह में पुरस्कृत करते हुए उन्हें बधाई दी है।

गांजा पीने के विवाद में दोस्त की गला रेतकर हत्या

सुपौल में मर्डर के बाद थाना पहुंचा हत्यारा, गिरफ्तार,परिजन बोले-दूध बेचकर घर लौट रहा था

सुपौल, एजेंसी। सुपौल के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरो ब्रह्मपुर वार्ड नंबर 4 में सोमवार देर शाम एक गांजा पीने को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपने ही दोस्त की गला रेतकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान बैरो ब्रह्मपुर निवासी कपिलेश्वर सिंह के बेटे हरेराम सिंह(58) के रूप में हुई है। वहीं, घटना के बाद हत्यारा दोस्त थाना पहुंचकर पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

दूध बेचकर घर लौट रहा था

मृतक के भाई कैलाश सिंह ने बताया कि हरेराम सिंह रोज की तरह दूध बेचकर देर शाम घर लौट रहा था। इसी दौरान उसके दोस्त पंकज सिंह से गांजा पीने को लेकर किसी बात पर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि पंकज सिंह ने पास में ही रखे धारदार हथियार से हरेराम का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सुपौल भेज दिया।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पंकज सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक और आरोपी एक-दूसरे के घनिष्ठ मित्र थे और अक्सर साथ रहते थे। दोनों के घर भी आमने-सामने हैं, जिस कारण यह घटना स्थानीय लोगों के लिए और भी चौंकाने वाली रही।

गला रेतकर की हत्या

सदर थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि यह मामला गला रेतकर हत्या का है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी साक्ष्यों को खंगाल रही है और जरूरी कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

अरवल एसपी के खिलाफ किशनगंज में गिरफ्तारी वारंट जारी

किशनगंज, एजेंसी। बिहार मेंअरवल जिले के वर्तमान एसपी डॉ. इमानुल हक मेंगनू के खिलाफ किशनगंज में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। यह आदेश केस नंबर सी-113/2023 की सुनवाई के बाद किशनगंज सीजेएम कोर्ट की ओर से जारी किया गया है। वर्ष 2023 में किशनगंज जिले में एसपी रहने के दौरान अधिवक्ता से बदतमीजी, गालीगलौज आदि के आरोपों की शिकायत पर सुनवाई के बाद सीजेएम कोर्ट ने वारंट जारी करते हुए वर्तमान पुलिस अधीक्षक व सदर थानाध्यक्ष को तामिला का आदेश दिया है। जानकारी के अनुसार किशनगंज व्यवहार न्यायालय में कार्यरत अधिवक्ता छविलाल सिंह ने किशनगंज के तत्कालीन एसपी डॉ मेंगनू के खिलाफ 10 फरवरी 2023 को सीजेएम कोर्ट में वाद दायर कर शिकायत की थी। जिस पर सुनवाई के बाद सीजेएम कोर्ट ने वर्तमान अरवल एसपी के खिलाफ जमानतीय वारंट जारी किया है। परिवादी अधिवक्ता छविलाल सिंह द्वारा दायर वाद के अनुसार आठ फरवरी 2023 को तत्कालीन एसपी ने उन्हें अपने कार्यालय में बुलाया। यहां एसपी ने उनके साथ गालीगलौज और अभद्रता की। जिसके बाद नौ फरवरी 2023 को एसपी के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया था। आमसभा में बताया गया कि पहले भी मेंगनू द्वारा अधिवक्ता संजय श्रीवास्तव, प्रियंका कुमारी आदि के साथ इस तरह का व्यव्हार किया गया है। किशनगंज के वर्तमान एसपी सागर कुमार ने कहा कि सीजेएम कोर्ट द्वारा तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के खिलाफ जारी गिरफ्तारी जमानतीय वारंट का तामिला कराने का निर्देश सदर थानाध्यक्ष को दिया है। वहीं अरवल जिले में तैनात किशनगंज के तत्कालीन एसपी डॉ. मेंगनू ने कहा कि घटना के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। मुझे वारंट जारी होने की जानकारी अबतक नहीं मिली है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक लापरवाही बना मौत का कारण

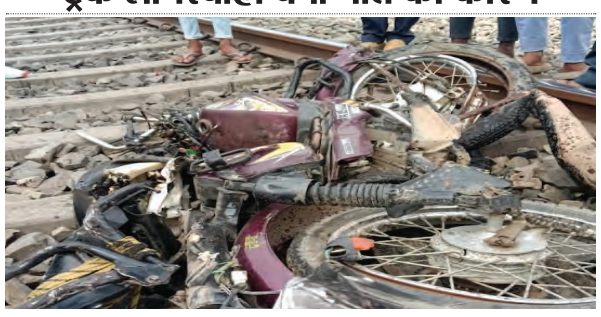

हाजीपुर (वैशाली) (नि.सं.)। पूर्व मध्य रेल द्वारा सुरक्षित एवं बाधारहित रेल परिचालन के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इसी कड़ी में रेलवे ट्रैकों का नवीनीकरण, महत्वपूर्ण रेलखंडों की फेंसिंग, घनी आबदी वाले क्षेत्रों में चहारदिवार आदि के बाद कई रेलखंडों में ट्रेनों की गतिसीमा में वृद्धि की गयी है। रेलवे द्वारा यात्री सुरक्षा के मद्देनजर एफओबी/एलएचएस/ सब-वे के निर्माण सहित यात्री सुरक्षा/संरक्षा के मद्देनजर कई कदम उठाए गए हैं। सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्रचार माध्यमों द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन आदि के माध्यक से रेलवे ट्रैक से उचित दूरी बनाए रखने की सलाह दी जाती रही है। विदित हो कि गलत तरीके से रेलवे ट्रैक पार करने में जनवरी, 2025 से मार्च, 2025 तक पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में लगभग 335 लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से पैदल या वाहन के साथ ट्रेन से टकराकर मौत हो गयी। इनमे दानापुर मंडल में 136, सोनपुर मंडल में 22, समस्तीपुर मंडल में 66, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 62 तथा धनबाद मंडल में 49 लोगों की अवैध तरीके से रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान ट्रेन से टकराकर मौत हो गयी। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि जल्दबाजी में रेल पटरी पार कर अपने जीवन को खतरे में ना डालें। साथ ही एक प्लेफार्म से दूसरे प्लेफटफार्म पर जाने के लिए सदैव सब-वे या फुट ओवर ब्रिज का प्रयोग करें। रेलवे ट्रैक के आस पास हमेशा सतर्क रहें तथा रेलवे ट्रैक से हमेशा पर्याप्त दूरी बनाकर रखें। रेलवे ट्रैक हमेशा अधिकृत समपार फाटकों से ही पार करें। यत्र-तत्र अनधिकृत रूप से रेलवे ट्रैक पार करना गैरकानुनी तथा जानलेवा है। रेलवे ट्रैक पर न चलें, यह खतरनाक भी है और अपराध भी।

पूमरे में संरक्षा और सुविधा पर मंथन

हाजीपुर (वैशाली) (नि.सं.)। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा आज 06.05.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी। इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा यात्री सुविधा, रेल संरक्षा सहित पूर्व मध्य रेल पर चल रहे आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गयी। बैठक में पावर प्वाईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से उपलब्धियों एवं किये जा रहे कार्यों की से महाप्रबंधक को अवगत कराया गया। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा आदि के संबंध में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल परिचालन में संरक्षा नियमों के शत-प्रतिशत अनुपालन का निर्देश दिया और कहा कि संरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिये। निर्माण परियोजनाओं की कार्य प्रगति की मॉनिटरिंग के साथ-साथ उसमें तेजी जाने तथा नई योजनाओं के कार्यान्वयन में नई तकनीक के प्रयोग पर भी महाप्रबंधक ने बल दिया।

लेखक की पुस्तक हार्वर्ड तक हुई चर्चित

पटना (नि.सं.)। बिहार की साहित्यिक और वैचारिक धरती ने एक बार फिर अपनी उपस्थिति का प्रभावशाली प्रमाण दिया है। बिहार के प्रबुद्ध लेखक और चिंतक मिथिलेश कुमार सिंह द्वारा लिखित पुस्तक 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' (हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित) ने साहित्यिक जगत में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। मिथिलेश की इस पुस्तक ने न केवल भारत, बल्कि विदेशों में भी अपनी बौद्धिक उपस्थिति दर्ज करायी है। सामाजिक न्याय, धर्म और वामपंथी विचारधारा के जटिल अंतर्संबंधों पर केंद्रित यह पुस्तक अब देश के साथ-साथ दुनिया की नामचीन यूनिवर्सिटीज और संस्थानों की लाइब्रेरीज की शेल्फ में शामिल हो चुकी है। प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों द्वारा पुस्तक को जगह देना, यह दर्शाता है कि मिथिलेश कुमार सिंह का लेखन वैश्विक शोधकर्ताओं, अकादमिक जगत और वैचारिक बहसों के लिए भी अत्यंत उपयोगी और प्रेरक है। यह उपलब्धि न केवल लेखक के लिए, बल्कि बिहार की वैचारिक परंपरा और साहित्यिक गरिमा के लिए भी गौरव का विषय है। बिहार की धरती विचारधारात्मक बहसों, समाज सुधार आंदोलनों और बौद्धिक संघर्षों की साक्षी रही है। मिथिलेश कुमार सिंह की यह पुस्तक उस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक विमर्श में नयी ऊंचाई देती है। यह न केवल बिहार बल्कि पूरे हिंदी भाषी क्षेत्र के लिए प्रेरणास्पद है कि यहां की लेखनी भी विश्व मंच पर सराही जा सकती है। मिथिलेश की यह पुस्तक अब एक ऐसा बौद्धिक दस्तावेज बन चुकी है, जो आने वाले समय में न केवल शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों, बल्कि नीतिनिर्माताओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। बिहार के एक लेखक की कलम से निकला यह कार्य वैश्विक बौद्धिक मंचों पर भारत की सामाजिक चिंताओं और विचारधारात्मक संघर्षों की गूंज बनकर उभरा है। भारत सरकार के प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी ने पुस्तक 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' को अपने पुस्तकालय में शामिल किया है। यह वही संस्था है, जहां से भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा जैसे सर्वोच्च सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षित होते हैं। इस संस्थान में किसी पुस्तक का पहुंचना, उसकी वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उपयोगिता का संकेत माना जाता है। इसके आलावा देश में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, एआईसीटीई और गोवा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने भी अपने संग्रह में इस पुस्तक को शामिल किया है। 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' की गूंज सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विदेशों के विश्वविद्यालयों की पुस्तकालयों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। अमेरिका की विश्वप्रसिद्ध यूनिवर्सिटियों में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, तथा यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल जैसे संस्थानों की लाइब्रेरीज ने भी इसे अपने संग्रह में जगह दी है। यह संकेत है कि पुस्तक नीतिगत, सामाजिक और वैचारिक विमर्श के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह पुस्तक अब उन वैश्विक शोधकर्ताओं, शिक्षकों और छात्रों की पहुंच में है, जो सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और वामपंथी आंदोलनों पर काम कर रहे हैं। 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' एक बहुस्तरीय वैचारिक विमर्श प्रस्तुत करती है, जिसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस्लाम के सामाजिक पहलुओं और वामपंथी सोच के साथ संवादात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों को उजागर करती है बल्कि समकालीन राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भी प्रासंगिक प्रश्न उठाती है। लेखक ने गहराई से अध्ययन कर यह विश्लेषण प्रस्तुत किया है कि किस प्रकार अंबेडकर का दृष्टिकोण धर्म और वर्ग संघर्ष के साथ जुड़ता है। यह पुस्तक डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों, इस्लाम धर्म के सामाजिक पहलुओं और वामपंथी विचारधारा के अंतःसंबंधों पर गहन विश्लेषण प्रस्तुत करती है। लेखक ने ऐतिहासिक संदर्भों, सामाजिक न्याय के विमर्श और समकालीन राजनीति को एक वैचारिक सूत्र में पिरोने की कोशिश की है। यह प्रयास आज के समय में भारतीय समाज में चल रही बहसों के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण बन जाता है। यह पुस्तक अंबेडकर के इस्लाम और वामपंथ के प्रति विचारों को स्पष्ट रूप से सामने लाती है और वर्तमान राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में उनके विचारों की प्रासंगिकता को उजागर करती है। इस पुस्तक ने वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक और राजनीतिक हलकों में रुचि उत्पन्न की है, विशेष कर उन क्षेत्रों में जहां अंबेडकर के विचारों पर शोध किया जा रहा है। अंबेडकर इस्लाम और वामपंथ न सिर्फ बाबा साहब अम्बेडकर के इस्लाम और वामपंथ के प्रति उनके विचारों को पाठकों के सामने रखती है, वरन आज की ताजा राजनीति में इस्लाम एवं वामपंथ के नेतृत्व द्वारा अंबेडकर को अपना बनाने के प्रयासों के सतही तर्कों को बिंदुवार ध्वस्त किया है। और, ये बताया है कि अंबेडकर के विचार 'इस्लाम और वामपंथ' दोनों को लेकर कितने स्पष्ट थे।

नीतीश के घर में चिराग दिखायेंगे ताकत, किया शंखनाद

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चिराग पासवान अपनी ताकत बढ़ाने में जुटे हैं। लोजपा (रामविलास) अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में अपनी ताकत दिखायेगी। पार्टी 18 मई को नालंदा के बिहारशरीफ की धरती से लोजपा (रा।) बहुजन समागम करके दलितों के बीच चेतना का शंखनाद करने जा रही है। बहुजन समागम को लेकर लोजपा (रा।) के प्रवक्ता मनीष सिंह, अनुसूचित जाति प्रकोष्ट अध्यक्ष परशुराम पासवान एवं पूर्व विधायक डॉ श्यामदेव पासवान ने बिहारशरीफ लोजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जातिगत जनगणना को लेकर दलितों को जागरूक किया जाएगा। लोजपा प्रवक्ता ने कहा कि हमारी पार्टी लंबे समय से जातिगत जनगणना की मांग करते रही है। उसी का प्रतिफल है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जातिगत जनगणना कराने की घोषणा की गई। हमारी पार्टी चाहे पक्ष में रही हो या विपक्ष में जातिगत जनगणना कराना हमारा कोर एजेंडा रहा है। इसके लिए हमारे कार्यकर्ता सड़कों पर पुलिस की लाठी खाकर खून बहाए हैं। जातिगत जनगणना सामाज में व्याप्त हर तरह की विषमता को जानने का एक्स-रे टेस्ट है। इससे सामाजिक स्तर पर जो भी कमी रह गई है उसे दूर करने में मदद मिलेगी। मनीष सिंह ने कहा कि हमारे नेता दिवंगत रामविलास पासवान चाहे काका कालेलकर कमीशन हो, मुंगेरीलाल कमीशन हो या मंडल कमीशन हो उसे लागू कराने के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष किए थे। विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा पिछड़े समाज को आरक्षण दिलवाने में रामविलास पासवान की बहुत बड़ी भूमिका थी। वीपी सिंह के सबसे भरोसेमंद साथी रामविलास पासवान ही थे। जातिगत जनगणना को लेकर कुछ लोग भ्रम की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी का चरित्र हमेशा से सामाजिक न्याय विरोधी रहा है। दक्षिण भारत और महाराष्ट्र के पिछड़े समूह ने जब पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार से अपना हक मांगना शुरू किया तो पंडित नेहरू मामले को ठंडा करने के लिए काका कालेलकर कमेटी का गठन किए। लेकिन पंडित नेहरू तो क्या कांग्रेस की किसी सरकार ने उसे लागू नहीं किया। लोजपा प्रवक्ता ने जोड़ देकर कहा कि राजद आज सामाजिक न्याय विरोधी ताकतों की गोद में खेल रही है। मंडल कमीशन की रिपोर्ट को कूड़ेदान में डालने वाली कांग्रेस के साथ गलबहियां करने के लिए लालू परिवार को बहुजन समाज कभी माफ नहीं करेगा। बिहार के लोग भूले नहीं हैं कि किस तरह कांग्रेस पार्टी ने बाबू जगजीवन राम को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया था! चिराग पासवान आज की तारीख में पूरे देश में दलितों की उम्मीद बनकर उभरे हैं। बिहार की जनता के लिए चिराग पासवान आखिरी उम्मीद हैं। अगर चिराग पासवान को मौका दिया जाएगा तो वे बिहार को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए तैयार हैं।

सेवानिवृत शिक्षक की इलाज के दौरान हुई मौत, शिक्षकों में शोक

निज संवाददाता | हरिहरगंज

हरिहरगंज प्रखंड मुख्यालय के समीप रहनेवाले सेवानिवृत शिक्षक रमेश कुमार सिंह का पटना एम्स में इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह मौत हो गयी। करीब तीन माह पहले मॉर्निंग वॉक करने के दौरान गिर जाने से रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। उनका इलाज पटना स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में चल रहा था। वे 30 मार्च 2023 को सेवा निवृत्त हुए थे। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव औरंगाबाद जिला के ओबरा, तेजपूर में किया गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही शिक्षक समाज में शोक व्याप्त हो गया। शोक व्यक्त करने वालों में अजप्ता के प्रखंड सचिव संतोष कुमार राय, सतीश मिश्रा, विपिन राय, मृत्युंजय सिंह, अभिलाषा कुमारी, अजय कुमार, संतोष गुप्ता, अर्जुन राम, चितरंजन कुमार, अनुपमा कुमारी, कृष्ण कुमार ठाकुर, धर्मेंद्र कुमार, यमुना कुमार रवि, सीआरपी ओमप्रकाश मिश्रा, जितेन्द्र कुमार, संजय गुप्ता, अजित मिश्रा सहित हरिहरगंज तथा पिपरा प्रखंड के अनेक शिक्षक व शिक्षा कर्मी शामिल हैं।

एनडीए राज में बदली राज्य की तस्वीर : संतोष सुमन

निज संवाददाता | पटना

हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा कि एनडीए के 20 वर्षों के शासनकाल में बिहार जहां विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा वहीं आम बिहारियों में संवृद्धि आई व उन्हें देश के अन्य राज्यों में सम्मान मिलना शुरू हुआ। 2005 के पहले बिहारियों को देश के दूसरे प्रदेशों में अपनी पहचान छुपानी पड़ती थी। अपराध, अपहरण उधोग,भ्रष्टाचार, लूट-खसोट, ट्रेन व रोड डकैतियों तथा नरसंहारों के अंतहीन सिलसिलों की वजह से पूरे देश मे बिहार की छवि काफी खराब थी। संतोष सुमन ने कहा कि यह वह दौर था जब लोग अपने घरों से निकलने में डरते थे। स्कूल गए बच्चों की सकुशल वापसी के लिए माएँ दुआएं व मनौतियां मांगती थीं। शाम होने के पहले लोग सुरक्षित अपने घर लौट आते थे। देर रात पटना जंक्शन पर उतरने वाले यात्री सुबह होने तक स्टेशन पर रूकते थे। उन्होंने कहा कि 2005 में बिहार में जब बदलाव हुआ, एनडीए की सरकार बनी तो कानून का राज स्थापित किया गया। स्पीडी ट्रायल के जरिए अगले 3 साल में 76 हजार से ज्यादा आपराधिक मामलों में सजा सुनाई गई। अपराधियों पर नकेल कसा गया। फिरौती के लिए राजनीतिक संरक्षण में चलने वाले अपहरण उधोग पर अंकुश लगा। इससे लोगों में कानून के राज के प्रति भरोसा बढ़ा। सुशासन व न्याय के साथ विकास से बिहार की छवि बदली और आम बिहारियों को अपने बिहारिपन पर गर्व का अहसास होने लगा।

तिलक के एक दिन पहले दूल्हे का मिला शव

गया (नि.सं.)। बिहार के गया जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां शादी की तैयारियों के बीच एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 24 वर्षीय अशोक यादव के रूप में हुई है, जिसकी शादी आगामी 10 मई को तय थी और 8 मई दिन बुधवार को उसका तिलक था। लेकिन तिलक से ठीक एक दिन पहले युवक का शव गांव के पोखरे के पास बरामद हुआ, जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई और शादी का माहौल पल भर में मातम में बदल गया। मामला फतेहपुर थाना क्षेत्र के डुमरी तपसा गांव का है। अशोक यादव सोमवार की शाम को घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा।

जमीन विवाद में खूब चली लाठियां व कुदाल एक महिला का कमर टूटा, पावापुरी रेफर

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के कुंडला मोहल्ला में मंगलवार की सुबह लगभग 9 बजे जमीन पर जबरन कब्जे को लेकर बदमाशों ने महिलाओं पर जमकर लाठियां और कुदाल चटकाए।इस दौरान एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई, जिसे परिजनों के सहयोग से अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया। अस्पताल में ड्यूटी में रही महिला चिकित्सक डॉ. स्नेहल ने बताई कि घायल महिला की पहचान कुंडला मोहल्ला निवासी मो. यूनुस मियां की पत्नी नाजमा खातून के रूप में हुई है। साथ ही बताई कि मारपीट में घायल महिला का कमर टूट गया है, जिसका प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु पावापुरी स्थित विम्स अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद पीड़ित परिजनों में भय का माहौल व्याप्त है। अस्पताल परिसर में मौजूद संजीदा खातून ने बताई कि हमारे पूर्वजों के जमीन में आधे में हमलोग मकान बनाकर रह रहे हैं और लगभग आधा जमीन खाली है।खाली पड़े जमीन पर अवैध रूप से जबरन कब्जा करने को लेकर घर की महिलाओं के साथ बदमाशों ने बर्बरता से मारपीट कर एक महिला को बुरी तरह से जख्मी कर दिया है।

क्या है मामला

घायल महिला नाजमा खातून के पुत्र मो. साकिब ने बताया कि हमारे जमीन पर थाना संख्या 184, खाता संख्या 1110,प्लॉट संख्या 2330 में कुल रकवा 38 डिसमिल का पुराना खाता संख्या 392 एवं प्लॉट संख्या 4294 में जमाबंदी एवं लगान की रसीद दादा बुलन कुंजड़ा के पुत्र रहीम कुंजड़ा एवं हकीम कुंजड़ा के नाम से कटते आ रहा है। उसके बावजूद मलिक टोला निवासी मो. मुख्तार मियां, मो. मुख्तार मियां के पुत्र आफताब मियां व चांद मियां,मो. साग़िर मियां के पुत्र मो. वहाबुद्दीन मियां उर्फ बाबा एवं मो. मुख्तार मियां के पुत्र मुर्शीद मियां द्वारा हरवे-हथियार एवं लाठी व कुदाल आदि के साथ जबरन जमीन पर कब्जे को लेकर मंगलवार की सुबह बुनियाद खनने के दौरान महिलाओं के साथ जमकर मारपीट किया।इस दौरान हमारी मम्मी को मारपीट कर कमर तोड़ दिया है एवं हमलोगों को जान से मारने की धमकी भी दिया है।साथ ही बताया कि जमीन विवाद को लेकर बीते चार दिनों पूर्व अंचलाधिकारी को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई गई थी।

पुलिस ने की कार्रवाई

कुंडला मोहल्ला में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना की सूचना परिजनों द्वारा डायल 112 की टीम एवं थाना को दिया गया।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार को सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना में पदस्थापित एसआई सत्येंद्र सिंह एवं पुलिस बलों को भेजा गया है। इस दौरान पुलिस बलों ने मारपीट में शामिल दो बदमाशों मो. मुख्तार मियां के पुत्र आफताब मियां और चांद मियां को हिरासत में लिया गया है।

क्या कहते हैं अंचलाधिकारी

जमीन पर बुनियाद खनने वाले लोगों ने कहा कि अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी द्वारा आदेश के बाद ही वे जमीन पर कार्य शुरू किया है। इस बाबत अंचलाधिकारी ने बताया कि बीते शनिवार को जनता दरबार में उक्त मामला आया था, जिसमें एक पक्ष द्वारा पुराना खातिहान व आवश्यक कागजात दिखाया गया था। वहीं दूसरे पक्ष द्वारा जमीन के खरीद का केवाला आदि दिखाया गया है। अंचलाधिकारी ने बताया कि मामले के निपटारे के दौरान वरीय न्यायालय में जाने का निर्णय दिया गया था। साथ ही बताया कि उनके द्वारा दूसरे पक्ष को निर्माण का कोई आदेश नहीं दिया गया था।

दिवंगत कर्मचारी के आश्रितों को ईएसआईसी से पेंशन व सहायता राशि

निज संवाददाता | पटना

पटना से सामने आई है जहां कर्मचारी राज्य बीमा निगम, बिहार क्षेत्र द्वारा एक बीमित दिवंगत कर्मचारी के आश्रितों को आर्थिक सहायता के रूप में मासिक पेंशन एवं बकाया राशि प्रदान की गई। इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशक सीए. निरंजन कुमार की उपस्थिति में एक सादे समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मेसर्स पी.एम. इंजीनियर प्रा. लि. के अंतर्गत पंजीकृत बीमित कर्मचारी चंद्रदीप पंडित, जो एनटीपीसी बाढ़ में हेल्पर के पद पर कार्यरत थे, उनके निधन के बाद उनकी पत्नी ममता देवी, पुत्री चाँदनी कुमारी और पुत्र रिद्धि कुमार को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया। निगम द्वारा संवेदना भी व्यक्त की गई। बताया गया कि चंद्रदीप पंडित की मृत्यु दिनांक 29 जुलाई 2024 को कार्य के दौरान एक रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे और पूरा परिवार आर्थिक रूप से उन पर निर्भर था। नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के बाद मामले की जांच की गई, जिसके उपरांत ईएसआईसी द्वारा आश्रितों को रोजाना 454 रुपये की दर से मासिक 13,620 रुपये की पेंशन स्वीकृत की गई। साथ ही दुर्घटना की तिथि से अब तक का लगभग 1,22,580 रुपये का बकाया भुगतान भी उनके परिवार के खाते में अंतरित किया जा रहा है। गौरतलब है कि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अनुसार, यदि कोई कर्मचारी कार्यस्थल पर या कार्य और निवास स्थान के बीच यात्रा के दौरान किसी दुर्घटना का शिकार होता है और उसकी मृत्यु हो जाती है, तो इसे रोजगार चोट माना जाता है। ऐसी स्थिति में मृतक के आश्रितों को वेतन का 90% तक मासिक पेंशन देने का प्रावधान है, जो इस मामले में लागू किया गया।

हरिहरगंज में थाना भ्रमण कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता | हरिहरगंज

पुलिस अधीक्षक पलामू रीष्मा रमेशन के निर्देश पर छात्र-छात्राओं को पुलिस कार्यप्रणाली से अवगत कराने को लेकर मंगलवार को थाना भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सीता प्लस टू उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों को स्थानीय थाना परिसर में आमंत्रित कर थाना की कार्यप्रणाली, यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गयी। छात्रों को बताया गया कि किसी भी सड़क दुर्घटना व अन्य आपात स्थिति में डायल 112 सेवा का प्रयोग कर त्वरित सहायता प्राप्त की जा सकती है। मौके पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि इस पहल के माध्यम से पुलिस और समाज के बीच विश्वास व सहयोग की भावना को सशक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर एसआइ डीके गोप, हेमंती बास्के समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

पूर्व विधायक कौशल यादव ने लोगों से किया जनसम्पर्क

निज संवाददाता (नवादा) कौआकोल

पूर्व विधायक पूर्णिमा यादव के समर्थन में चुनावी मैदान में उतरे उनके पति व पूर्व विधायक कौशल यादव का गोविंदपुर विधानसभा सभा के कौआकोल प्रखण्ड में तूफानी दौरा लगातार जारी है। मंगलवार को पूर्व विधायक कौशल यादव ने लालपुर पंचायत के गुआघोघरा, लालपुर, दुमुहान, तेलियागढ़ी, मड़पो, भंवरकोल, बदरवातरी आदि गांवों में जाकर लोगों से मुलाकात किया। एवं तमाम गलतियों को माफ करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से पूर्णिमा यादव को समर्थन देने की अपील किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि पूर्व की भांति वे क्षेत्र में जाति एवं धर्म से ऊपर उठकर सभी समाज को साथ लेकर चलने का काम करेंगे। मौके पर पूर्व जिला पार्षद नारायण स्वामी मोहन, प्रमुख प्रतिनिधि व पैक्स अध्यक्ष संजय यादव, उप प्रमुख नवीन यादव, रामाश्रय सिंह, लालपुर के मुखिया प्रतिनिधि बिनोद यादव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष पहचान शिविरों का आयोजन

निज संवाददाता | नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने कहा कि किशोर न्याय सचिवालय, पटना उच्च न्यायालय तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय, बिहार, पटना के निर्गत निदेशों के आलोक में नवादा जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगता प्रमाणीकरण एवं UDID कार्ड निर्माण हेतु प्रखण्डवार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य नवादा जिले के दिव्यांग बच्चों का शत प्रतिशत प्रमाणीकरण कर उन्हें एकीकृत दिव्यांगता पहचान पत्र (UDID कार्ड) प्रदान करना तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित करना है। यह कार्य जिला स्तर पर विभिन्न विभागों के समन्वय से संचालित किया जाएगा। शिविरों का आयोजन निम्नानुसार तिथियों पर किया जाएगा। 07 मई 2025 को अकबरपुर एवं वारिसलीगंज, 08 मई 2025 को मेराकौर एवं सिरदला, 09 मई 2025 को हिसुआ एवं रोह, 10 मई 2025 को काशीचक एवं पकरीबरावां, 11 मई 2025 को कौआकोल एवं गोविन्दपुर, 13 मई 2025 को नरहट एवं नारदीगंज, तथा 15 मई 2025 को नवादा सदर एवं रजौली प्रखंड में शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी शिविर के नियंत्री पदाधिकारी होंगे। शिविर में चिकित्सा जांच, दस्तावेज सत्यापन, प्रमाण पत्र संकलन एवं UDID कार्ड हेतु आवेदन की प्रक्रिया संपन्न होगी। प्रमुख निर्देश एवं व्यवस्थाएँ: सहायक निदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, नवादा को शिविर आयोजन का नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। इनके नेतृत्व में सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी, एवं अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से शिविरों का संचालन किया जाएगा। सिविल सर्जन नवादा द्वारा मेडिकल टीम का गठन किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी। प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी प्रत्येक शिविर के लिए नोडल पदाधिकारी होंगे, जो दिव्यांग बच्चों की पहचान, सूचना प्रसार एवं आँकड़ों के संग्रहण का कार्य सुनिश्चित करेंगे। आवश्यक दस्तावेजों में – पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आदि शामिल हैं। इच्छुक लाभार्थी www.swalambancard.gov.in/pwd/application पोर्टल पर पंजीकरण हेतु उपस्थित रहें। विकास मित्र, आशा वर्कर, आंगनबाड़ी सेविका, पारा लीगल वोलंटियर एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शिविरों की सूचना हर गांव एवं मोहल्ले तक पहुंचाई जा रही है। समाज की सहभागिता अपेक्षित नवादा जिला प्रशासन सभी दिव्यांगजनों एवं उनके अभिभावकों से अपील करता है कि वे इस विशेष शिविर में अनिवार्य रूप से भाग लें तथा अपने दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित होकर UDID कार्ड निर्माण की प्रक्रिया में सहयोग करें। यह अभियान दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नगर भ्रमण के बाद प्रतिमा स्थापित

निज संवाददाता | हरिहरगंज

नगर पंचायत क्षेत्र के अररुआ कला गांव में मंगलवार को देवी मंडप का जीर्णोद्धार के बाद देवी देवताओं की मूर्तियों की स्थापना के लिए मूर्तियों को डोले पर सजाकर गाजे-बाजे के साथ नगर भ्रमण किया। यज्ञाचार्य सुधीर दास जी के नेतृत्व में मंत्रोच्चार के साथ मुख्य यजमान अभय कुमार सिंह, अरविन्द पासवान, कृष्ण कुमार सिंह, नवनीत पासवान, रामजी पासवान सहित अन्य श्रद्धालुओं भ्रमण में शामिल हुए। नगर भ्रमण में मुख्य रूप से कामेश शर्मा, मनीष पटेल, सुरेन्द्र सिंह पटेल, अजय सिंह, राजकुमार राम सहित कई गणमान्य लोग तथा यज्ञ कमिटी के सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जेएनयू के प्रो. वैद्यया का गया कॉलेज में स्वागत

गया| जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. बी सी वैद्यया सोमवार को गया कॉलेज पहुंचे। यहां के प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। प्रोफेसर वैद्यया ने परिभ्रमण के दौरान कहा कि इस महाविद्यालय का जितना बड़ा परिसर है उतना ही बड़ा यहां के शिक्षक-छात्र और कर्मचारियों का व्यवहार है। उन्होंने प्राचार्य को महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई दी। आगंतुक पंजी पर महाविद्यालय को लेकर अपने विचार लिखे। कहा कि इस महाविद्यालय का अपना बड़ा इतिहास है। कॉलेज के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि प्रोफेसर बीसी सर का आगमन हमारे महाविद्यालय में यह गर्व का विषय है।

दिव्य ज्योति हॉस्पीटल में आयुष्मान कार्ड से होगा इलाज

बिहारशरीफ|आयुष्मान भारत के लाभुकों को यूरोलॉजी से संबंधित बीमारियों का इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। भैंसासुर स्थिति दिव्य ज्योति मल्टी स्पेशीलिटी हॉस्पीटल को यूरोलॉजी के लिए सूचीबद्ध कर लिया गया है। शहर का पहला हॉस्पीटल है जहां चार बीमारियों हड्डी, स्त्री रोग, जनरल मेडिसिन और यूरोलॉजी से संबंधित समस्याओं के लिए आयुष्मान भारत के तहत इलाज होगा। हॉस्पीटल के मुख्य चिकित्सक डॉ. अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि आयुष्मान भारत के लाभुकों को हर तरह की सुविधा मिल रही है। इस कारण मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। यूरोलॉजी संबंधित समस्या को लेकर आयुष्मान भारत के काफी मरीज हॉस्पीटल आकर लौट जाते थे। लेकिन अब इन्हें पटना या दूसरे राज्य जाने की जरूरत नहीं है। अब बिहारशरीफ में ही उनका इलाज हो जाएगा। यूरोलॉजिस्ट डॉ. सूर्यकांत इलाज करेंगे।

डॉक्टर के प्रयास से बची जच्चा-बच्चा की जान

बिहारशरीफ|सदर अस्पताल में तैनात डॉक्टर वीणा प्रभा के प्रयास से सोमवार को जच्चा-बच्चा की जान बच गई। प्रसूता को प्रसव के लिए अस्पताल लाया गया था। सामान्य प्रसव की संभावना नहीं थी। ब्लड कम रहने के कारण ऑपरेशन भी संभव नहीं था। महिला डॉक्टर ने दो यूनिट ब्लड चढ़ाकर ऑपरेशन कर सफल प्रसव करा दिया। ऑपरेशन के सफल होने का चांस कम था। परिजनों की रजामंदी से डॉक्टर ने जच्चा-बच्चा की जान बचा ली। प्रसूता बिंद के कथराही गांव निवासी पूर्व जिप सदस्य गनौरी यादव की बहू प्रिया कुमारी हैं। प्रसूता के ससुर ने बताया कि प्रिया का प्रथम प्रसव था। सामान्य प्रसव संभव नहीं था। ब्लड कम रहने के कारण ऑपरेशन का सफल होना भी असंभव था। महिला चिकित्सक ने साहस दिखाया।

बच्चों में शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलकूद गतिविधियां जरूरी

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय के बीएड प्रथम वर्ष (2024-26) के प्रशिक्षुओं द्वारा पर्यवेक्षिका डॉ नरगिस नाज़ के मार्गदर्शन में छात्रों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से मध्य विद्यालय, धनावां बोधगया में सोमवार को विभिन्न प्रकार के खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यालय परिसर में प्रातः 7'30 बजे से आरंभ होकर दोपहर 11:00 बजे समाप्त हुआ। इस विशेष अवसर पर गणित दौड़, म्यूजिकल चेयर, सुई- धागा दौड़, बिस्किट दौड़,शंकु स्थानांतरित करने आदि खेलों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करना, उनके भीतर नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं टीम वर्क की भावना को प्रबल करना था। इस तरह की गतिविधियों का विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा शिक्षकगण ने सराहना की । इस कार्यक्रम के दौरान मगध विश्वविद्यालय के बी.एड. प्रशिक्षु सोनल, आराध्या, प्रिया, सिमरन, पंकज, दीपु, शुभम , अरुण लोकेश, नीतीश, सुधीर, रंजीता,रूपा, कंचन,अंकू,इत्यादि मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा शिक्षक गण ने बी.एड. प्रशिक्षु को बताया कि यह एक अच्छी पहल है और सभी प्रशिक्षुओं की सराहना की। पर्यवेक्षिका डॉ नरगिस नाज़ ने इस तरह के गतिविधियों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने तथा बच्चों में शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया ।

मगध आईटीआई के कैंपस सलेक्शन में कई विद्यार्थियों को मिली नौकरी

गया। मगध प्रा. आईटीआई माड़नपुर, खटकाचक, गया में सोमवार को सुजुकी मोटर्स हंसलपर गुजरात के द्वारा कैंपस सलेक्शन का आयोजन हुआ। इसमें काफी संख्या में छात्र उपस्थित हुए। पहले छात्रों की लिखित परीक्षा हुई। फिर कंपनी के प्रतिनिधि संजीव पाल, रामनाथ और निकुंज यादव ने छात्रों का इंटरव्यू लिया। सभी सफल छात्रों में से कुछ को ऑन द स्पॉट ज्वाइनिंग लेटर दिया गया। शेष छात्रों को उनके रजिस्टर्ड ई-मेल पर लेटर भेजा जाएगा। कंपनी के एचआर ने बताया कि चयनित छात्रों की नियुक्ति कंपनी के प्लांट हंसलपर गुजरात में होगी। सभी छात्रों को प्रतिमाह वेतन के साथ साथ कैंटीन, ट्रांसपोर्ट की सुविधा और रहने की सुविधा सब्सिडाइज्ड मूल्य पर मिलेगी। छात्रों का चयन अप्रेंटिसशिप तथा जॉब दोनों के लिए किया गया। सभी को 09 मई 2025 तक कंपनी में योगदान देना है। संस्थान के निदेशक अजय कुमार ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अध्यक्षता प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज शत्रुघ्न प्रसाद के साथ की गई। मौके पर रितेश कुमार सिन्हा, अरविन्द कुमार, मंटु कुमार, आकाश कुमार, निकू कुमारी, पिंटू कुमार, सुनील कुमार सिन्हा इत्यादि सभी अनुदेशक व कर्मचारी उपस्थित थे।

डीपीएस की दो छात्राओं का बिहार बास्केटबॉल की टीम में हुआ चयन

गया। दिल्ली पब्लिक स्कूल, गया की दो छात्राएं आमरीन फारूकी और प्रिया कुमारी 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025' में बिहार की ओर से बास्केटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। यह प्रतियोगिता पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पटना में होगी। मार्च में पटना में हुए ट्रायल में डीपीएस गया की तीन छात्राएं विदुषी राज, प्रिया कुमारी और आमरीन फारूकी तथा एक छात्र यश राज शरण को 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स बास्केटबॉल कैंप' के लिए चुना गया था। इनकी सफलता में स्कूल के बास्केटबॉल कोच राजीव कुमार और सुनील कुमार सिंह का अहम योगदान रहा। एक महीने के गहन प्रशिक्षण शिविर के बाद बिहार बास्केटबॉल टीम की घोषणा हुई। इसमें डीपीएस गया की प्रिया और आमरीन को लड़कियों की टीम में जगह मिली। वे अब बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन 4 से 15 मई तक बिहार के पांच जिलों- पटना, गया, भागलपुर, बेगूसराय और नालंदा में होगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्येंद्र मिश्र ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर खुशी जताई। उन्होंने कोचों और छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। विद्यालय के निदेशक संजीव कुमार ने भी इस उपलब्धि को पूरे स्कूल परिवार के लिए गर्व की बात बताया। उन्होंने कहा कि यह डीपीएस, गया के निरंतर प्रयास और दूरदर्शी नेतृत्व का नतीजा है। उन्होंने प्रतिभागियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

अजय बने जदयू प्रदेश सलाहकार समिति सदस्य

गया| जदयू के वरिष्ठ नेता और अतरी विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी इंजीनियर अजय कुशवाहा को बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड की सलाहकार समिति का सदस्य बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल, मानपुर प्रखंड अध्यक्ष अजीत शर्मा, वरिष्ठ नेता धनंजय शर्मा, दयानंद विश्वकर्मा, बबलू पाठक और रामबली बिंद ने उन्हें बधाई दी। नेताओं ने कहा, अजय कुशवाहा की लंबी राजनीतिक यात्रा और संगठन पर मजबूत पकड़ से पार्टी को लाभ मिलेगा। वे मृदुभाषी हैं और सभी को सम्मान देते हैं। साथ ही एक कुशल संगठनकर्ता भी हैं। उन्हें यह जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री अशोक चौधरी को भी बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में अजय कुशवाहा की राजनीतिक कुशलता से एनडीए गठबंधन को मजबूती मिलेगी।

गया के फतेहपुर में तिलक से पहले युवक का शव मिला

निज संवाददाता| गया

- शरीर पर चोट के निशान, 10 मई को होनी थी शादी, कल शाम से लापता था

गया के फतेहपुर में तिलक से एक दिन पहले संदिग्ध हालत में युवक का शव पोखर के पास मिला है। शरीर पर कई जगह चोट के निशान हैं। कल शाम से ही लापता था। घटना डुमरी तपसा गांव की है। मृतक की पहचान अशोक यादव(24) के तौर पर हुई है। गया में प्राइवेट नौकरी करता था। 7 मई को तिलक और 10 मई को शादी होनी थी।

शाम के समय घर से बाहर गया था: परिजनों ने बताया कि अशोक सोमवार शाम करीब 5 बजे घर से निकला था। हमलोगों को लगा कि किसी काम से बाहर गया होगा या किसी परिचित के पास गया है। देर रात तक कोई खबर नहीं मिली। इसके बाद खोजबीन शुरू की गई। लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चला। मंगलवार सुबह ग्रामीणों से पोखर के पास शव मिलने की सूचना मिली।

हर एंगल से जांच चल रही है: मामले की सूचना मिलते ही फतेहपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीण और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। अभी फिलहाल इस मामले में कुछ भी कहना जल्दबाजी है।

शादी की खुशी मातम में बदली: वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि बेहद ही मिलनसार और शांत स्वभाव का था। किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। शादी की तैयारियां पूरी हो चुकी थी। कार्ड छप चुके थे। रिश्तेदारों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। लेकिन इस दर्दनाक घटना ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। घरवाले अभी कुछ बोलने की हालत में नहीं है। पूरा परिवार गहरे सदमे में है। अशोक की बारात जिले के सिन्धुगढ़ थाना क्षेत्र के केवला गांव जाने वाली थी।

मेंटेनेंस वर्क को लेकर आज राजगीर रोपवे बंद रहेगा

निज संवाददाता| नालंदा

- बुद्ध पूर्णिमा पर पर्यटकों के लिए विशेष सुविधा, 7 मई को आम जनता के लिए खुलेगा

बुद्ध पूर्णिमा की तैयारी को लेकर राजगीर रोपवे (आकाशीय रज्जुपथ) आज पूरे दिन बंद रहेगा। मैनेजर दीपक कुमार ने बताया कि हर महीने दूसरे मंगलवार को मेंटेनेंस का काम होता है। लेकिन इस बार यह काम पहले ही मंगलवार को किया जा रहा है।

7 मई को आम जनता के लिए खुलेगा: प्रबंधन ने सभी यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि 6 मई को रोपवे बंद रहेगा, इसलिए वे अपनी यात्रा की योजना इसके अनुसार ही बनाएं। वे इस दिन विश्व शांति स्तूप तक जाने के लिए दूसरे रास्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोपवे 7 मई से फिर से आम लोगों के लिए खुल जाएगा।

हजारों सैलानी यहां पहुंचते हैं: राजगीर रोपवे बिहार के सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक है, जो सालाना हजारों देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती है। यह रोपवे पर्यटकों को रत्नागिरी पहाड़ियों और आसपास के मनोरम दृश्यों का अद्भुत नजारा प्रदान करती है।

सड़क हादसे में मौत के बाद पुलिस टीम पर हमला

- हंगामे की सूचना पर पहुंचे थे अधिकारी, 3 पुलिसकर्मी हुए चोटिल, गाड़ी का शीशा भी तोड़ा

निज संवाददाता| नालंदा

नालंदा में सोमवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस की गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पुलिस वालों को खदेड़ दिया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं। मृतक की पहचान छबीलापुर थाना क्षेत्र के बरनौसा गांव निवासी मिथिलेश रविदास का बेटा अजीत रविदास उर्फ कारू रविदास (22) के रूप में हुई है। कारू रविदास पैदल सड़क क्रॉस कर रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। रविदास की मौके पर ही मौत हो गई। घटना छबीलापुर थाना क्षेत्र की है।

डीएसपी मौके पर पहुंचे, तब मामला शांत हुआ: घटना की जानकारी पर राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह, राजगीर थाना, छबीलापुर थाना और अन्य थानों की पुलिस के साथ मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। छबीलापुर थानाध्यक्ष मुरली आजाद ने बताया कि सड़क हादसे में मौत के बाद कुछ लोग आक्रोशित हो गए। सड़क जाम करते हुए तोड़फोड़ की। जिसमें कुछ पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हरियाणा का शानदार प्रदर्शन

- राजगीर में कबड्डी मुकाबलों में दिखा दबदबा, 36-23 से छत्तीसगढ़ की टीम को हराया

निज संवाददाता| नालंदा

राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सातवां खेलो इंडिया यूथ गेम्स चल रहा है। इसके तीसरे दिन कबड्डी प्रतियोगिताओं में उत्साहजनक मुकाबले देखने को मिले। हरियाणा की टीमों ने अपनी प्रभावशाली प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता, जबकि मेजबान बिहार ने भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। अंडर-18 महिला वर्ग के पूल ए में हरियाणा की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए छत्तीसगढ़ को 36-23 से हराया। हरियाणा की खिलाड़ियों ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए शुरू से ही बढ़त बनाए रखी और प्रतिद्वंद्वी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। पुरुष वर्ग के पूल ए में भी हरियाणा का दबदबा देखने को मिला, जहां उन्होंने आंध्र प्रदेश की टीम को 37-28 के अंतर से हराया। हरियाणा के रेडर्स और डिफेंडर्स के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला, जिससे वे निर्णायक बढ़त हासिल करने में सफल रहे।

राजस्थान की टीम ने बिहार को हराया: पूल बी के पुरुष वर्ग में राजस्थान ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को चौंकाया। राजस्थान की टीम ने मेजबान बिहार को 56-36 के बड़े अंतर से पराजित किया। राजस्थान के खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन करते हुए लगातार अंक जुटाए। महिला वर्ग के पूल बी में तमिलनाडु की टीम ने बिहार को 33-23 से हराया। मैच के दौरान तमिलनाडु की महिला खिलाड़ियों ने बेहतरीन फुर्ती का प्रदर्शन किया, जिससे वे बिहार की रक्षात्मक पंक्ति को भेदने में कामयाब रहीं। साल 2025 का यह सातवां संस्करण पहली बार बिहार में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 27 विभिन्न खेलों को शामिल किया गया है। राजगीर में चल रहे इस आयोजन में देश भर से हजारों युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एकत्रित हुए हैं।

बिहार ने गोवा को 74 अंकों के अंतर से हराया

निज संवाददाता| नालंदा

- राजगीर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स', बिहार को मिले 88 अंक

राजगीर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पहली बार आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स के अंतर्गत कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन सोमवार को रोमांचक मुकाबलों का दौर जारी रहा। पूल बी के अंडर-18 पुरुष वर्ग में बिहार की टीम ने गोवा के खिलाफ इतिहास रच दिया। बिहार के युवा खिलाड़ियों ने गोवा को 74 अंकों के विशाल अंतर से पराजित कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। इस प्रतिस्पर्धा में बिहार को कुल 88 अंक मिले, जबकि गोवा की टीम महज 14 अंकों पर ही सिमट गई। यह अंतर खेलो इंडिया यूथ गेम्स के इतिहास में सबसे बड़े अंतर से जीत का रिकॉर्ड माना जा रहा है। पूल ए की लड़कियों की प्रतियोगिता में राजस्थान ने छत्तीसगढ़ को 10 अंकों के अंतर से हराया। इस मुकाबले में राजस्थान की टीम ने 43 अंक हासिल किए, जबकि छत्तीसगढ़ 33 अंकों पर रुक गई। राजस्थान की टीम ने अपनी रक्षात्मक और आक्रामक रणनीति से प्रतिद्वंद्वी टीम को हर मोर्चे पर पछाड़ दिया।

दिन के अन्य मुकाबले: पूल ए (बॉयज): आंध्र प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 6 अंकों के अंतर से हराया (43-37)। पूल बी (गर्ल्स): उत्तर प्रदेश ने तमिलनाडु को केवल 2 अंकों के रोमांचक अंतर से पराजित किया (28-26)। शाम के सत्र में (पूल ए गर्ल्स): हरियाणा ने चंडीगढ़ को 25 अंकों के अंतर से हराया (55-30)। शाम के सत्र में (पूल ए बॉयज): पंजाब ने राजस्थान पर 3 अंकों से बाजी मारी (35-32)। शाम के सत्र में (पूल बी गर्ल्स): तमिलनाडु ने असम को 8 अंकों से पराजित किया (29-21)। शाम के सत्र में (पूल बी बॉयज): राजस्थान ने गोवा को 72 अंकों के विशाल अंतर से हराया (86-18)।

दर्शकों की कमी रही चिंता का विषय: प्रतियोगिता का दूसरा दिन रोमांचक मुकाबलों से भरा रहा, लेकिन दर्शकों की उपस्थिति नगण्य रही। स्थानीय प्रशासन और आयोजकों को इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को प्रतियोगिता देखने के लिए आमंत्रित करने से न केवल दर्शक संख्या बढ़ेगी बल्कि युवाओं में कबड्डी के प्रति रूचि भी जागृत होगी।

आगामी मुकाबले: कल होने वाले मुकाबलों में पूल ए और सी के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार और राजस्थान की टीमें अपना विजयी अभियान जारी रखेंगी। आयोजकों ने बताया कि सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

गया में हिंसक झड़प मामले में 34 पर एफ आई आर,10 गिरफ्तार

निज संवाददाता| गया

- दोनों पक्षों से 17-17 नामजद, शादी समारोह के दौरान भिड़े थे, कट्टा लहराने का वीडियो हुआ था वायरल

गया के टनकुप्पा थाना क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान 2 गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प मामले में FIR दर्ज की गई है। आवेदन के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों से 17-17 नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अभी तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। वजीरगंज एसडीपीओ सुनील कुमार पांडे ने इसकी पुष्टि की है। घटना परसवां गांव की है। रविवार को रामप्यारे पासवान और दिनेश पासवान के परिवारों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। आरोप है कि दिनेश पासवान की ओर से पहले ईंट-पत्थर और फिर देसी कट्टा से फायरिंग की गई। जवाब में रामप्यारे पासवान की ओर से भी लाठी-डंडा और पत्थरबाजी शुरू हो गई। देखते ही देखते पूरा गांव रणक्षेत्र में बदल गया। मारपीट में कई महिलाएं घायल हो गईं।

पुरानी रंजिश में खूनी संघर्ष: पुलिस की जांच में पता चला है कि लव मैरिज के विवाद में मारपीट हुई है। 5 साल पहले दिनेश पासवान की बेटी से गांव के ही नागेंद्र पासवान के बेटे ने शादी कर ली थी। तब मामला कोर्ट तक पहुंचा था। उस समय लड़की बालिग थी। अब उसी नागेंद्र पासवान के रिश्तेदार रामप्यारे पासवान के दो बेटे की एक साथ शादी हो रही थी। रामप्यारे पासवान और नागेंद्र पासवान के बेटे एक ही कमरे में रहकर पढ़ाई करते थे। शादी की रस्म के तहत देव पूजन के लिए महिलाएं जा रही थीं। दिनेश पासवान के दरवाजे के पास पहुंचते ही विवाद शुरू हो गया। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

वीडियो के आधार पर छानबीन में जुटी पुलिस: एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस रिपोर्ट के अनुसार मारपीट के दौरान दोनों पक्षों से हथियार निकाले गए। एक पक्ष से दिनेश पासवान ने देसी कट्टा निकाला तो दूसरी ओर नागेंद्र पासवान का बेटा सिद्धार्थ कुमार भी कट्टा लेकर सामने आया। इसका वीडियो भी सामने आया है। पुलिस वीडियो फुटेज के आधार पर जांच कर रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में महिलाएं भी शामिल: टनकुप्पा थाना में दर्ज कांड संख्या 94/25 और 95/25 के तहत कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में रामप्यारे पासवान, परमानंद पासवान, संजय पासवान, नीरज कुमार, शांति देवी (रामप्यारे पक्ष) और भोलानाथ सिंह, गुड़िया कुमारी, मुस्कान कुमारी, स्नेहा कुमारी और शांति देवी (दिनेश पक्ष) शामिल है।

पुलिस सतर्क, गांव में तनाव बरकरार: गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

गया में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आगाज

निज संवाददाता| गया

- खो-खो, मलखंब, गतका, कलारीपट्टू में खिलाड़ी दिखाएंगे दम, आम आदमी के बाद अब मीडिया की एंट्री पर पाबंदी

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की गया में जोरदार शुरुआत हो गई है। गया के बिपार्ड और बोधगया स्थित आईआईएम में अलग-अलग दिन अलग-अलग प्रतियोगिताएं खेली जाएंगी। इनमें खो-खो, स्विमिंग, मलखंब, गतका, यंगटा, कलारीपट्टू से लेकर योगासन तक शामिल है। हालांकि, इन खेलों की प्रतियोगिताओं से अलग खेल विभाग और जिला प्रशासन के रवैये की चर्चा हो रही है, जिसमें पहले आम आदमी की और अब मीडिया की एंट्री बंद कर दी गई है। खेल निदेशक रविन्द्रन शंकरन का दावा है कि उन्होंने डीपीआरओ को साढ़े 600 पास दिए हैं, जबकि गया के डीपीआरओ दीपक देव कह रहे हैं कि उन्हें महज 13 पास ही मिले हैं। उद्घाटन मगध कमिश्नर और डीएम डॉ. त्याग राजन एसएम ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर किया। खेल रोज सुबह और शाम दो पालियों में होंगे। बिपार्ड परिसर में आज यानी सोमवार को स्विमिंग और खो-खो के मुकाबले हुए। देशभर से खिलाड़ी शामिल हुए। आईआईएम परिसर में यंगटा, योगासन और कलारीपट्टू की प्रतियोगिता हुई।

नालंदा में 105 पत्रकारों को पास, गया में मीडिया की एंट्री नहीं: नालंदा में 105 पत्रकारों को पास दिए गए हैं, लेकिन गया में मीडिया की एंट्री पर पाबंदी लगा दी गई है। आरोप है कि जिन मीडिया कर्मियों से अफसरों को दिक्कत है, उन्हें जानबूझकर रोक दिया गया, ताकि आयोजन की कमियां बाहर न आएं। वहीं, चहेतों को पास थमाकर अंदर भेज दिया गया है।

खिलाड़ियों के घायल होने की भी छिपाई जा रही जानकारी: जानकारी के मुताबिक, पटना से आए अभिषेक कुमार बिपार्ड परिसर में खेलते वक्त घायल हो गए। उनके घुटने में सूजन आ गई और उन्हें मगध मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशियलिटी सेंटर में भर्ती कराया गया। इस पूरे मामले को भी मीडिया से छिपाने की कोशिश हो रही है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

टीएमबीयू: शिक्षक के तबादले की अधिसूचना रद्द करने को दिया आवेदन

भागलपुर। भुस्टा के महासचिव प्रो. जगधर मंडल ने टीएमबीयू के कुलपति को ज्ञापन देकर चार सूत्री मांगों पर कार्रवाई की मांग की है। इसमें एक मामला टीएनबी कॉलेज से मुरारका कॉलेज भेजे गए शिक्षक कौशलेन्द्र प्रसाद सिंह का भी मामला है। भुस्टा ने शिक्षक के तबादले की अधिसूचना रद्द करने की मांग की है। बताया गया कि कौशलेन्द्र प्रसाद सिंह के तबादले के विरोध में टीएनबी कॉलेज शिक्षक संघ भी है। इधर भुस्टा ने कुलपति से वरीय शिक्षकों को जल्द प्रमोशन देने, केके मंडल को स्नातकोत्तर इतिहास विभाग में वापस लाने और नवनियुक्त शिक्षकों के सेवा स्थिरीकरण, वेतन, एरियर, डीए भुगतान व वेतन निर्धारण करने की भी मांग की है।

हर महीने के आखिरी शनिवार को होगी पीटीएम बैठक की थीम हुई तय

भागलपुर। शिक्षा विभाग ने स्कूलों के लिए वार्षिक पीटीएम कैलेंडर जारी किया है। अब हर महीने के अंतिम शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक होगी। पहले स्कूल अपने स्तर पर पीटीएम करते थे, लेकिन अभिभावकों की कम रुचि के कारण उपस्थिति नहीं हो पाती थी। अब हर बैठक के लिए अलग-अलग थीम तय की गई है। प्राथमिक शिक्षा निदेशक के निर्देश पर डीईओ राजकुमार शर्मा ने स्कूलों को यह कैलेंडर भेजेंगे भी। 31 मई को पहली पीटीएम होगी। इसकी थीम होगी- पढ़ेंगे, बढ़ेंगे और सीखेंगे हम। 28 जून को उपस्थिति और सरकारी योजनाओं पर चर्चा होगी। 26 जुलाई को व्यावसायिक कौशल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण पर बात होगी। 30 अगस्त को खेलो और सीखो थीम पर पीटीएम होगी। 27 सितंबर को निपुण बनेगा बिहार हमारा विषय रहेगा। 25 अक्टूबर को छठ और दीपावली की छुट्टियों के कारण पीटीएम नहीं होगी। 29 नवंबर को हर बच्चा होगा अब स्कूल का हिस्सा थीम पर बैठक होगी। 24 दिसंबर को हरेक बच्चा श्रेष्ठ बच्चा विषय पर चर्चा होगी।

अंक उपलब्ध नहीं कराने पर प्राचार्यों का रुकेगा वेतन

भागलपुर| स्नातक के तीसरे सेमेस्टर की इंटर्नल का अंक विवि को उपलब्ध नहीं कराने पर कॉलेजों के प्राचार्यों पर कार्रवाई होगी। मारवाड़ी व एमएएम कॉलेज ने अभी तक अंकपत्र नहीं दिया है। विवि ने इसके लिए मंगलवार शाम तक का समय दिया है। तब भी नहीं मिलेगा तो इनका वेतन रोका जाएगा। वीसी ने सोमवार को निर्देश जारी किया।

127 स्कूलों की मान्यता पर गहराया संकट, आरटीई सीटों पर पड़ेगा असर

भागलपुर| शहर में 346 निजी स्कूल चल रहे हैं। इनमें से 35 स्कूलों की मान्यता सितंबर 2024 में रद्द हो चुकी है। अब 92 और स्कूलों की मान्यता 25 जून के बाद रद्द हो जाएगी। कारण, ये स्कूल ई-संबंधन पोर्टल पर दोबारा आवेदन नहीं कर सके। फिलहाल पोर्टल बंद है। जिला शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार शर्मा ने कहा कि इन स्कूलों में आरटीई कोटे की 25% सीटें अलाभकारी वर्ग के बच्चों के लिए तय हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन स्कूलों की मान्यता रद्द हो चुकी है उसमें भी आरटीई सीटें आवंटित कर दी गई हैं। इससे बच्चों के नामांकन पर असर पड़ सकता है।

कर्मियों के भुगतान पर उलझे रजिस्ट्रार और वित्त कमेटी के सदस्य

भागलपुर। टीएमबीयू प्रशासन ने नवनिर्मित इनडोर स्टेडियम के लिए संचालन व सदस्यता शुल्क तय कर दिया है। सोमवार को वित्त कमेटी की बैठक में यह तय हुआ। दूसरी ओर कुलपति के हटाए गए वाहन चालक को वापस बहाल करने तथा सफाई कर्मियों की सेवा अवधि में वृद्धि को लेकर वित्त कमेटी के सदस्य मुजफ्फर अहमद और रजिस्ट्रार प्रो. रामाशीष पूर्वे आपस में भिड़ गए। मुजफ्फर अहमद ने चालक की वापसी का मामला उठाया। इस पर रजिस्ट्रार ने कहा कि हटाए गए चालक पर अनुशासनहीनता का आरोप है। वह ऐसा नहीं करेंगे। इस पर मुजफ्फर अहमद ने कहा कि वह कुलपति से बात कर रहे हैं, उनसे नहीं। रजिस्ट्रार भी ऊंची आवाज में बोलने लगे। कुलपति ने बीचबचाव कराकर मामला शांत कराया। मुजफ्फर अहमद ने बाद में आरोप लगाया कि रजिस्ट्रार ने उनसे कहा कि एक शिक्षक पूर्व में जब उनके या कुलपति के बारे में शिकायत करते थे तो वे उसे फाड़कर डस्टबिन में फेंक देते थे। अहमद ने कहा कि वे इसकी शिकायत राजभवन से करेंगे। इधर रजिस्ट्रार से इस मामले में संपर्क नहीं हो सका। उधर पीआरओ ने बताया कि बैठक में इनडोर स्टेडियम के लिए शिक्षक और कर्मचारियों के लिए आजीवन सदस्यता शुल्क 25 हजार, परिवार के साथ 30 हजार, शिक्षक व कर्मियों के लिए वार्षिक शुल्क 5 हजार, छात्रों के लिए वार्षिक शुल्क 1200, छात्रों के लिए मासिक शुल्क 100 निर्धारित किया गया। किसी भी खेल के आयोजन के लिए प्रति हॉल छः घंटों के लिए 7 हजार रुपए लगेंगे।

आठ पुरुष और पांच महिला अभ्यर्थी का चयन

भागलपुर| नगर निगम की तरफ से स्वच्छता साथी के लिए कुल 13 अभ्यर्थी का नाम फाइनल किया गया है। 190 अभ्यर्थी का इंटरव्यू लिया गया था। 13 चयनित अभ्यर्थी में आठ पुरुष और पांच महिला शामिल हैं। सोमवार को फाइनलिस्ट का नाम जारी किया गया है। आगामी सात मई को नगर निगम कार्यालय में सभी 13 अभ्यर्थी के मूल कागजात का मिलान किया जाएगा। नगर विकास एवं आवास विभाग के निर्देश पर स्वच्छता साथी को बहाल किया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत इन 13 स्वच्छता साथी को एक से अधिक वार्ड की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसमें स्वच्छता साथी को कचरा प्रबंधन मसलन गीला और सूखा कचरा को अलग-अलग रखने के साथ लोगों को सफाई के प्रति जागरूक करना होगा। इसके लिए सभी 13 चयनित स्वच्छता साथी को नगर निगम की तरफ से कचरा प्रबंधन और जागरूकता संबंधित ट्रेनिंग दी जाएगी।

पूर्व विधायक पर गैर जमानती वारंट जारी

भागलपुर| एमपी-एमएलए कोर्ट ने चुनाव आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में सुनवाई में लगातार शामिल नहीं होने पर तत्कालीन जिप सदस्य और पीरपैंती के पूर्व विधायक अमन कुमार पासवान का बेल बांड रद्द कर गैरजमानती वारंट जारी किया है। आदर्श आचार संहिता का यह मामला अंतीचक थाने में 10 सितंबर 2010 को दर्ज हुआ था। कहलगांव के तत्कालीन बीडीओ और पीरपैंती विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सहायक निर्वाची पदाधिकारी ने बिजली के खंभे पर अमन कुमार पासवान का राजनीतिक पोस्टर लगे होने को लेकर केस दर्ज कराया था। (रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी एक्स्ट्रा) +220 -2000

जवारीपुर में ट्रांसफॉर्मर जलने से लोगों को परेशानी

भागलपुर| फेब्रिकेटेड वार्ड में फर्जी तरीके से नर्सिंग छात्रा को इंटर्नशिप करवाने के मामले में मेडिकल बोर्ड की तरफ से जांच रिपोर्ट का इंतजार है। मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. अभिलेश कुमार के नेतृत्व में मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। बोर्ड के साथ मैट्रन रीता कुमारी से भी रिपोर्ट की मांग की गयी है। हालांकि सोमवार तक बोर्ड की तरफ से जांच रिपोर्ट अधीक्षक को नहीं सौंपा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आरोपी नर्स सीता कुमारी-2 पर फैसला लिया जाएगा। अस्पताल अधीक्षक डॉ. हेमशंकर शर्मा ने बताया कि फिलहाल रिपोर्ट नहीं दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि बीते सप्ताह दो नर्सिंग छात्रा फेब्रिकेटेड वार्ड में पकड़ी गयी थी। पूछताछ में दोनों छात्रा ने बताया था कि सीता कुमारी-2 ने ही उनको इंटर्नशिप पर रखा था। भागलपुर। जवारीपुर में ट्रांसफॉर्मर जलने से मुहल्ले के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सोमवार की रात बिजली गुल रही। लोगों को शाम ढलते ही अंधेरे में बिताना पड़ा। स्थानीय लोगों ने खराबी की सूचना विभागीय अधिकारी को दी। हालांकि देर रात तक ठीक नहीं होने से लोग रात में परेशान दिखे।

भागलपुर के युवक की साहिबगंज में हत्या

- जंगल में कब्र खोदकर निकाली गई लाश, 10 दिन से लापता था, बच्चों से मिला सुराग

निज संवाददाता। भागलपुर

साहिबगंज में मंगलवार को 10 दिनों से लापता एक युवक का शव बरामद किया गया। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में जंगल में दफन शव को जमीन से बाहर निकाला गया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने युवक की हत्या मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

बच्चा चोर के शक में हत्या की आशंका: युवक की पहचान भागलपुर स्थित शिवनारायणपुर के एकडरा गांव निवासी रंजन सोनी के रूप में की गई। ग्रामीणों द्वारा बच्चा चोर के शक में हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस फिलहाल कुछ नहीं कह रही है। गांव के बच्चों से बातचीत के दौरान युवक की हत्या की बात सामने आई। इसके बाद मृतक के भाई ने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

26 अप्रैल को साहिबगंज आया था युवक: मृतक के भाई के अनुसार, रंजन मोती माला के आभूषण और बर्तन साफ करने वाला केमिकल बेचा करता था। वो 26 अप्रैल को साहिबगंज के बोरियो में गया था। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चल रहा था।

कुछ स्कूली बच्चों से मिली जानकारी: मृतक के भाई राहुल कुमार इस क्षेत्र में रोजाना आकर अपने भाई के बारे में पता लगा रहा था, पर कोई भी कुछ नहीं बता रहा था। इसी बीच एक दिन राहुल कुछ स्कूली बच्चों से मिला और उनसे भाई के बारे में पूछताछ की।

मंगलवार को बोरियो थाना में लिखित शिकायत दी: बच्चों ने बताया कि एक व्यक्ति की हत्या कर ग्रामीणों ने उसे दफना दिया है। इसके बाद राहुल ने मंगलवार को बोरियो थाना में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने हत्या के मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया। सभी की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया गया। हत्या का मास्टरमाइंड पिथु बेसरा बताया जा रहा है।

सीसीटीवी फुटेज में शूटर का चेहरा दिखा साफ

निज संवाददाता। भागलपुर

- भागलपुर में किराना दुकानदार को बदमाश ने मारी थी गोली, जमीन विवाद में मर्डर की आशंका

भागलपुर के नवगछिया थाना क्षेत्र के नवगछिया बाजार में बीते रविवार की देर शाम किराना दुकानदार की गोली मारकर हत्या की गई। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें शूटर का चेहरा स्पष्ट रूप से दिख रहा है। पुलिस को अब आरोपी तक पहुंचने में आसानी होगी। फुटेज के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध वीडियो क्लिप भी मिला है। सोमवार की देर रात करीब 11 बजे खुद आईजी विवेक कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की गंभीरता से जांच की। उन्होंने कई बिंदुओं पर जांच कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

तथ्य को किया जाएगा सार्वजनिक: आईजी विवेक कुमार ने बताया कि नवगछिया एसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया है। टीम को जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी का निर्देश दिया गया है। आईजी विवेक कुमार ने आगे कहा: "हमारा पहला लक्ष्य है कि इस मामले का शीघ्र खुलासा किया जाए। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसे सार्वजनिक किया जाएगा। परिजनों ने हत्या के पीछे जमीन विवाद की आशंका जताई है। मृतक किराना दुकानदार पैदल गए थे, उन्हें एक बदमाश ने कनपटी में गोली मार दी थी। घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। सोमवार को व्यापारियों ने विरोध स्वरूप बाजार बंद रखा और पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। पुलिस अब फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मामले को लेकर प्रशासन सतर्क है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 10 मई से बैडमिंटन प्रतियोगिता

- 20 राज्यों के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा, 13 तारीख तक होगा 58 मुकाबला

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के अंतर्गत बैडमिंटन की राष्ट्रीय स्पर्धा का आयोजन 10 मई से किया जाएगा। चार दिवसीय इस टूर्नामेंट का आयोजन शहर के इंडोर स्टेडियम में किया जा रहा है, जिसमें देशभर के 20 राज्यों से 32 महिला और 32 पुरुष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह आयोजन 13 मई तक चलेगा और इस दौरान कुल 58 मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट को लेकर जिले में तैयारियां जोरों पर हैं। खिलाड़ी 8 मई से ही भागलपुर पहुंचने लगेंगे। इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भाग लेंगे, जिससे प्रतियोगिता का स्तर ऊंचा रहेगा। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने मंगलवार को इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सभी तैयारियां शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा, आवास, यातायात और बैडमिंटन हॉल में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

मेडिकल टीम की तैनाती सुनिश्चित: खेल पदाधिकारी जयनारायण कुमार ने बताया कि टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, खेल विभाग और स्थानीय खेल संगठनों के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मैचों के संचालन के लिए प्रशिक्षित रेफरी, तकनीकी अधिकारियों और मेडिकल टीम की तैनाती सुनिश्चित की गई है। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि। "यह भागलपुर के लिए गौरव की बात है कि खेलो इंडिया के तहत इस तरह की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। हमारी कोशिश है कि हर खिलाड़ी को बेहतर अनुभव मिले।" खेल पदाधिकारी जयनारायण कुमार ने कहा कि "इंडोर स्टेडियम की सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर की बनाई जा रही हैं। हर दिन के मैच की रिपोर्टिंग और विश्लेषण की व्यवस्था भी की गई है।"

सरकारी बसों की सफाई नहीं, रैंप भी बदहाल

भागलपुर। सरकारी बस स्टैंड में बसों की सफाई के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। बस स्टैंड में बसों की सफाई के लिए बना रैंप वर्षों से बदहाल स्थिति में है। रैंप में जंगल उग गए हैं और उसमें बंदरों का बसेरा बन गया है। इसके अलावा बस स्टैंड से बसों के खुलने और वापसी का समय भी कुछ ऐसा है कि बसों की सफाई नहीं हो पाती है। ऐसी हालत में यात्रियों को गंदी बसों पर सफर करना पड़ रहा है। एक तो पथ परिवहन निगम के पास सफाईकर्मी की कमी है। उपर से बस स्टैंड में पानी की व्यवस्था तक नहीं है। सप्लाई पानी बस स्टैंड में आता है, लेकिन इसका समय तय है और निगम के पास ऐसी कोई व्यवस्था भी नहीं है कि कर्मी बसों की धुलाई समुचित रूप से करें। सरकारी बस स्टैंड, तिलकामांझी से पूर्णिया, बांका, लक्ष्मीपुर डैम, कटिहार, चलना, तारापुर आदि जगहों के लिए बसें चलती है। इनमें निगम की 17 बसें है। इसके अलावा निगम के अधीन बेगूसराय रूट में सात बसें हैं। सरकारी बस स्टैंड से सबसे पहली बस सुबह 3.45 बजे खुलती है और अंतिम बस शाम के 7.30 बजे है।

एसपी से आग्रह है नवगछिया को भगवान भरोसे न छोड़े

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के नवगछिया में रविवार को कारोबारी की हत्या कर दी गई थी। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने सोमवार को मृतक के परिजन से मुलाकात की। जिसके बाद उन्होंने कहा, 'ये हत्या किसी अपराधी ने नहीं की है। ये किसी ने अपराधी से करवाया है। जबतक अपराधी नहीं पकड़ा जाएगा तब तक हत्या करवाने वाले का पता नहीं चलेगा। मैं आग्रह करूंगा एसपी से नवगछिया को भगवान भरोसे नहीं छोड़े। डीएम नेता और अपराधी को लाइसेंस दे सकते हैं तो व्यापारी को लाइसेंस देने में पेट में दर्द क्यूं होता है। चोर को लाइसेंस दीजिएगा। ठेकेदार और जमीन माफिया को दीजिएगा, पर जो अपने परिवार के साथ जीना चाहता है उसे देने लेट कीजिएगा।'

पुलिस बाइक चेकिंग करने में व्यस्त है: पप्पू यादव ने कहा कि थाना पुलिस नशे के कारोबार और बालू माफिया से वसूली में लिप्त है। पुलिस बाइक चेकिंग के नाम पर वसूली करती है। इस बीच अपराधी खुलेआम अपराध कर रहे हैं। सांसद ने हत्या की त्वरित जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने पीड़ित परिवार को मुआवजा और सुरक्षा देने की भी मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर सरकार नहीं चेती तो जनता सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी।

व्यवसायियों और स्थानीय लोगों ने बाजार बंद रखा: वहीं, दूसरी तरफ व्यवसायी की हत्या ने क्षेत्र में तनाव का माहौल है। हरिया पट्टी बाजार में रविवार रात करीब 9:30 बजे व्यवसायी विनय कुमार गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पूर्व रेलवे

निविदा रद्द करना

सहायक सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर-I, पूर्वी रेलवे, हावड़ा द्वारा पूर्व में प्रकाशित खुली ई-निविदा संख्या एसडीएसटीई-रिले-एलईडी-बीडब्ल्यूएन-25-26, दिनांक 01.05.2025, जो 26.05.2025 को खोली जानी थी, कुछ तकनीकी कारणों से **रद्द** कर दी गई है।

(HWH-69/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना सं. डीटीई_जेएमपी_03/25-26 दिनांक: 05.05.2025, सहायक नगर अभियंता, पूर्वी रेलवे, जमालपुर, जमालपुर कारखाना, जिला-मुंगेर, बिहार- 811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** सीईई/ईआर के ड्राइंग के अनुसार नए सब-स्टेशन भवनों का प्रावधान; **विज्ञापित निविदा मूल्य:** रु.: 3,22,59,172.00; **बयाना राशि:** रु. 3,11,300.00; **निविदा खोलने की तिथि:** 26.05.2025; **कार्य की समाप्ति तिथि:** 12 महीने। (MISC-50/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं.–02 ऑफ 2025–26/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू।

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डी.डी.यू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ– साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड मिलिटरी इंजीनियर सर्विस लोकनिर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूची बद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.–02–डीडीयू–व.मं.इंजी.–मुख्यालय–25–26

(i) कार्य का नाम एवं लोकेशन : सहायक मंडल इंजीनियर/मुख्यालय/डी.डी.यू. में (पी.डी. कॉलोनी, रोजा कॉलोनी, इंडियन इंस्टीटयूट कॉलोनी, आर.पी. एफ. कॉलोनी और शास्त्री कॉलोनी) के आसपास के संवेदनशील स्थानों पर चारदीवारी/परिसर दीवार का निर्माण। (ii) कार्य का अनुमानित लागत:₹2,39,99,939.16, (iii) धरोहर राशि : ₹2,70,000/– (vii) ई–निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 22.05.2025 12:00 बजे तक। (viii) बेवसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक /
पूमरे/पं दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/0199/डीडीयू/अभिं./टी/25–26/36

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी. (डी.सी.ई.सी.ई.)-2025/04 दिनांक- 06.05.2025

डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2025

[पॉलिटेकनिक (अभियंत्रण)/ पारा मेडिकल (माध्यमिक स्तरीय)/ पारा मेडिकल (इंटरमीडिएट स्तरीय)]

नामांकन से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण एवं डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा [DCECE (PE/PM/PMM)]-2025 से सम्बन्धित सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.सी.ई.सी.ई.)- 2025/03 दिनांक-30.04.2025 के अनुसार DCECE (PE/PM/PMM)-2025 की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये Online आवेदन प्राप्त करने हेतु Registration की अंतिम तिथि 06.05.2025 निर्धारित है। छात्रहित में **DCECE-2025** से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियाँ निम्नवत् विस्तारित किया जाता है;

(i)	Online Registration Closing Date	: **12.05.2025 (10.00 p.m.)**
(ii)	Last date of payment through Net Banking/ Debit Card/ Credit Card/ UPI after submission of the Online Application Form of Registered Candidate	: **12.05.2025 (11.59 p.m.)**
(iii)	Online Editing of Application Form	: **13.05.2025 to 14.05.2025**
(iv)	Uploading of Online Admit Card	: **22.05.2025**
(v)	**Proposed date of Examination** (I) **PE**	: **31.05.2025**
	(II) **PM एवं PMM**	: **01.06.2025**

(2) दिनांक 12.05.2025 तक पूर्णरूपेण भरे गये आवेदन में **यदि किसी अभ्यर्थी के Registered** आवेदन के डाटा में कोई त्रुटि हो गयी हो तो वे अपने भरे हुए **Data** को (Email पता, Mobile No. एवं Identity type को छोड़ कर) दिनांक **13.05.2025 से 14.05.2025** तक "Online Application Portal of DCECE (PE/PMM/PM)-2025" Link पर Click कर अपने **Registration No.** एवं **Password** से **login करते हुए त्रुटि सुधार कर सकते हैं।** इसके बाद त्रुटि सुधार का मौका नहीं दिया जायेगा।

(3) उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व प्रकाशित विज्ञापन की अन्य सभी सूचनाएँ / शर्तें यथावत रहेंगी ।

(4) सभी सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि परीक्षा से सम्बन्धित अद्यतन जानकारी हेतु पर्षद के website **bceceboard.bihar.gov.in** के सम्पर्क में रहें।

परीक्षा नियंत्रक

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एनआईटी/02/25/30, दिनांक: 05.05.2025. प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्वी रेलवे, 17, नेताजी सुभाष रोड, द्वितीय तल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001 निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण एवं ईएमडी** निम्नानुसार हैं: **(1);** 06251652; यूटीएस थर्मल पेपर टिकट रोल की खरीद; रु. 2,65,710.00; **(2);** 20255009; आरडीएसओ विनिर्देश संख्या आरडीएसओ/पीई/एसपीईसी/एसी/0192-2018 रेव-1 के अनुलग्नक-जी1 में उल्लिखित तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार पारंपरिक ईएमयू एवं एमईएमयू में विभिन्न विद्युत कैबिनेटों में एयरोसोल अग्नि शमन प्रणाली (1 मूल इकाई में 6 नग = 1 सेट शामिल हैं) का रेट्रो-फिटमेंट। रु. 5,96,800.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 20.05.2025, **समय :** 13.30 बजे, क्रम सं. 1 व 2 के लिए; **(3);** 12251083; 60 किग्रा 1 इंच 8.5, सीएमएस अधिक कोण जिंग डायमंड के लिए आरडीएसओ ड्रग. सं. टी-6495, एएलटी सं. 1 की पुष्टि करता है; रु. 2,63,820.00; **(4) ;** 20253011; ईएमयू/एमईएमयू/डीईएमयू मोटर कोच, एचएचपी ट्र. मोटर के लिए; रु. 2,65,710.00; **निविदा खोलने की तिथि:** 21.05.2025, **समय:** 13.30 बजे. क्रम सं. 3 एवं 4 के लिए; **(5);** 16255001ए; ट्रांसफार्मर की खरीद; रु. 5,40,280.00; **निविदा खुलने की तिथि:** 23.05.2025, **समय:** 13.30 बजे। **(6);** 06251653; क्यूआर कोड थर्मल पेपर टिकट रोल आदि सहित एटीवीएम की खरीद; रु. 1,04,160.00; **(7);** 08255020ए; एरोसोल फायर की आपूर्ति एवं स्थापना; रु. 2,24,200.00; **(8) ;** 11241644; आपातकालीन बैटरी चार्जर आदि; रु. 1,41,620.00; **(9);** 12255279 बीसीएम एवं एफआरएम के लिए बैलस्ट स्टॉप प्लेट सिलेंडर; रु. 1,01,030.00; **(10);** 21241364A; स्वचालित दबाव संशोधन आदि; रु. 1,92,220.00; **निविदा खोलने की तिथि :** 26.05.2025, **समय :** 13.30 बजे, क्रम सं. 6 से 10 के लिए; **(11);** 10251802; एसयूबी किट आईओ एच-1; रु. 1,82,910.00; **(12);** 11251146; बॉल जॉइंट रोल लिंक; रु. 2,77,900.00; **(13);** 11251619; सेकेंडरी सस्पेंशन के लिए पैड; रु. 18,34,460.00; **निविदा खोलने की तिथि :** 27.05.2025, **समय :** 13.30 बजे, क्रम सं. 11 से 13 के लिए; **(14);** 10251159; परम्परागत आदि हेतु पैन्टोग्राफ की खरीद पूर्ण; रु. 1,93,560.00; **निविदा खोलने की तिथि :** 29.05.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(15);** 10252429; बेलनाकार रोलर यूनिट क्रू-150; 229460 रुपये; **निविदा खुलने की तिथि :** 30.05.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(16);** 12255295; 60 किलोग्राम के लिए 1 मीटर लंबी फिश प्लेट, रु. 1,88,380.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 02.06.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(17) ;** 10242466; ड्राइवर सीट एवं पेडेस्टल असेंबली; रु. 2,36,770.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 04.06.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(18);** 10241153बी; पीओएच रिप्लेसमेंट किट; रु. 1,39,980.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 05.06.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(19);** 12251103; आरडीएसओ डीआरजी सं. टी-8983 के अनुसार 60 किग्रा रेल के लिए लेवल क्रॉसिंग हेतु फिटिंग; रु. 2,46,850.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 09.06.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(20);** 10242514A; ईएलजीआई कंप्रेसर आदि के लिए आईओएच किट; रु. 3,76,010.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 10.06.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(21);** 10252256; ट्रांसपोर्ट मोटर आदि के लिए एवं फ्रेम एनडीई असेंबली; रु. 1,71,100.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 12.06.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(22);** 10241875A; फ्लेक्सिबल शंट असेंबली के साथ उंगली संपर्क; रु. 7,83,380.00; **(23);** 10251797; मोटर के साथ मुख्य कंप्रेसर; रु. 2,57,140.00; **(24);** 10252372; 3 फेज ट्र. मोटर इत्यादि के लिए आउटर लेबिरिंथ (डीई) का सेट; रु. 3,13,970.00; **निविदा खोलने की तिथि :** 16.06.2025, **समय :** 13.30 बजे. क्रम सं. 22 से 24 के लिए; **(25);** 10252326; सहायक संपर्ककर्ता-शाल्टबाउ इत्यादि; रु. 1,68,350.00; **(26);** 10252539, ईएलजीआई कंप्रेसर आदि बनाने के लिए पीओएच किट; रु. 2,49,820.00; **निविदा खोलने की तिथि :** 26.06.2025, **समय :** 13.30 बजे. क्रम सं. 25 से 26 के लिए; **(27);** 19255010; एयर कंप्रेसर (पानी ठंडा) आदि के लिए; रु. 3,23,890.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 30.06.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(28);** 10251016; कंडेनसर बुशिंग; रु. 2,48,180.00; **निविदा खुलने की तिथि :** 04.07.2025, **समय :** 13.30 बजे। **निविदा लागत:** सभी निविदाओं के लिए 0.00 रु. **टिप्पणी :** उपर्युक्त सभी निविदाएं ई-निविदाएं हैं और सभी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां आईआरईपीएस वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत करें। उपर्युक्त निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट देखें।

(Stores-08/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ में गैस पाइप हुई लीक, घर में लगी आग, महिला बना रही थी खाना

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना क्षेत्र के धनजोरी गांव में गैस पाइप में लीक होने से आग लग गई। आग लगने की यह घटना मो हाबिद के घर हुई है। जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब घर में एक महिला खाना बना रही थी। अचानक गैस पाइप से लीकेज शुरू हो गया। महिला कुछ समझ पाती, इससे पहले ही पाइप में आग लग गई। आग की लपटें देखकर महिला घबरा गई। देखते ही देखते पूरा घर आग की चपेट में आ गया। घर के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। आसपास के लोग भी मदद के लिए दौड़ पड़े। सभी ने मिलकर अपने-अपने घरों से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि तब तक घर में रखा सामान जल चुका था। पीड़ित मो हाबिद ने बताया कि आग में उनका अनाज, फ्रिज, पंखा और पलंग सहित करीब डेढ़ लाख रुपए का सामान जल गया है। मो हाबिद ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है, जिससे वह अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवार की हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। इधर गर्मी के मौसम में इस तरह की आग की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

डोभा में नहाने के दौरान डूबने से दो बच्चों की मौत

खूंटी, एजेंसी। खूंटी में एक दर्दनाक हादसे ने दो परिवारों की खुशियों छीन ली. यहां आजाद रोड बस्ती में रविवार दोपहर में खेत के पास बने एक डोभानुमा गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गयी. मृतकों की पहचान 10 वर्षीय हमजा अंसारी और 11 वर्षीय शमद अंसारी के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे दोपहर करीब 1 बजे अपने अन्य दो दोस्तों के साथ घूमने निकले थे. इसी दौरान महादेव मंडा क्षेत्र के नीचे स्थित डोभे में पानी देखकर मजा और शमद नहाने उतर गये. इसी बीच दोनों बच्चे गहराई में फंस गये और बाहर नहीं निकल सके. दोनों को डूबता देख फैजान और फैजल दौड़े-दौड़े घर आये और परिजनों को घटना की जानकारी दी. इसके बाद दोनों बच्चे के परिजन भागे-भागे डोभा पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. परिजनों ने दोनों बच्चों को पानी से निकाला और अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया. शमद के पिता मोहम्मद मुराद अंसारी फिलहाल विदेश (कतर) में काम कर रहे हैं. उन्हें इस दर्दनाक हादसे की सूचना दे दी गयी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि यह गड्ढा खेती के उद्देश्य से खोदा गया था, लेकिन इसके आसपास कोई सुरक्षा घेराव नहीं किया गया था, जिससे यह हादसा हो गया. पुलिस ने दोनों बच्चों के शवों को परिजनों को सौंप दिया. इधर घटना के बाद पूरा इलाका सदमे में है. वहीं घर वालों का भी रो-रोकर बुरा हाल है.

झामुमो में रामदास सोरेन को मिली बड़ी जिम्मेदारी, कुणाल को मिला बीजेपी छोड़ जेएमएम में आने का गिफ्ट

घाटशिला, एजेंसी। बीते दिन रांची में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 13वें केंद्रीय अधिवेशन के बाद केंद्रीय कार्यकारिणी समिति का गठन कर लिया गया। जिसकी सूची भी जारी कर दी गई है। केंद्रीय कार्यकारिणी समिति में पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला, बहरागोड़ा और पोटका विधानसभा के पार्टी नेताओं को भी स्थान मिला है। केंद्रीय कार्यकारिणी समिति में प्रदेश के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री रामदास सोरेन को उपाध्यक्ष का दायित्व मिला। इसके अलावे चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर आने वाले पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी को पार्टी ने प्रवक्ता बनाया है। भाजपा में भी जब कुणाल थे तो वे प्रवक्ता ही थे, अब झामुमो में प्रवक्ता का दायित्व संभालेंगे। इसके अलावा बहरागोड़ा विधानसभा से लगातार दूसरी बार चुनाव जीतने वाले विधायक समीर कुमार मोहंती को पार्टी ने केंद्रीय सचिव का दायित्व सौंपा है। पोटका से लगातार दूसरी बार जीतने वाले युवा विधायक संजीव सरदार को भी पार्टी ने कार्यकारिणी सदस्य बनाया है। बीते विधानसभा चुनाव के समय भाजपा का दामन छोड़ कर झामुमो में शामिल होने वाली पूर्वी सिंहभूम जिला परिषद की अध्यक्ष बारी मुर्मू को केंद्रीय समिति में जगह नहीं मिली है। उनके भाई और घाटशिला के पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू को भी केंद्रीय समिति में कोई जगह नहीं मिला। लक्ष्मण टुडू भाजपा के एसटी मोर्चा में राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी में थे इसके अलावा भाजपा के पूर्व ग्रामीण जिलाध्यक्ष सरोज महापात्रा को भी केंद्रीय समिति में स्थान नहीं मिला है।

जहां कांग्रेस गठबंधन की सरकार, वहां पाकिस्तानियों को मिल रहा संरक्षण

रांची, एजेंसी। पहलगाम में मुस्लिम आतंकियों द्वारा हिंदू पर्यटकों की हत्या के विरोध में सोमवार के प्रदेश भाजपा ने राज्यभर में प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन कर राज्य में रह रहे पाकिस्तानी वीजा धारकों को बाहर निकालने की मांग की। रांची में प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार वैध और अवैध तौर पर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को निकालने में गंभीर नहीं है। पाकिस्तानी भारत छोड़ो कार्यक्रम में रांची महानगर भाजपा ने जिला स्कूल मैदान से उपायुक्त कार्यालय तक आक्रोश मार्च निकाला।

जबकि खूंटी में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पाकिस्तानी भारत छोड़ो के नारे के साथ उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कार्यकर्ताओं के साथ अर्जुन मुंडा ने खूंटी उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपा। जमशेदपुर में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए।

रांची में प्रदर्शन के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों द्वारा हिंदू पर्यटकों के नरसंहार से देशवासी गुस्से में हैं।

केंद्र सरकार ने पाकिस्तानियों का वीजा रद कर उन्हें 48 घंटों में भारत छोड़ने का निर्देश दिया था। लेकिन जिस राज्य में कांग्रेस गठबंधन की सरकारें चल रहीं हैं, वहां पाकिस्तानी नागरिकों को संरक्षण दिया जा रहा।

झारखंड में भी कई पाकिस्तानी छुप कर रह रहें हैं, लेकिन यहां की सरकार उन्हें बचाने में लगी है। उन्होंने राज्य सरकार से कहा कि वैसे पाकिस्तानी नागरिक जो वैध या अवैध रुपए छुपकर रहें हैं उन्हें तत्काल डिपोर्ट करे।

प्रदर्शन में शामिल हुए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि भारत की सेना आतंकियों के आकाओं को करारा जबाव देगी। ऐसी दुस्साहस करने वाले मिट्टी में मिला दिए जाएंगे।

उन्होंने झारखंड सरकार से कहा कि छुप के रहे पाकिस्तानियों को अविलंब चिह्नित कर बाहर निकालें अन्यथा झारखंड की जनता घर-घर से खोजकर उन्हें बाहर निकालेगी।

आक्रोश प्रदर्शन में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश, रांची विधायक सीपी सिंह, हटिया विधायक नवीन जयसवाल, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, विश्वजीत सिंह समेत कार्यकर्ता शामिल रहे।

झारखंड के 18 जिलों में बारिश का अलर्ट , 7 मई से बढ़ेगी गर्मी

रांची, एजेंसी। झारखंड में लगभग 10 दिनों से मौसम में हुए बदलाव के बाद अब मौसम का मिजाज गर्म होने वाला है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में कल तक बारिश के आसार हैं। प्रदेश के पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा जिलों को छोड़कर अन्य 18 जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। इस दौरान बादल भी गरजेंगे। वज्रपात की भी आशंका बनी हुई है।

इस दौरान हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की संभावना है। प्रदेश के 18 जिलों में आज भी मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने इन 18 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया है कि 7 मई से आसमान साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा।

बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य के अनेक स्थानों पर मेघ गर्जन और वज्रपात हुआ है। इस दौरान हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश भी हुई है। सबसे अधिक बारिश धनबाद के पुटकी में हुआ है। यहां 57.0 मिलीमीटर बारिश का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। वहीं सबसे अधिक तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस सरायकेला का रहा। जबकि सबसे कम तापमान 18.1 डिग्री लोहरदगा में दर्ज किया गया है।

राज्य के कई ऐसे जिले हैं, जहां पिछले दो दिनों से मौसम में बदलाव तो हुआ है लेकिन बारिश नहीं हुई है। ऐसे में इन जिलों में अधिकतम तापमान में मामूली बदलाव देखने को मिला है। अभी भी पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, हजारीबाग, बोकारो, पलामू, लातेहार, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, साहिबगंज, पाकुड़ और गोड्डा जैसे जिलों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री से ऊपर है। अन्य जिलों का तापमान सामान्य से कम है।मौसम विज्ञान केंद्र रांची की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि अगले दो दिनों के बाद गर्मी एक बार फिर अपना रूप दिखाएगी। इस दौरान प्रदेश का मौसम शुष्क रहने वाला है।

बोकारो में हाइवे किनारे मिला युवक का शव, शरीर पर चाकू से मारने के मिले निशान

बोकारो, एजेंसी। बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र में अपराधियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आज सुबह रामगढ़-बोकारो हाईवे के किनारे खेदाडीह गोविंद तालाब के पास एक युवक का शव मिला है। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक जिस व्यक्ति की बॉडी मिली है उसका नाम धनंजय कुमार है। जानकारी के मुताबिक वह सेक्टर 9 शिवशक्ति कॉलोनी में ससुराल में रह कर टोटो चलाता था।प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर चाकू से किए गए वार के निशान मिले हैं। घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर मृतक का टोटो भी बरामद किया गया है। जिसकी बैटरी गायब मिली है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें मृतक के साथ दो अन्य व्यक्ति भी नजर आ रहे हैं।

डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक की टीम पहुंची : स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

एक दिन पहले बहादुरपुर में हुआ मर्डर : एक दिन पहले इसी थाना क्षेत्र के बहादुरपुर में चार अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर ईंट भट्ठा मालिक की हत्या कर दी थी। उस मामले में भी अब तक पुलिस के हाथ खाली हैं। दो दिन के भीतर हुई दो हत्याओं से इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय लोगों ने गश्ती करने की मांग की : स्थानीय लोगों ने पुलिस से गश्ती बढ़ाने और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया है कि हत्या में शामिल अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

फिजिक्स ने उलझाया तो केमिस्ट्री और बायोलॉजी के सवाल थे मॉडरेट, स्टूडेंट्स ने साझा किए अनुभव

रांची, एजेंसी। नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट (नीट यूजी 2025) का आयोजन रविवार को रांची के 22 केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में हुआ। परीक्षा एक पाली में दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक ली गई। परीक्षार्थियों को सुबह 11 बजे से लेकर 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिला। इसके बाद गेट बंद कर दिया गया।

परीक्षा आयोजन की तैयारी को ले जिला प्रशासन और एनटीए ने बेहतर तैयारी कर रखी थी। सभी परीक्षा केंद्रों पर गहन जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जा रही थी।

परीक्षा केंद्र के आसपास निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। परीक्षा के दौरान पुलिसबल की गश्ती भी तेज दिखी, इसके लिए बड़ी संख्या में जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

अबकी बार नीट यूजी की परीक्षा को ले कुछ बदलाव भी किए गए, परीक्षा में कुल 180 सवाल पूछे गए, जिसमें फिजिक्स व केमिस्ट्री से 45-45 व बायोलॉजी से 90 सवाल समाहित किए गए, जबकि ऑप्शनल सवालों को हटा दिया गया। बता दें कि पिछले वर्ष नीट यूजी की परीक्षा में 200 सवाल पूछे गए थे।

स्टेट कोटा के तहत राज्य के 6 सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस की कुल 563 सीटें हैं, जिसमें नामांकन के लिए परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा देकर बाहर निकले परीक्षार्थियों ने बताया कि अबकी बार फिजिक्स के सवाल बेहद लेंदी और कठिन थे, जबकि केमिस्ट्री के सवाल मॉडरेट और बायोलॉजी के सवाल अपेक्षाकृत आसान थे।

फिजिक्स के सवाल सबसे कठिन थे, इसमें इलेक्ट्रोस्टैटिक्स, चुंबकत्व और सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स से अधिक सवाल पूछे गए थे। संख्यात्मक आधारित समस्याएं हावी थीं, जिसके लिए मजबूत वैचारिक स्पष्टता की आवश्यकता थी। कई छात्रों ने इस पेपर को समय लेने वाला पाया, जबकि कई ने इसे बेहद कठिन करार दिया।

परीक्षार्थियों ने कहा कि पेन एंड पेपर-आधारित परीक्षा में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी से 180 सवाल पूछे गए थे। परीक्षा पैटर्न पिछले वर्षों के अनुरूप ही रहा। परीक्षा केंद्र में स्टेशनरी आइटम, कागज के टुकड़े, ज्यामिति, पेन, पेंसिल बाक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, इरेजर, कैलकुलेटर, लाग टेबल, इलेक्ट्रानिक पेन स्कैनर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन।

माइक्रोफोन, पेजर, हेल्थ बैंड, वालेट, गागल्स, हैंडबैग, बेल्ट, कैप, घड़ी, कलाई घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा, आभूषण, धातु आइटम, खाद्य पदार्थ आदि अंदर ले जाने की मनाही थी।

हेमंत सोरेन सरकार रिम्स निदेशक को पद से हटाए जाने के आदेश को लेगी वापस, हाईकोर्ट ने दिया ये निर्देश

रांची, एजेंसी। राणा प्रताप-झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के निदेशक डॉ राज कुमार को उनके पद से हटाए जाने के आदेश को राज्य की हेमंत सोरेन सरकार वापस लेगी। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के आग्रह को देखते हुए याचिका निष्पादित कर दी। हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने कहा कि जब तक हटाए जाने का आदेश वापस नहीं होता, तब तक प्रार्थी को परेशान नहीं किया जाएगा।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी द्वारा पिछले दिनों रिम्स के निदेशक पद से हटाए जाने के बाद डॉ राज कुमार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्होंने दोबारा रिम्स निदेशक का पदभार संभाला। इस तरह रिम्स को पिछले दिनों अपना पुराना निदेशक वापस मिल गया था। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद डॉ राज कुमार को निदेशक के पद पर पुनः बहाल किया गया था। रिम्स निदेशक पद से हटाए जाने के बाद डॉ राज कुमार ने झारखंड हाईकोर्ट में सरकार के आदेश को चुनौती दी थी।

इस संदर्भ में याचिका दाखिल कर न्याय की गुहार लगायी थी। दाखिल याचिका पर 28 अप्रैल को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपक रोशन ने झारखंड के स्वास्थ्य मंत्रालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही सरकार को जवाब दाखिल करने का नोटिस जारी किया था। याचिका पर विस्तृत सुनवाई के लिए छह मई की तारीख मुकर्रर की गयी थी। आज जस्टिस दीपक रोशन की अदालत में अपना आदेश वापस लेने के सरकार के आग्रह को देखते हुए याचिका निष्पादित कर दी।

कोडरमा में सड़क हादसे में युवक की मौत

स्टेशन जाते समय वाहन ने बाइक में मारी टक्कर

भाई बोला- ये हादसा नहीं, हत्या है

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा के नवलशाही थाना क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में नीलेश कुमार नाम के 22 साल के युवक की मौत हो गई। वह अपने दोस्त 22 वर्षीय अजीत कुमार के साथ एक बाइक पर सवार हो कर कोडरमा स्टेशन जा रहा था। कोडरमा-गिरिडीह मेन रोड पर मां चंचालिनी मुख्य द्वार के पास अज्ञात वाहन से बाइक की टक्कर हो गई। इधर घटना के बाद सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचे मृतक नीलेश के भाई कैलाश यादव का कहना है कि ये हादसा नहीं हत्या है। उसने बताया कि अजय मुंबई जाने वाला था। जिसे छोड़ने उसका भाई नीलेश उसे लेकर कोडरमा स्टेशन जा रहा था। कैलाश यादव के मुताबिक, कुछ दिनों पहले उसके भाई और पड़ोस के लड़कों के बीच कुछ कहा सुनी हुई थी। जिसमें उक्त युवक द्वारा मेरे भाई को जान से मारने की धमकी दी थी।

पुलिस उठाकर ले गई अस्पताल

हादसे में नीलेश की मौत हो गई पर अजय गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों युवक गिरिडीह जिले के शंख के रहने वाले थे। हादसे ही सूचना मिलते ही नवलशाही थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। इलाज के दौरान नीलेश की मौत हो गई। अजीत का इलाज जारी है।

मृतक के गले में चेन से दबाने के निशान

उसने बताया कि उसके भाई के गले पर बने निशान को देखकर लग रहा है कि उसने जो गले में चेन पहन रखा था, उसी चेन से दबाकर उसके भाई की हत्या कर दी गई है। उन्होंने संदेह जताया कि अजय का इस्तेमाल उसे मेरे भाई की हत्या के लिए इस्तेमाल किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिस बाइक के दुर्घटना होने की बात कही जा रही है, उसे देखने से ऐसा लगता है कि उसपर पत्थर मारकर क्षति पहुंचाई गई है। उन्होंने कहा कि वे थाने में आवेदन देकर मामले की गंभीरता पूर्वक जांच करने की मांग करेंगे।

पांच स्कूलों के प्रभारी प्राचार्य और लिपिक से मांगा गया स्पष्टीकरण

हजारीबाग, एजेंसी। शहरी क्षेत्र के चार और विष्णुगढ़ प्रखंड के एक स्कूल को मिलाकर कुल पांच स्कूल के प्रभारी प्राचार्य और संबंधित लिपिक से जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने स्पष्टीकरण पूछा है। इसके लिए उन्हें 24 घंटे का समय दिया गया है। स्पष्टीकरण का जवाब संतोषजनक मांगा गया है। अगर स्पष्टीकरण तय समय पर नहीं दिया गया या संतोषजनक नहीं हुआ, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ शिक्षा अधिकारी आगे की कार्रवाई करेंगे। जानकारी के अनुसार, डीईओ कार्यालय ने स्पष्टीकरण से संबंधित पत्र पांच मई की शाम को लगभग 4:00 बजे जारी किया है। इसमें हिंदू प्लस टू स्कूल, बिहारी बालिका उवि, पीएमश्री केबी हाई स्कूल, श्रीकृष्ण आरक्षी उवि एवं प्लस टू उवि विष्णुगढ़ के प्रभारी प्राचार्य और लिपिक शामिल हैं।

बताया गया कि सभी पांच स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को मार्च-अप्रैल 2025 का वेतन समय पर भुगतान नहीं किया गया है। जबकि वेतन के लिए स्कूल को 10 अप्रैल को राशि आवंटित कर दी गयी है। आवंटित राशि के आधार पर प्राचार्यों को लिपिक के सहयोग से वेतन विवरणी प्रपत्र तैयार कर निकासी एवं व्यय पदाधिकारी (डीडीओ) तक भेजना था। लेकिन समय सीमा के अंदर वेतन प्रपत्र तैयार नहीं होने से सभी पांच स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों का वेतन लंबित हो गया है। कुछ शिक्षकों ने इसकी शिकायत पांच मई को कार्यालय पहुंचकर डीईओ से की। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीईओ ने कार्रवाई की है।

मामले को लेकर हजारीबाग के डीईओ सह क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक प्रवीण रंजन ने बताया कि समय पर वेतन प्रपत्र जारी नहीं करने पर पांच स्कूल के प्रभारी प्राचार्य एवं संबंधित लिपिक से स्पष्टीकरण पूछा गया है। स्पष्टीकरण का जवाब 24 घंटे के अंदर मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर प्राचार्य व लिपिक के विरुद्ध आगे की कार्रवाई के होगी।

हजारीबाग जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) कार्यालय के 11 कर्मियों को मार्च-अप्रैल का वेतन नहीं मिला है। वेतन नहीं मिलने से सभी कार्यालय कर्मी परेशान हैं। कुछ कार्यालय कर्मियों ने मंगलवार को बताया कि राज्य से जिला को चार अप्रैल को आवंटन प्राप्त है। डीएसई को वेतन प्रपत्र जारी करना है। डीएसई की ओर से वेतन प्रपत्र जारी करने में देरी की गयी है। इससे डीएसई कार्यालय के 11 कर्मियों को मार्च-अप्रैल का वेतन नहीं मिला है। वहीं, राज्य ने वेतन मद में डीएसई कार्यालय को एक करोड़ से अधिक राशि आवंटित की है।

पीएम कुसुम योजना के नाम पर किसानों से धोखाधड़ी, ज्रेडा ने फर्जी वेबसाइट से किया सावधान

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के नाम पर पूरे झारखंड में साइबर ठग किसानों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। इस धोखाधड़ी से बचने के लिए ज्रेडा ने किसानों से फर्जी वेबसाइट से सावधानी बरतने की अपील की है। ज्रेडा की ओर से कहा गया है कि कई फर्जी वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन आवेदकों से प्रधानमंत्री किसान उर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (प्रधानमंत्री कुसुम योजना) के नाम पर किसानों से सोलर पंप लगाने के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के नाम पर पंजीकरण शुल्क लेकर धोखाधड़ी की जा रही है।

इसके साथ ही जो किसान इन फर्जी वेबसाइट पर सोलर पंप के लिए ऑनलाइन आवेदन कर रहे हैं। उन्हें ऑनलाइन भुगतान करने को कहा जा रहा है। जैसे ही किसान ऑनलाइन भुगतान कर रहे हैं, साइबर अपराधी पैसे लेकर फरार हो जा रहे हैं। बता दें कि ऊर्जा विभाग की ओर से इस योजना को ज्रेडा क्रियान्वित कर रहा है।

अनुदानित दर पर किसानों को सोलर पंपसेट के लिए पांच हजार रुपए प्रति सोलर पंप, सात हजार, 10 हजार लाभुक अंशदान देने का प्रावधान है। अलग-अलग अनुदान अलग-अलग क्षमता के पंपसेट के आधार पर है। आवेदन समेत बैंक ड्राफ्ट की राशि किसानों को जिला प्रशासन द्वारा जारी की जाती है। किसानों की सूची ज्रेडा को जारी होती है। इसके बाद ज्रेडा चयनित एजेंसी के माध्यम से सोलर पंपसेट लगाता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

पाकिस्तान पर वार या इंतजार?

पहलगाम हमले को एक हफ्ते से अधिक समय गुजर चुका। इसे लेकर लोगों का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि आतंकवाद और उसे पोसने वाले पाकिस्तान पर नकेल कसने के लिए सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं। घाटी में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई है। जम्मू-कश्मीर सरकार भी सुरक्षा को लेकर सतर्क है। उसने पचास पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है, और ऐसे स्थलों की पहचान की जा रही है, जहां सैलानियों के लिए खतरा हो सकता है। मगर, फिर भी जन-दबाव बना हुआ है कि पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त निर्णय करने का वक्त है। मगर सरकार कोई भी कदम हड़बड़ी या उत्तेजना में नहीं उठाना चाहती है। सुरक्षा एजंसियों, सेना प्रमुखों और रणनीतिकारों के साथ लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठकें हो चुकी हैं। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद को पुनर्गठित कर दिया है। इसलिए पाकिस्तान को आशंका है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। मगर भारत सरकार इसे लेकर सावधानी बरत रही है, तो उसकी वजहें भी समझी जा सकती हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, उसे कड़ा सबक सिखाया ही जाना चाहिए, मगर इसका तरीका क्या हो, यह जटिल विषय है। यों तो युद्ध किसी भी मसले का हल नहीं हो सकता, पर पाकिस्तान के मामले में इसे लेकर अधिक गंभीरता से विचार करने की जरूरत पड़ती है। असल मुद्दा आतंकवाद को समाप्त करना है। वह युद्ध के बाद समाप्त हो जाएगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता। फिर, भारत हमेशा से युद्ध का विरोध और शांति का समर्थन करता रहा है, अगर वही पाकिस्तान के खिलाफ इसकी पहल करता है, तो उस पर सवाल उठेंगे। इसलिए सरकार तमाम पहलुओं पर ठंडे दिमाग से विचार कर रही है। एक शांतिप्रिय राष्ट्र से ऐसे ही व्यवहार की उम्मीद भी की जाती है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि पहलगाम हमले को लेकर भारत सरकार किसी तरह का ढुलमुल रवैया अख्तियार कर रही है। पाकिस्तान से निपटने की रणनीति बनाते समय इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वहां सेना और सियासी हुकूमत समांतर सत्ता हैं। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत से ऊपर अपनी सत्ता कायम कर रखी है। वही आतंकवाद को पोसती और भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में उसका इस्तेमाल करती है। जबकि पाकिस्तान की माली हालत इस वक्त बहुत बुरी है, आम अवाम दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। मगर पाकिस्तानी सेना का उससे कोई मतलब नहीं है, उसका मकसद केवल अपनी सत्ता कायम रखना है। छिपी बात नहीं है कि भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले करने वाले संगठनों के सरगना वहां सेना के संरक्षण में पनाह पाए हुए हैं। ऐसे में भारत को कोई भी कदम उठाने से पहले इस पहलू पर भी विचार करना पड़ता है कि चोट ऐसी जगह पड़े, जिससे वहां की सेना और खुफिया एजंसी को ज्यादा नुकसान हो। इसी से आतंकवाद पर भी चोट पड़ेगी। पहलगाम हमले के बाद घाटी के लोगों में भी गम और गुस्सा है, दुनिया के बहुत सारे देश पाकिस्तान की निंदा कर चुके हैं। इस तरह भारत के लिए आतंकवाद पर रणनीतिक रूप से चोट करने का अनुकूल वातावरण है।

भरोसा कायम रखने का वक्त

मधुबनी में प्रधानमंत्री की गर्जना से ऐन पहले की रात आगरा में कुछ लोगों ने बिरयानी बेचने वाले एक कारोबारी की हत्या कर दी। उसका सहायक भी गोली लगने से घायल हो गया। इस घटना के तत्काल बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होता है। इसके जरिये खुद को एक कल्पित हिंदूवादी संगठन का ताबेदार बताते हुए दो सशस्त्र युवक इस हत्याकांड को पहलगाम नरमेध से जोड़ते हुए, सांप्रदायिक विषवमन कर रहे थे।

(शशि शेखर)

'पहलगाम में हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों और साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब ये शब्द मधुबनी की धरती पर बोल रहे थे, तब उनके चेहरे पर गुस्से की गहन छाया साफ देखी जा सकती थी। यह पहला मौका था, जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक सभा में ऐसे कठोर शब्द बोले। ये ताकतवर वाक्य उन लोगों के जख्मों पर मरहम की तरह थे, जिन्होंने अपने घर के लोग खोए हैं। ये अल्फाज आहत देशवासियों को भी भरोसा दिला रहे थे कि हम सिर्फ कूटनीतिक कार्रवाई तक नहीं रुकेंगे। इस सवाल का जवाब देना नामुमकिन है, लेकिन इतना तय है कि जो होगा, वह अप्रत्याशित और अकल्पनीय होगा। भरोसा न हो, तो 15 फरवरी, 2019 की ओर लौटें। समूचा देश उस वक्त पुलवामा में 40 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या से आहत था। उस दिन नई दिल्ली और वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाते हुए उन्होंने कहा था- आतंक के दोषियों और उन्हें मदद देने वाले को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। सुरक्षाबलों को कार्रवाई की पूरी छूट दे दी गई है। पाकिस्तान इस भ्रम में न रहे कि वह भारत को अस्थिर कर सकता है। पाकिस्तान सहित कुछ सियासतदां इसे महज चुनावी भाषण मानने की भूल कर बैठे थे। अगले दस दिन के भीतर बालाकोट में जो हुआ, उसे पूरी दुनिया ने अचरज से देखा। इससे पहले भारत आतंकवाद से आहत होने के बाद बस गाल बजाकर रह जाता था। इस बार हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान की सीमा के भीतर घुसकर न केवल निर्धारित ऑपरेशन को अंजाम दिया, बल्कि सरकार ने उसे दुनिया को बताने और जताने में कोई संकोच नहीं किया था। यह भारतीय रणनीति में सार्थक बदलाव का लम्हा था। तय हो चुका था कि अब भारत-भूमि को रक्त-स्नान कराने वाले कहीं भी हों, बख्शे नहीं जाएंगे। जरूरी हुआ, तो इसके लिए हम सीमा पार करने से कतई नहीं हिचकेंगे। पुलवामा को छह बरस बीत चुके हैं। इस दौरान दुनिया और उसके तौर-तरीकों में जमीन-आसमान का फर्क आ चुका है। यूक्रेन पर रूस की चढ़ाई और इजरायल के गाजा सैन्य अभियान ने विश्व राजनय के सिद्धांतों को नया चोला पहना दिया है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के बेहद दबाव के बावजूद न पुतिन झुके और न ही नेतन्याहू। उनकी फौजें आज भी अपने 'दुश्मनों' का सफाया करने में जुटी हैं। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड और कनाडा को हथियाने का दंभ खुल्लमखुल्ला भरते हैं। इस पर अभी कोई टिप्पणी मुनासिब नहीं होगी, मगर यह जान लीजिए कि पाकिस्तानी परमाणु बम और उसके दुरुपयोग की धमकियां मोदी की राह नहीं रोक सकतीं। वह पहले ही सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट के जरिये इसकी मुनादी कर चुके हैं। दुनिया के अन्य देश भी पाकिस्तान की इस गीदड़ भभकी से आजिज आ चुके हैं। यह अकारण नहीं है कि पहलगाम नरसंहार के बाद विश्व के सभी प्रमुख देशों ने भारत और भारतीयों के साथ एकजुटता दिखाई है। इस साथ का बदली हुई परिस्थितियों में बेहतरीन उपयोग किया जा सकता है। देश के अंदर भी प्रमुख विपक्षी नेताओं ने सरकार से कड़ी कार्रवाई की उम्मीद करते हुए एकजुटता दिखाई है। मैं कभी युद्ध का समर्थन नहीं करता और यह भी मानता हूं कि मीडिया के दबाव या जन-इच्छाओं से लड़ाइयां नहीं लड़ी जानी चाहिए, लेकिन जब पानी नाक तक चढ़ आए, तो फिर हाथ-पैर हिलाने ही पड़ते हैं। यह समय सरकार के साथ एकजुट होकर खड़े होने का है। पहलगाम में जान गंवाने वालों को इससे बेहतर कोई और श्रद्धांजलि नहीं हो सकती। मधुबनी में प्रधानमंत्री की गर्जना से ऐन पहले की रात आगरा में कुछ लोगों ने बिरयानी बेचने वाले एक कारोबारी की हत्या कर दी। उसका सहायक भी गोली लगने से घायल हो गया। इस घटना के तत्काल बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होता है। इसके जरिये खुद को एक कल्पित हिंदूवादी संगठन का ताबेदार बताते हुए दो सशस्त्र युवक इस हत्याकांड को पहलगाम नरमेध से जोड़ते हुए, सांप्रदायिक विषवमन कर रहे थे। उसी दिन नोएडा के तमाम लोगों को एक रिकॉर्डेड कॉल मिली थी। उसमें भी एक धर्म विशेष के लिए जहर बोला गया था। उत्तर प्रदेश पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। हो सकता है कि जब तक ये पंक्तियां आप तक पहुंचें, दोषी धरे जा चुके हों, पर वे अकेले नहीं हैं। सोशल मीडिया के जरिये धार्मिक उन्माद फैलाने वाले सैकड़ों हैंडल इस समय सक्रिय हैं। ये लोग जाने-अनजाने उन दहशतगर्दों का काम आसान कर रहे हैं, जो कश्मीर को सिर्फ देश की मुख्यधारा से अलग नहीं करना चाहते, बल्कि समूचे मुल्क को सांप्रदायिकता की आग में झोंकना चाहते हैं। पहलगाम की बैसरन घाटी में जिस अपमानजनक तरीके से धार्मिक पहचान पता कर गोलियों से भूना गया,उससे नाराजगी स्वाभाविक है। इसके बावजूद हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि सैलानियों की रक्षा के लिए भिड़ पड़े एक कश्मीरी युवक को उस दौरान जान गंवानी पड़ी। पीड़ितों को फौरी मदद भी स्थानीय लोगों से मिली। वे सभी मुसलमान थे। कश्मीर में अनुच्छेद 370 की विदाई के बाद से जिस तेजी से विकास हुआ है, उससे वहां के नौजवानों में उम्मीद जग पड़ी है कि वे भी समूचे देश के साथ कदमताल कर सकते हैं। पहलगाम के हमले ने उनकी इन नेक उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। यही वजह है कि पूरे देश के साथ कश्मीर घाटी भी गुस्से से तप रही है। हमले के दिन ही लोग सड़कों पर 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारों के साथ उतर पड़े थे। वे आम कश्मीरी थे, जिन्होंने अगले दिन कश्मीर बंद का आह्वान किया। उन्हें पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते देख मुझे वे दिन याद आ गए, जब घाटी में सरेआम पाकिस्तानी झंडे लहराया करते थे। हमें कश्मीरियों की इस राष्ट्रभावना का सम्मान करना चाहिए। इस बीच कुछ खबरें यह भी आईं कि अन्य प्रदेशों में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों के साथ कुछ लोगों ने बदसलूकी करने की कोशिश की। इस तरह की हर हरकत को कड़ाई से रोकना होगा। हमें पीड़ित परिवारों के साथ कश्मीर के लोगों का भी भाईचारे की भावना से साथ देना होगा, क्योंकि उन्होंने शेष भारत से अधिक 'अपने' खोए हैं और हर किस्म का नुकसान उठाया है। ध्यान रहे, यह समय एकजुटता का है।

स्वर्ग के बाद अब देवभूमि को निशाना बनाने का षडयंत्र

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

आतंकवाद का जहर समूचे देश में फैल चुका है। चौराहों से लेकर चौपालों तक चर्चाओं का बाजार गर्म है। पाक प्रायोजित पहलगाम हमले ने राष्ट्र भक्त नागरिकों को आंदोलित कर दिया है। धर्म पूछकर की गई हत्याओं ने इस्लाम के मंसूबे जाहिर कर दिये हैं। देश के अंदर रहने वाले मीर कासिम की तरह गद्दार भी अब घडियाली आंसू बहाकर उत्तेजनात्मक बयानबाजी करके अपने को हिन्दुओं का शुभचिन्तक घोषित करने की होड में लगे हैं। हिन्दुस्तान के स्वर्ग के बाद अब देवभूमि को निशाना बनाने का षडयंत्र भी उजागर होने लगा है। सूत्रों की माने तो कश्मीर घाटी के बाद अब केदार घाटी में भी नापाक इरादों को कामयाब करने के लिए छद्मवेशधारियों की जमातों ने आमद दर्ज कर ली है। उत्तराखण्ड में प्रारम्भ हो चुकी तीर्थ यात्रा में जहां केदारनाथ और यमुनोत्री में फर्जी दस्तावेजों के आधार अनेक आतंकियों व्दारा घोडेवाले के रूप में पंजीकरण तक करवा लिया है वहीं यात्रा मार्ग में अनेक बाहरी लोगों ने दुकानें खोलकर व्यवसायी का चोला ओढ लिया है। उल्लेखनीय है कि विगत कुछ वर्षों में ही उत्तराखण्ड की धरती पर हजारों मजारें बना लीं गई है, सैकडों मस्जिदें तैयार हो गई हैं, मदरसों ने आकार ले लिया है। अचानक आई मुस्लिम आबादी की बाढ से वहां का सामाजिक ढांचा तक तहस-नहस होता दिख रहा है। देवभूमि में इन दिनों अनगिनत मांस की दुकानें, कसाईखाने और अनजाने लोगों की बसाहट देखी जा सकती है। एक सर्वे में पता चला है कि वहां पर मुसलमानों में नाम बदलने का एक फैशन चल निकला है। अनेक दस्तावेजों में हिन्दू नाम वाले व्यक्ति की बल्दियत मुस्लिम नाम के साथ जुडी है। पंकज पुत्र मोहम्मद सलीम जैसे नामों वाले दस्तावेज बनाये जा रहे हैं जो आगे चलकर सुनील पुत्र पंकज के रूप में स्वत- परिवर्तित हो जायेंगे। पहचान छुपाकर बनाये जाने वाले प्रमाण पत्रों का सिलसिला तो दसियों साल से चल रहा है। लम्बे समय से तीर्थ यात्रा कराने वाली एक कम्पनी के पुराने नुमाइंदे के अनुसार इस बार की उत्तराखण्ड यात्रा में तीर्थ स्थलों पर दुकानों से लेकर सेवायें देने वालों तक में अनजान चेहरों की भरमार है। यह लोग पहले कभी नहीं देखे गये। बहुत कम बोल वाले इन लोगों की भाषा भी क्षेत्रीय नहीं है किन्तु अनेक स्थानीय लोग इनके संरक्षक बने हुए हैं। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में वे ही आगे आकर मोर्चा सम्हालते हैं और साम्प्रदायिकता का रंग देकर विरोध दर्ज करने वालों पर हावी हो जाते हैं। अभी तो यात्रा शुरू हुई है। आने वाले दिनों में इन अनजान लोगों की कारगुजारियां सामने आने की संभावना है। ऐसे ही स्थिति का खुलासा अनेक स्थानीय व्यवसायियों ने भी किया है। सरकारी व्यवस्था के समानान्तर कम दामों में बेहतर सुविधायें देने का वायदा करने करने वाले अनेक संदिग्धों का तीर्थों में जमघट लगा है। पहले भी सीमापार से आने वाले आर्तकियों ने देश के अनेक महानगरों को बम धमाकों से दहलाया था, निर्दोषों की जानें लीं थीं और फैलाई थी दहशत। इस बार धरती के स्वर्ग कश्मीर के बाद अब देवभूमि उत्तराखण्ड को रक्त रंजित करके गजवा-ए-हिन्द का एक बार फिर ऐलान करने के मंसूबों की जानकारी मिल रही है। सूत्रों के अनुसार आतंकियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तीर्थयात्रियों के रूप में पंजीकरण भी करवाया है, घोडावान के रूप में भी रजिस्टर्ड हुए हैं और गरीब बनकर छोटी-छोटी दुकानें भी लगा लीं हैं। सघन जांच होने, संदिग्धों की पडताल होने और कार्यवाही होने पर साम्प्रदायिक रंग देने की सभी तैयारियां भी पूरी कर लीं गईं है जिनमें अनेक खद्दरधारियों, काले कोटधारियों, कथित बुध्दिजीवियों, बनावटी समाजसेवियों, दबंग प्रभावशालियों की सक्रिय भूमिकायें निर्धारित हो चुकीं हैं। कार्यपालिका के एक बडे वर्ग की लापरवाही और मनमानियों से तैयार होने वाले दस्तावेजों की आड में राष्ट्रदोहियों की जमातें निरंतर तैयार हो रहीं हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5723

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5722

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

आज का राशिफल

मेष
आज दिन स्थिरता और आत्मविश्लेषण का है। हर निर्णय धैर्य और विवेक से लें। किसी ऑफिस सहयोगी से मतभेद हो सकता है, इसलिए संयम रखें। फाइनेंशियल मामलों में आज छोटे निवेश आपको भविष्य में बड़ा रिटर्न दे सकते हैं। नौकरी बदलने या वर्क फ्रॉम होम ऑप्शन पर भी विचार कर सकते हैं। शाम के बाद परिस्थितियां अनुकूल बनेंगी।

वृष
आज दिन विशेष रूप से शुभ साबित हो सकता है। करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के प्रबल योग बन रहे हैं। यदि आप नौकरी में हैं तो आपके प्रदर्शन की सराहना होगी और प्रमोशन या बोनस की संभावनाएं बनेंगी। बिज़नस करने वालों के लिए किसी बड़ी डील या निवेश को फाइनल करने का सुनहरा अवसर है। मल्टी-सोर्स इनकम की शुरुआत हो सकती है।

मिथुन
आज दिन समझौते और समाधान का है। पुरानी प्रफेशनल समस्याएं हल हो सकती हैं। जो लोग लीगल, काउंसलिंग या एडवाइज़री क्षेत्र में हैं, उन्हें सम्मान और लाभ मिलेगा। ऑफिस में आपको किसी इनोवेटिव आइडिया पर काम करने का मौका मिल सकता है।

कर्क
आज पेशेवर सफलता और प्रगति से भरा हो सकता है। जो लोग जॉब में बदलाव की सोच रहे हैं, उन्हें नया ऑफर मिल सकता है। किसी लॉजिस्टिक्स या कानूनी मसले का समाधान आपको राहत देगा। कार्यस्थल पर आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स और नए आइडियाज़ से सीनियर्स प्रभावित होंगे। दिन के अंत में थोड़ी मानसिक थकावट हो सकती है।

सिंह
आज प्रफेशनल फील्ड में ध्यान और सतर्कता के साथ काम करना होगा। जल्दबाज़ी से नुकसान हो सकता है, खासकर फाइनेंशियल डील्स में। बिजनस में वृद्धि की संभावना है लेकिन कोई पुराना बकाया परेशान कर सकता है। नौकरी में आपको ट्रेनिंग या नई तकनीक सीखने का मौका मिल सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि थकान के कारण प्रॉडक्टिविटी पर असर पड़ सकता है।

कन्या
आज दिन व्यावसायिक उत्थान और आत्मविश्वास से भरा हो सकता है। बिजनस में रिस्क लेना लाभकारी रहेगा, खासकर नवीन परियोजनाओं या डिजिटल क्षेत्र में। कार्यस्थल पर आप किसी कोच या सीनियर की तरह मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकते हैं।

तुला
आज दिन रचनात्मक सोच और रणनीतिक कार्यों के लिए आदर्श है। मीडिया, लेखन, डिजाइनिंग या सॉफ्टवेयर से जुड़े लोग नए कॉन्ट्रैक्ट या फ्रीलांस प्रॉजेक्ट हासिल कर सकते हैं। रुके हुए काम तेज़ी से पूरे होंगे जिससे आपको आर्थिक लाभ होगा। तो आज का दिन शुभारंभ के लिए उत्तम है। वरिष्ठों से मार्गदर्शन लेना लाभकारी रहेगा। आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक
आज दिन ऊर्जा और प्रगति से भरा रहेगा। दिनभर में कई ऐसे प्रस्ताव आपको मिल सकते हैं जो आपको कई गुना मुनाफा करवाएंगे और आपकी तरकी होगी। नौकरीपेशा लोगों को नई ज़िम्मेदारियां मिलेंगी जो आगे चलकर प्रमोशन का रास्ता खोलेंगी। व्यापार में कोई नया अनुबंध हो सकता है जिससे आपको बड़ा लाभ मिलेगा। साथ ही, लोन या टैक्स से जुड़े मामलों में राहत की संभावना है।

मकर
आज दिन नई संभावनाओं और प्रयोगों का है। जोखिम लेने से न डरें, क्योंकि बड़ा लाभ आपके इंतजार में है। आपका नेटवर्किंग स्किल काम आएगा। बिजनस पार्टनर के साथ कोई नई योजना बन सकती है। नौकरी में नई भूमिका या विभाग परिवर्तन के योग हैं। हालांकि, खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा, क्योंकि किसी जान-पहचान वाले की मदद के लिए धन देना पड़ सकता है।

कुंभ
आज दिन संतुलन और कड़ी मेहनत का है। बिजनस में पार्टनरशिप से लाभ होगा और कोई डील फाइनल हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को एक साथ कई कार्यों को संभालना पड़ सकता है जिससे मानसिक दबाव बढ़ेगा। बच्चों से जुड़ा कोई करियर निर्णय आपकी प्राथमिकता में रहेगा। कोई सरकारी लाभ या टैक्स रिलीफ भी मिल सकता है। नियमों का पालन करें और लंबे टर्म प्लानिंग पर फोकस करें।

धनु
आज दिन मनोरथ सिद्धि और कार्यसिद्धि का है। आज आप जो भी कार्य निष्ठा से करेंगे, उसमें सकारात्मक परिणाम आएंगे। ऑफिस में टीम वर्क अच्छा रहेगा और आपकी सोच को नेतृत्वकर्ता के रूप में सराहा जाएगा। व्यवसाय में कोई पुराना कस्टमर दोबारा जुड़ सकता है जिससे रेगुलर इनकम बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए ट्रांसफर या प्रमोशन की बात आगे बढ़ सकती है।

मीन
आज दिन काफी व्यस्तता और उपलब्धियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई ज़िम्मेदारियां मिलने की संभावना है, जिनके साथ तरक्की और आर्थिक लाभ जुड़ा रहेगा। हालांकि, ऑफिस में कोई सीनियर आपकी तरक्की से ईर्ष्या कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें। बिजनस में क्लाइंट्स की डिमांड बढ़ेगी और आप नए सौदे तय कर सकते हैं।

वर्ग पहेली 5723

1	2		3	4	■	5	6
7			■	8			
9		10		■	■	11	
	■		■	12		■	■
13	14		15		■	16	17
18		■	19		20		
■	21			■	22		
23		■	24			■	■

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत की इस प्रथम महिला आई.पी.एस.अधिकारी का जन्मदिवस है (09 जून 1949)(5)
5. सिर के बाल झड़ने का रोग (2)
7. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
8. गानबंद, गायक दल (5)
9. वर्षा के समान गिरना, क्रुद्ध होना (4)
11. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
12. गेंहू, जौ आदि पौधे के डंठलों के छोटे टुकडे जो पशु भोजन के रूप में इस्ते माल होती है (2)
13. डायरी जिसमें दैनिक कार्यों का विवरण लिखा जाता है (5)
16. उम्मीद, वस्तु आदि पाने का अल्पनिश्चय (2)
18. मथुरापति कंस के मल्ल का एक नाम, भाला (3)
19. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
21. पगश्रृंगार, पायजेब (3)
22. पुनीता, पवित्रा (3)
23. दृश्य (2)
24. व्यतीत होना, फल (3)

ऊपर से नीचे
1. पुस्तक विक्रेता को यह भी कहा जाता है (3)
2. दौड़ने वाला (अंग्रेजी)(3)
3. पराया, गैर आदमी, अनजान (3)
4. दयनीय दशा या अवस्था वाला (2)
5. यह नदी गंगा की सहायक नदी है (3)
6. महान, पूज्य, मोहतरम (3)
10. अंदर भरना, गुंजाईश होना (3)
12. भूकंप, जलजला, भूडोल (3)
16. कलेवा, नाश्ता (4)
15. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
16. आने वाला, भविष्य में होने वाला (3)
17. दुर्गा, माता सरस्वती का एक नाम (3)
20. प्रवाहित होना, जल प्रवाह होना (3)

वर्ग पहेली 5722 का हल

ऑ	ल	इं	डि	या	रे	डि	यो
स्क	■	त	■	क	ज	■	ग
र	म	जा	न	■	गा	ज	■
■	ह	म	■	व	री	य	ता
त	त्व	■	अं	ली	■	कि	ला
■	पू	ज	क	■	■	श	ब
पू	र्ण	■	ब	लि	दा	न	■
जा	■	मौ	र	■	वा	■	सा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

जर्मनी में नाजियों के प्लेन हैंगर में बना है ट्रॉपिकल आइलैंड थीम पार्क

जर्मनी में बर्लिन से 50 किमी दूर यह थीम पार्क एयरशिप हैंगर के अंदर बना है। 1945 में सोवियत सेना ने नाज़ी सेना के इस हैंगर पर कब्जा कर लिया। वर्ष 2002 में मलेशियाई कंपनी तानजोंग ने इसे खरीदा और ट्रॉपिकल आइलैंड थीम पार्क (वॉटर पार्क) बनाया। 360 मीटर लंबाई, 210 मीटर चौड़ाई व 107 मीटर ऊंचाई के साथ यह दुनिया का एकमात्र हॉल है, जिसके अंदर कोई पिलर नहीं है। एक बार में 6,000 लोगों की क्षमता वाले इस थीम पार्क में 500 कर्मचारी काम करते हैं। एक साल में यहां औसतन 13 लाख लोग पहुंचते हैं। यह पार्क एक बड़े से डोम के नीचे नायाब तरीके से तैयार किया गया है। ट्रापिकल आइलैंडस नाम का यह हालीडे रिजार्ट जर्मनी की राजधानी बर्लिन से दक्षिण में करीब एक घंटे की दूरी पर स्थित है। यहां की खूबसूरती लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। फिल्हाल, यह वाटर पार्क आम लोगों के लिए फिर से खोल दिया गया है।

इस पारदर्शी बबल टैंट में रहकर निहार सकते हैं तारे

यदि आप लाखों टिमटिमाते तारों के बीच रात गुज़ारने का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो कैलिफोर्निया के जोशुआ ट्री नेशनल पार्क के पास स्थित ये बबल टैंट एक बेहतर जगह हो सकती है। प्रोपर्टी इनवेस्टमेंट और मैनेजमेंट कंपनी मरबेला लेन ने इस बबल टैंट को एक निजी ज़मीन पर लगाया है। एक बेडरूम वाले इस पारदर्शी टैंट में एक रात ठहरने का किराया 596 डालर यानि करीब 43,300 रूपये हैं।

दुनिया के वो पांच रहस्य, जो आज तक हैं अनसुलझे, वैज्ञानिक भी हैं हैरान

इस धरती पर कई ऐसी जगहें हैं, जो आज के इंसानों के लिए एक रहस्य बनी हुई हैं। उनके बारे में पता लगाने की तमाम कोशिशे हुईं, लेकिन वो ऐसे रहस्य हैं, जिन्हें सुलझाने की जितनी भी कोशिश की गई, वैज्ञानिक या पुरातत्व विभाग के लोग उतना ही उसमें उलझते चले गए। आज हम आपको ऐसे ही दुनिया के उन पांच रहस्यों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आज तक अनसुलझे ही हैं। इनमें से कुछ तो हजारों साल पुराने हैं।

अजरक ओएसिस व्हील

ये रहस्यमय आकृतियां सीरिया से लेकर जॉर्डन और सऊदी अरब तक फैली हुई हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इन आकृतियों को 8500 साल पहले बनाया गया होगा। हालांकि यह सिर्फ एक अनुमान है। इन्हें सबसे पहले साल 1927 में देखा गया था, जब ब्रिटेन के रॉयल एयरफोर्स का विमान इस इलाके से गुजर रहा था। अब इन बड़ी-बड़ी आकृतियों को क्यों बनाया गया था, यह अब तक एक रहस्य ही बना हुआ है।

गोसेक सर्किल

जर्मनी के एक छोटे से शहर गोसेक में यह अजीबोगरीब गोलाकार आकृति है। इसे सबसे पुराना ज्ञात सौर वेधशाला माना जाता है। यह आकृति करीब 250 फीट में फैली हुई है। इसे जर्मन स्टोनहेंज के नाम से भी जाना जाता है। कार्बन डेटिंग से पता चला है कि इसे करीब 4900 साल पहले बनाया गया होगा, लेकिन इसे किसने बनाया था, यह अब तक एक रहस्य ही है। पिछले कई सालों से इसको लेकर शोध चल रहे हैं।

सी ऑफ गैलिली के अंदर विशाल चट्टान

इजरायल के सी ऑफ गैलिली के अंदर हजारों छोटे-छोटे पत्थरों से बनी एक विशाल आकृति है। चट्टाननुमा यह आकृति 32 फीट ऊंची और 230 फीट व्यास की है, जिसका वजन लगभग 60 हजार टन बताया जाता है। हैरानी की बात तो ये है कि इनका निर्माण प्राकृतिक रूप से नहीं हुआ था बल्कि इन्हें बनाया गया है। माना जाता है कि यह आकृति 4000 साल पुरानी हो सकती है, लेकिन यह सिद्ध करने के लिए कोई पुख्ता सबूत नहीं हैं। पानी के अंदर इन आकृतियों को क्यों बनाया गया था, इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

नैन मडोल

ऑस्ट्रेलिया के टेमवेन द्वीप के पास हजारों साल पुरानी एक खंडहर बस्ती है, जो चारों तरफ से पानी से घिरी हुई है। इस जगह को नैन मडोल के नाम से जाना जाता है। यहां बड़े-बड़े पत्थरों को ऐसे सजाया गया है, जैसे यहां कोई रहता हो। इन पत्थरों को यहां कौन लाया और कितने साल से ये यहां पर हैं, कोई नहीं जानता। रहस्यमय होने की वजह कई लोग इस जगह को भगवान का बनाया हुआ शहर भी कहते हैं।

मेक्सिको का टियाटिहुआकन शहर

मेक्सिको में एक रहस्यमय शहर है, जिसे टियाटिहुआकन के नाम से जाना जाता है। इसकी खोज 14वीं सदी में एजटेक्स के द्वारा की गई थी। इसे प्लेस ऑफ गॉड यानी भगवान की जगह कहा जाता है। इस जगह के बारे में कहीं भी कोई लिखित प्रमाण नहीं है कि इसे किसने बनाया, कब बनाया, क्यों बनाया और यहां कौन लोग रहते थे। यह अब तक एक रहस्य ही बना हुआ है।

चीन की विशाल दीवार से जुड़े रोचक तथ्य, शायद ही जानते होंगे आप!

चीन की विशाल दीवार को कौन नहीं जानता है। यह सिर्फ चीन ही नहीं बल्कि दुनिया की भी सबसे लंबी दीवार है। यह दुनिया के सात अजूबों में शामिल है, जिसे अंग्रेजी में ग्रेट वॉल ऑफ चाइना कहते हैं। इस दीवार को बनाने के लिए ईंट, पत्थर, लकड़ी और धातुओं का इस्तेमाल किया गया है। इसी वजह से इसे दुनिया की सबसे पुरानी मिट्टी और पत्थर की बनी दीवार भी कहा जाता है।

इस दीवार की लंबाई को लेकर थोड़ी असमंजस की स्थिति है, क्योंकि साल 2009 में किए गए एक सर्वेक्षण में इसकी लंबाई 8,850 किलोमीटर बताई गई थी जबकि साल 2012 में चीन में ही किए गए एक राजकीय सर्वेक्षण के मुताबिक, चीन की दीवार की कुल लंबाई 21,196 किलोमीटर है। यह शोध चीन के एक प्रमुख समाचार पत्र शिन्हुआ में भी प्रकाशित हुआ था। इस दीवार का निर्माण किसी एक राजा ने नहीं बल्कि चीन के कई राजाओं ने अलग-अलग समय में करवाया है। इसे बनाने की शुरुआत ईसा पूर्व पांचवीं शताब्दी से हुई थी, जो 16वीं शताब्दी तक चली। इस दीवार की एक और खास बात है कि इसे बनवाने की कल्पना चीन के पहले सम्राट किन शी हुआंग ने की थी, लेकिन उसके सैकड़ों साल बाद इसका निर्माण कार्य आरंभ हुआ था। चीन के लोग इस दीवार को वान ली चैंग चेंग के नाम से जानते हैं। कहते हैं कि यह दीवार अंतरिक्ष से भी दिखती है। इस दीवार की अगर चौड़ाई की बात करें तो यह इतनी है कि इस पर एक साथ पांच घोड़े या 10 पैदल सैनिक एक साथ चल सकते हैं। कहते हैं कि इस दीवार को बनाने में करीब 20 लाख मजदूर लगे थे, जिसमें से 10 लाख लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। माना जाता है कि उन्हें दीवार के नीचे ही दफना दिया गया था। यही वजह है कि इस दीवार को दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान भी कहा जाता है। वैसे तो चीन की दीवार को देश की सुरक्षा के लिए बनाया गया था, लेकिन यह हो नहीं सका था। मंगोल शासक चंगेज खान ने वर्ष 1211 में इसे तोड़ दिया था और उसे पार कर चीन पर हमला कर दिया था। लंबी होने की वजह से इस दीवार की ऊंचाई हर जगह एक समान नहीं है। यह किसी जगह पर नौ फीट ऊंची है तो कहीं पर 35 फीट ऊंची है।

आखिर क्यों पानी में डूबा टाइटैनिक अभी तक नहीं निकाला गया बाहर?

हमारा इतिहास काफी लंबा रहा है जिसके पन्नों पर न सिर्फ अच्छे बल्कि बुरे अध्यायों को भी रेखांकित गया है। कुछ अध्याय इतने दुखद हैं कि हम चाह कर भी इसकी लिखावट को बदल नहीं सकते। किसे पता था 10 अप्रैल 1912 में इंग्लैंड के पोत से रवाना हुए टाइटैनिक का पहला समुद्री सफर आखिरी सफर होगा....किसे पता था दुनिया का सबसे बड़ा टाइटैनिक जहाज पानी में डूब जाएगा। यह इतिहास का वो दिन था जब लाखों लोगों की जिंदगी का सफर एक साथ खत्म हो जाएगा। हम आज भी जब हम इस मंजर को सोचते हैं, तो रूह कांप जाती है। हालांकि, इस घटना पर कई फिल्में बनीं, कई उपन्यास भी लिखे गए लेकिन फिल्म टाइटैनिक को काफी लोकप्रियता हासिल हुई और इस फिल्म को ऑस्कर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

मगर जब भी हम इस घटना के बारे में सुनते हैं या समझने की कोशिश करते हैं, तो कई सवाल हमारे मन में आते हैं। यकीनन आपके मन में भी आते होंगे कि आखिर टाइटैनिक जहाज डूबा कैसे और इसे अब तक बाहर क्यों नहीं निकाला गया। अगर आपका मन भी इन्हीं सवालों से परेशान हो जाता है, तो अब आप परेशान न हों क्योंकि आज हम टाइटैनिक जहाज से जुड़े रोचक तथ्यों के बारे में बात करेंगे।

टाइटैनिक जहाज का रहस्य

कितना अजीब है न टाइटैनिक जहाज जिसे दुनिया का सबसे बड़ा जहाज कहा जाता है और अपने पहले ही सफर पर यह डूब जाता है। हालांकि, इसको लेकर यह भी मिथ था कि यह दुनिया का सबसे सुरक्षित और कभी न डूबने वाला जहाज बताया गया था। यह जहाज चार दिन की यात्रा के बाद 14 अप्रैल 1912 को एक हिमशिला से टकरा कर डूब जाता है। इसमें 1,517 लोगों की मृत्यु हुई जो इतिहास की सबसे बड़ी शांतिकाल समुद्री आपदाओं में से एक है।

टाइटैनिक जहाज कौन-से समुद्र में डूबा था?

जब यह हादसा हुआ था तब टाइटैनिक जहाज 41 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से इंग्लैंड के साउथम्पटन से अमेरिका के न्यूयॉर्क की ओर बढ़ रहा था। मगर अचानक तीन घंटे के अंदर 14 और 15 अप्रैल 1912 को अटलांटिक महासागर में यह जहाज डूब गया था। इस हादसे के बाद कनाडा से 650 किलोमीटर की दूरी पर 3,843 मीटर की गहराई में जहाज दो भागों में टूट गया था और दोनों हिस्से एक दूसरे से 800 मीटर दूर हो गए थे।

टाइटैनिक जहाज में कौन बचा था?

- टाइटैनिक हादसे में करीब 1500 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद समुद्री जहाजों की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की कोशिश की जाने लगी ताकि ऐसा हादसा दोबारा न हो। समुद्री जहाजों की सुरक्षा के लिए रडार जैसे उपकरणों का इस्तेमाल शुरू किया जाने लगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक 706 लोग बच गए थे।
- टाइटैनिक जहाज को नॉर्थ आईलैंड के बेलफास्ट में 31 मार्च 1909 को 3000 लोगों की टीम ने मिलकर बनाया था।
- 31 मई 1911 को टाइटैनिक जहाज बनकर तैयार हो गया था, जिसे बनने में लगभग 26 महीने लगे थे।
- इसे बनाते वक्त लगभग 246 लोगों को चोट आई थी और दो लोगों की मृत्यु हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में पड़ोसी के घर फंदे से लटका मिला नाबालिग का शव, परिवार बोला- ये हत्या है

नोएडा एजेंसी। नोएडा से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 साल के नाबालिग का शव उसके पड़ोसी के घर पर फंदे से लटका मिला। घटना रविवार की है। बताया जा रहा है कि लड़के ने पड़ोसी के घर जाकर आत्महत्या की है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि लड़के के परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताई है और पुलिस को यह भी बताया कि दो दिन पहले ही लड़के का कुछ युवकों से झगड़ा हुआ था। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-113 के थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि सोरखा पुस्ता कॉलोनी क्षेत्र में स्थित विष्णु नगर कॉलोनी में रहने वाले तोताराम के पुत्र राघव ने रविवार को अपने पड़ोसी के मकान में पंखे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि नहीं हुई है।

उच्च न्यायालय ने गोद लेने की लंबी प्रतीक्षा अवधि का स्वतः संज्ञान लिया, अधिकारियों से जवाब मांगा

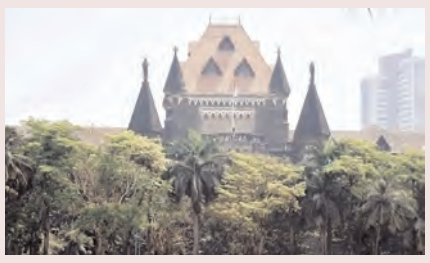

बंबई, एजेंसी। बंबई उच्च न्यायालय ने गोद लेने के मामलों में कथित देरी और लंबी प्रतीक्षा अवधि का सोमवार को स्वतः संज्ञान लिया और केंद्र तथा केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) से जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की पीठ ने कहा कि मीडिया की एक खबर में बच्चों को गोद लेने की इच्छा रखने वाले दंपतियों की शिकायतों को उजागर करने के बाद उन्हें प्राप्त पत्र के आधार पर एक जनहित याचिका शुरू की गई है। खबर के अनुसार, भारत में गोद लेने की औसत प्रतीक्षा अवधि तीन साल से अधिक हो गई है। पीठ ने मामले में वरिष्ठ वकील मिलिंद साठे और अधिवक्ता गौरव श्रीवास्तव को अदालत की सहायता के लिए 'न्याय मित्र' नियुक्त किया। न्यायाधीशों ने केंद्र और सीएआरए को अपने हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 23 जून को तय की। सीएआरए के आंकड़ों का हवाला देते हुए खबर में कहा गया है कि विभिन्न श्रेणियों के 35,000 से अधिक भावी अभिभावकों ने गोद लेने के लिए पंजीकरण कराया है, जबकि गोद लेने के लिए उपलब्ध बच्चों की संख्या लगभग 2,400 है।

प्रियंका ने कलपेट्टा में नए पासपोर्ट सेवा केंद्र का दौरा किया

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र कलपेट्टा में नये पासपोर्ट सेवा केंद्र का दौरा किया और वहां इसके संचालन की समीक्षा की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि स्थानीय पार्टी नेताओं के साथ कार्यालय पहुंची कांग्रेस महासचिव का क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी (कोझिकोड) अरुण मोहन और अन्य लोगों ने स्वागत किया। उन्होंने बताया कि अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान सांसद ने केंद्र में प्रतिदिन प्राप्त होने वाले आवेदनों की संख्या 120 तक बढ़ाने पर विचार करने का सुझाव दिया। प्रियंका गांधी ने बाद में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान नया पासपोर्ट सेवा केंद्र खुलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि यह लोगों के लिए खुला है क्योंकि यह उनके लिए बहुत सुविधाजनक होगा। यह एक मोबाइल प्रणाली भी है जो अधिक दूरदराज के इलाकों में जाती है। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विचार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र में प्रतिदिन लगभग 40 पासपोर्ट की प्रक्रिया आगे बढ़ती है और उन्हें यकीन है कि यह संख्या बढ़ेगी।

ग्रेटर नोएडा की सोसाइटी में कुत्ते के झपटने से 10 फीट नीचे गिरी महिला, रीढ़ की हड्डी टूटी

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की इको विलेज-1 सोसाइटी में सोमवार सुबह वॉक कर रही एक महिला पर पालतू कुत्ता झपट पड़ा। कुत्ते से खुद को बचाने के चक्कर में लगभग 10 फीट ऊंचे पोडियम से नीचे गिर गई। इसके चलते उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई। गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोसाइटी के एनटू टावर स्थित फ्लैट नंबर-507 में पिछले तीन वर्ष से 37 वर्षीय महिला अथर परिवार के साथ रहती हैं। उनके पति मुनीब ने बताया कि अथर सोमवार सुबह करीब 9 बजे रोजाना की तरह सोसाइटी में पोडियम पर घूम रही थीं, तभी सामने से एक महिला पालतू कुत्ते को लेकर आती हुई दिखाई दी। अथर को देखकर कुत्ता उनकी ओर भौंकते हुए काटने के लिए दौड़ा। कुत्ते को अपनी ओर आता देख अथर डर गईं और खुद को बचाने की कोशिश करने लगीं। इसी दौरान हड़बड़ाहट में वह पोडियम की रेलिंग से करीब 10 फीट नीचे आ गिरीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। सोसाइटी के लोगों ने उनको घटना की सूचना दी

और फौरन ही अथर को यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि अथर की रीढ़ की हड्डी टूट गई है। इसके चलते महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद से सोसाइटी के लोगों में कुत्तों को लापरवाही से घुमाने वालों के खिलाफ गुस्सा है।

एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि पुलिस ने पति मुनीब की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर सोसाइटी में कुत्ता लेकर जा रही आरोपी महिला मंदिरा मित्रा को हिरासत में ले लिया है। कुत्तों के लिए कोई स्थान निर्धारित नहीं = सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शर्मा का कहना है कि सोसाइटी में कुत्तों के लिए कोई स्थान निर्धारित नहीं किया गया है। पूरी सोसाइटी में पालतू कुत्ते बिना मजल के घूमते रहते हैं। कई बार कुत्तों के गले में रस्सी भी नहीं बांधी जाती है। बच्चों के खेलने वाले क्षेत्र में भी कुत्ते घूमते रहते हैं। इस संबंध में कई बार सोसाइटी में हुई बैठकों में मांग रखी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

पूरी घटना सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका 31 सेकेंड का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में एक महिला कुत्ते के साथ जाती दिखाई दे रही है। उसके हाथ में कुत्ते के गले में पड़ी रस्सी का एक छोर है। सामने से आ रही अथर की ओर कुत्ता भौंकते हुए दौड़ लगाता है। कुत्ता पालने वाली महिला उसे खींचने का प्रयास करती है, लेकिन रोकने में असफल रहती है। पोडियम से महिला के नीचे गिरने के बाद कुत्ता पालने वाली महिला और उसका कुत्ता रेलिंग से नीचे झांकते दिखाई दे रहे हैं। व्यवस्था का पालन नहीं हो रहा = सोसाइटी में व्यवस्था प्रबंधन के मुखिया मनु त्यागी का कहना है कि उन्होंने कई बार कुत्तों को घुमाने को लेकर व्यवस्था बनाई। वह जब भी व्यवस्था का पालन कराने की बात करते हैं तो उनके खिलाफ शिकायत हो जाती है। डॉग लवर्स नियमों का विरोध करते हैं। इसके चलते सोसाइटी में व्यवस्था नहीं बन पा रही है। इस घटना के बाद एक बार फिर बैठक करके व्यवस्था बनाने का प्रयास किया जाएगा।

फरीदाबाद में 10वीं क्लास की छात्रा से चलती कार में दुष्कर्म, रास्ते से अगवा कर लूटी आबरू

फरीदाबाद एजेंसी। फरीदाबाद के तिगांव थाना क्षेत्र में 10वीं क्लास में पढ़ने वाली 15 वर्षीय छात्रा के साथ चलती कार में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपियों ने शनिवार को छात्रा के स्कूल से जाते समय उसे कार में अगवा कर वारदात को अंजाम दिया। दुष्कर्म के बाद आरोपी लड़की को बीच रास्ते में कार से फेंककर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो और बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित छात्रा तिगांव थाना क्षेत्र स्थित एक सरकारी स्कूल में दसवीं क्लास में पढ़ती है। पुलिस को दी शिकायत में उसने बताया है कि शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे वह पैदल स्कूल जा रही थी। इस दौरान एक कार से आए दो युवकों ने उसे रास्ता रोककर जबरन कार में अंदर खींचकर अगवा कर लिया। फिर चलती कार में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद शोर मचाने पर उसे बीच रास्ते में कार से फेंककर फरार हो गए। वह किसी तरह घर पहुंची और घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद रविवार रात पीड़िता की मेडिकल जांच कराई। भाई को स्कूल छोड़ने के बाद जा रही थी अपने स्कूल : पुलिस के मुताबिक, 15 वर्षीय छात्रा पड़ोस के गांव के स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ती है। उसका 10 वर्षीय भाई भी यहीं के एक निजी स्कूल में पढ़ता है। लड़की ने पहले अपने भाई को उसके स्कूल में छोड़ा और फिर अपने स्कूल के लिए चल दी। इस दौरान बदमाशों ने उसे चलती कार में अगवा कर लिया और दुष्कर्म किया 7 पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि आरोपी उसे कार में घुमाते रहे। साथ ही जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ रेप करते रहे। दोपहर बाद वो मुझे गांव के पास कार से फेंककर फरार हो गए। वह किसी तरह घर पहुंची और परिवार को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिवार ने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद रविवार रात को तिगांव थाने में पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

हरियाणा में पीने के शौकीनों के लिए बुरी खबर, महंगी होगी शराब; नेशनल-स्टेट हाईवे से हटेंगे ठेके

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में शराब के शौकीनों के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को चंडीगढ़ में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए नई आबकारी नीति को मंजूरी दे दी गई है। नई आबकारी नीति लागू होने के बाद हरियाणा में अलग-अलग कैटेगिरी की शराब के दामों में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। आबकारी विभाग के सूत्रों के मुताबिक अभी स्पष्ट तौर पर कुछ तय नहीं हो पाया है लेकिन विभाग की ओर से जल्द ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। नई आबकारी नीति में विभाग की ओर से आंशिक तौर पर कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। इस नीति के तहत नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे अब पर कोई भी शराब की दुकान या ठेका नहीं खोला जा सकेगा। वहीं अहातों की फीस में भी बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा आबकारी नीति वर्ष को अब वित्त वर्ष के साथ जोड़ा जाएगा। जानकारी के मुताबिक नई आबकारी नीति 12 जून 2025 से 31 मार्च 2027 तक के लिए लागू होगी, जिसके बाद भविष्य की सभी नीतियां अप्रैल से मार्च वित्त वर्ष के अनुसार संचालित होंगी। इस नीति के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने 14,064 करोड़ रुपए के राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में आबकारी एवं कराधान विभाग ने 12,650 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 12,700 करोड़ रुपए का राजस्व पहले ही जुटा लिया है। नई पॉलिसी में तय किया है कि नेशनल और स्टेट हाईवे पर शराब के ठेकों की दुकानें दिखाई नहीं देनी चाहिए। इन ठेकों पर किसी तरह के डिस्पले बोर्ड भी नहीं लग सकेंगे। ठेकों के बाहर 'शराब पीना सेहत के लिए खतरनाक है' और 'शराब पीकर ड्राइव न करें' जैसे बोर्ड भी लगाने होंगे। इन आदेशों को ना मानने पर पहली बार में एक लाख रुपए का जुर्माना होगा। वहीं दूसरी बार में दो लाख और तीसरी बार गलती करने पर तीन लाख का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद भी अगर पॉलिसी का उल्लंघन होता है तो लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। नई आबकारी नीति के तहत ठेकों की संख्या में कोई बदलाव नहीं है। राज्य को 1200 जोन में बांटा जायेगा। वहीं बस स्टैंड, स्कूल, कॉलेज, धार्मिक स्थानों से ठेकों की दूरी अब 150 मीटर की गई है, पहले यह दूरी 75 मीटर होती थी। इस नई नीति में यह प्रावधान किया गया है कि 500 से कम आबादी वाले गांव में एक भी ठेका नहीं खोला जाएगा। इस प्रावधान से अब लगभग 700 से ज्यादा गांवों में 152 ठेके बंद हो जाएंगे। आबकारी नीति में आहते खोलने के लिए अब नियम तय किए हैं। आहतों के रेट में बढ़ोतरी भी की गई है। गुरुग्राम-फरीदाबाद में आहता खोलने का शुल्क लाइसेंस फीस का चार प्रतिशत, सोनीपत व पंचकूला में लाइसेंस फीस का 3 प्रतिशत और प्रदेश के बाकी जिलों में लाइसेंस फीस का एक प्रतिशत शुल्क देना होगा।

राजस्थान में एसआई भर्ती के भविष्य पर सस्पेंस कायम

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की चर्चित एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में पेपर लीक मामले को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने सोमवार को हुई सुनवाई में सख्त रुख अपनाते हुए सरकार को 15 मई तक भर्ती को रद्द करने या बरकरार रखने का स्पष्ट निर्णय लेने का अंतिम मौका दिया है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार समयसीमा में निर्णय नहीं लेती, तो अदालत खुद अंतिम फैसला सुनाएगी।

दरअसल, हाईकोर्ट ने 21 फरवरी को सरकार को पेपर लीक की जांच और विभिन्न संस्थाओं की सिफारिशों के आधार पर दो महीने में फैसला लेने का समय दिया था। लेकिन सोमवार को अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने बताया कि अभी तक सरकार किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है। 13 मई को प्रस्तावित कैबिनेट सब कमेटी की बैठक के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अब

और समय नहीं दिया जाएगा। मामले में ईडी ने भी जांच शुरू कर दी है।स्त आरडी रस्तोगी ने कोर्ट को बताया कि दो मुख्य आरोपियों हर्षवर्धन कुमार मीणा और राजेन्द्र यादव से पूछताछ की अनुमति अब पीएमएलए कोर्ट से मिल चुकी है। अब इस मामले में आर्थिक लेन-देन की भी जांच होगी।

गौरतलब है कि आरपीएससी ने 2021 में 859 पदों के लिए एसआई भर्ती निकाली थी। लेकिन पेपर लीक के बाद एसओजी ने जांच शुरू की और अब तक 150 से अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें 50 ट्रेनी एसआई शामिल हैं। 10 जनवरी 2024 को कोर्ट के आदेश पर फील्ड पोस्टिंग पर रोक लगा दी गई थी, जो अब भी लागू है।

याचिकाकर्ताओं की मांग है कि पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द की जाए क्योंकि एसओजी, पुलिस मुख्यालय, एडवोकेट जनरल और कैबिनेट सब कमेटी सभी इसकी सिफारिश कर चुके हैं। अब तक 86 एसआई बर्खास्त भी हो चुके हैं। दूसरी ओर, चयनित अभ्यर्थी इसे अन्याय बता रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि वे निर्दोष हैं और भर्ती रद्द हुई तो उनका कॅरियर खत्म हो जाएगा।

हिल स्टेशन या तीर्थ? माउंट आबू के नाम में बदलाव पर बवाल

माउंट आबू, एजेंसी। राजस्थान के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू का नाम बदलने की सरकारी कोशिशों ने सियासी और सामाजिक तूफान खड़ा कर दिया है। प्रस्तावित नया नाम आबू राज तीर्थ सुनते ही शहर में बवाल मच गया। सोमवार को माउंट आबू में 23 सामाजिक संगठनों ने मिलकर विरोध प्रदर्शन किया और इसे जनता की राय के बगैर थोपा गया फैसला बताया।

नाम बदलने की चर्चा अक्टूबर 2024 में नगरपालिका की बैठक में शुरू हुई थी, लेकिन असल खलबली तब मची जब 25 अप्रैल को स्थानीय स्वशासन विभाग ने नगर पालिका को एक पत्र भेजकर इस पर राय मांगी। यह पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय से हुई पिछली बातचीत और 15 अप्रैल को सांख्यिकी उप निदेशक के नोट पर आधारित था। प्रदर्शनकारी साफ कह रहे हैं कि यह बदलाव माउंट आबू की पहचान मिटा देगा। होटल एसोसिएशन के सचिव सौरभ गंगाडिया ने चेतावनी दी, नाम बदला, तो टूरिज्म तबाह होगा। बेरोजगारी बढ़ेगी, और अगर मांस-शराब पर प्रतिबंध लगा, तो सैलानी आएंगे ही क्यों? नक्की झील संघ के अध्यक्ष विकास सेठ बोले, 'आबू राज तीर्थ' नाम से भ्रम पैदा होगा कि यह सिर्फ धार्मिक स्थल है। आम पर्यटक खींचे चले आने के बजाय दूरी बनाएंगे। टाउन वेंडिंग कमेटी के एक सदस्य ने चिंता जताई कि तीर्थ स्थल घोषित होने पर सामाजिक और धार्मिक

नियम लागू होंगे, जिसे संभालना नगर पालिका के बूते से बाहर है। स्थानीय लोग दावा कर रहे हैं कि माउंट आबू के एक विधायक और एक मंत्री नाम और माहौल दोनों बदलने के पीछे सक्रिय हैं। आरोप है कि ये लोग क्षेत्र में शराब और मांस की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की योजना बना रहे हैं। खबर यह भी है कि मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते मुख्यमंत्री माउंट आबू के दौरे पर आ सकते हैं, और तब इस पर अंतिम मुहर लग सकती है। इतिहास की बात करें तो माउंट आबू का आधुनिक विकास 1830 में शुरू हुआ, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे सिरोही रियासत से लीज पर लिया और 1845 में इसे राजपूताना एजेंसी का ग्रीष्मकालीन मुख्यालय बनाया गया। आज यह हिल स्टेशन लाखों पर्यटकों की पसंद है, लेकिन नाम बदलते ही इसके भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पंजाब-हरियाणा और दिल्ली के बाद अब हिमाचल भी पानी विवाद में कूदा

शिमला, एजेंसी। पानी के बंटवारे को लेकर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के बीच मचे घमासान के बाद हिमाचल प्रदेश भी विवाद में कूद पड़ा है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सवाल उठा दिया है कि वह पानी के बदले राज्य को क्या मिल रहा है? सुक्खु ने कहा कि पानी के लिए पंजाब और हरियाणा लड़ रहे हैं, लेकिन यह उन्हें हिमाचल से मिल रहा है।

दैनिक ट्रिब्यून के मुताबिक सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान राज्यों के बीच पानी के बंटवारे का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोगों को पानी का अधिकारपूर्ण हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, पानी हिमाचल प्रदेश का सबसे कीमती पाकृतिक संसधान है। राज्य 12000 मेगावाट बिजली पैदा करता है, फिर भी हिमाचल को इसमें क्या मिला है? एसजेवीएनएल 6700 करोड़ की कंपनी बन चुकी है, लेकिन हमें यह पूछने की जरूरत है कि हिमाचल को क्या मिला? पंजाब और हरियाणा पानी पर लड़ रहे हैं, लेकिन यह हिमाचल से बह रहा है। हमें बदले में क्या मिल रहा है? पुरानी सरकार से उन्हें यह विरासत में मिली है। उन्होंने कहा, जब हमने राज्य में सरकार बनाई तो विरासत में 75 हजार करोड़ का कर्ज और कर्मचारियों के 10 हजार करोड़ बकाया था। अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए हमने मजबूत फैसले लिए। ईमानदार और पारदर्शी शासन से हमने पिछले ढाई साल में 2500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व हासिल किया। हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है।

अदम्य साहस का प्रमाण: एंटी-नक्सल ऑपरेशन में सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट घायल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर केजीएच हिल्स पर चल रहे एंटी-नक्सल ऑपरेशन के दौरान सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट सागर बोराडे आईईडी बम की चपेट में आकर बुरी तरह घायल हो गए। सागर बोराडे एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पर पैर पड़ने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद डॉक्टरों को उनका एक पैर काटना पड़ा।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 204 कोबरा बटालियन के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस ऑपरेशन में पहले एक आईईडी विस्फोट में एक जवान घायल हो गया था। टीम का नेतृत्व कर रहे सागर बोराडे ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना घायल जवान को वहां से निकालने के लिए जैसे ही कदम बढ़ाया, उनका पैर आईईडी बम पर पड़ गया। इसके चलते उनके बाएं पैर में गंभीर चोट आई। उन्हें तुरंत रायपुर ले जाया गया और बाद में एयरलिफ्ट करके दिल्ली एम्स ले जाया गया, जहां इन्फेक्शन को फैलने से रोकने के लिए उनके बाएं पैर को काटना पड़ा।

फिलहाल असिस्टेंट कमांडेंट सागर बोराडे की हालत स्थिर बताई जा रही है और वह डॉक्टरों की गहन निगरानी में हैं। उनकी बहादुरी, नेतृत्व और कर्तव्य की भावना भारत के सुरक्षा बलों की अदम्य भावना का एक शानदार उदाहरण है।

केजीएच हिल्स में सुरक्षा बलों का ऑपरेशन अब भी जारी है। सुरक्षा बल इन अत्यधिक खतरनाक और आईईडी से भरे जंगलों में नक्सली ठिकानों की तलाश कर रहे हैं।

मार्च 2026 तक नक्सलवाद को देश से पूरी तरह खत्म करने के प्रयास में सुरक्षा बल छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर गहन नक्सल विरोधी अभियान चला रहे हैं। यह ऑपरेशन 2

सप्ताह से चल रहा है। 29 अप्रैल को, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षा बलों को धन्यवाद दिया। साय ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हम सभी विभागों की समीक्षा बैठकें करते रहते हैं। मैंने अभी छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर चल रहे सबसे बड़े नक्सली अभियान के बारे में जानकारी ली है। हम वहां की स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षा बलों को धन्यवाद देना चाहते हैं।

यह ऑपरेशन छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर के पास 800 वर्ग किलोमीटर के बड़े क्षेत्र में चलाया जा रहा है, जिसमें करेगुट्टा पहाड़ियां भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ और केंद्रीय बलों के 24,000 से ज्यादा जवान इस ऑपरेशन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हिस्सा ले रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि केजीएच हिल्स कई मोस्ट-वांटेड नक्सली नेताओं का ठिकाना है, और यह इलाका घने जंगलों से घिरा हुआ है और यहां जमीन में भारी मात्रा में घातक आईईडी छुपे हुए हैं।

न्यूज एजेंसी भाषा के अनुसार, छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने एक गांव के उप सरपंच की हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेनपल्ली गांव में सोमवार को नक्सलियों ने तारलागुड़ा गांव के उप सरपंच मुचाकी रामा की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि रामा बेनपल्ली गांव के निवासी थे तथा वह तारलागुड़ा गांव में उप सरपंच थे। पुलिस के मुताबिक सोमवार को दोपहर बाद लगभग 3 बजे हथियारबंद नक्सली बेनपल्ली गांव पहुंचे और उन्होंने रामा को बुलाया और उनकी हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को जब घटना की सूचना मिली तब पुलिस टीम को बेनपल्ली गांव रवाना किया गया तथा शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने हमलावरों की खोज शुरू कर दी है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

यह मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था

विराट कोहली ने खुश रहने के लिए कप्तानी छोड़ी

बेंगलुरु, एजेंसी। लगभग एक दशक तक भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का नेतृत्व करने और उनकी बल्लेबाजी पर रखी जा रही कड़ी निगरानी के बाद विराट कोहली ने सोचा कि अब बहुत हो गया और उन्होंने जिंदगी में खुश रहने के लिए आखिर में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। कोहली ने 2021 में विश्व कप के बाद टी20 कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने आरसीबी की कप्तानी भी छोड़ दी। इसके एक साल बाद, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी।

कोहली ने कहा कि वह अपने करियर में एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए थे जहां लगातार ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो गया था। कोहली ने 'आरसीबी बोल्ड डायरीज पॉडकास्ट में कहा, 'एक समय ऐसा आया जबकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था क्योंकि मेरे करियर में काफी कुछ घटित हो रहा था। मैं सात आठ साल से भारत की कप्तानी कर रहा था। मैंने 9 साल तक आरसीबी की कप्तानी की।

मैं जो भी मैच खेलता उसमें बल्लेबाजी में मुझसे काफी उम्मीद की जाती थी। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात का एहसास ही नहीं था कि मैं ध्यान केंद्रित करने के लिए संघर्ष कर रहा हूं। अगर कप्तानी में ऐसा नहीं होता तो बल्लेबाजी में ऐसा हो रहा था। मैं हर समय इसके बारे में सोचता था। यह मेरे लिए काफी मुश्किल हो गया था और आखिर में यह मुझ पर बहुत अधिक हावी हो गया था। कोहली ने 2022 में क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लिया था और उस दौरान बल्ला नहीं छुआ था। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया था जबकि वह सार्वजनिक जीवन में खुश रहने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इस स्टार बल्लेबाज ने कहा, 'इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ दी क्योंकि मुझे लगा अगर मुझे इस खेल में बने रहना है तो उसके लिए मेरा खुश रहना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'मुझे अपने जीवन में एक ऐसी जगह की जरूरत थी जहां मैं सहज होकर रह सकूं और अपना क्रिकेट खेल सकूं, बिना किसी आलोचना के, बिना यह देखे कि आप इस सत्र में क्या करने जा रहे हैं और आगे क्या होने वाला है।

भारत को अंडर-19 विश्व कप में खिताबी जीत दिलाने से किसी को सीनियर टीम में सहज प्रवेश की गारंटी नहीं मिलती है और कोहली ने कहा कि यह उनका दृढ़ संकल्प और तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और कोच गैरी कर्स्टन का समर्थन था, जिसने उन्हें टीम में नंबर तीन बल्लेबाजी स्थान सुरक्षित करने में मदद की। कोहली ने कहा, 'मैं अपनी क्षमता को लेकर बहुत यथार्थवादी था क्योंकि मैंने कई अन्य लोगों को खेलते हुए देखा था। मुझे ऐसा नहीं लगा कि मेरा खेल कहीं भी उनके करीब था। मेरे पास केवल दृढ़ संकल्प था।

अगर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता था, तो मैं कुछ भी करने को तैयार था। उन्होंने कहा, 'यही कारण था कि मुझे शुरुआत में भारत के लिए खेलने का मौका मिला। गैरी (कर्स्टन) और एमएस (धोनी) ने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि तीसरे नंबर पर मेरी जगह पक्की है।

कोहली ने कहा कि इन दोनों ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, 'इन दोनों ने मुझसे कहा आप मैदान पर जो भी करते हैं, आपकी ऊर्जा, आपकी प्रतिबद्धता, वह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। हम चाहते हैं कि आप अपना स्वाभाविक खेल खेलें। कोहली ने कहा, 'मुझे कभी पूर्ण मैच विजेता के रूप में नहीं देखा गया जो कहीं से भी खेल का रुख बदल सकता है। लेकिन मेरे पास यह बात थी कि मैं हार नहीं मानने वाला हूं। इसी बात का उन्होंने समर्थन किया।

शुभमन गिल के साथ खेलना मेरे क्रिकेट करियर के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा है : साई सुदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने माना है कि जीटी के कप्तान शुभमन गिल के साथ बीते 3 वर्ष उनके लिए खास रहे। उन्होंने ये भी कहा कि गिल के साथ खेलते हुए उनके खेल में निखार आया। आईपीएल 2025 में सुदर्शन शानदार लय में नजर आए हैं। इस सीजन में उन्होंने 10 मैचों में 504 रन बनाए, उनके बल्ले से पांच अर्धशतक भी निकले। अपनी बल्लेबाजी के दम पर जीटी प्लेऑफ की रेस में काफी आगे चल रही है। सुदर्शन ने जियो हॉटस्टार के जेन बोल्ड पर कहा कि बीते तीन वर्षों में मुझे कभी भी बल्लेबाजी के दौरान कोई परेशानी हुई तो मैंने हमेशा गिल से बातचीत की। वह बहुत अच्छे कप्तान हैं और मुझे लगता है कि वह समझते हैं कि खिलाड़ी को क्या चाहिए। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो मुश्किलों का सामना कर रहे खिलाड़ियों को मौका देते हैं। हमने मैदान पर भी बहुत अच्छा वक्त बिताया। उम्मीद है कि हम इस सीजन में भी प्यारी यादें बनाएंगे। ऑरेंज कैप को लेकर उन्होंने कहा कि देखिए, यह एक प्रक्रिया है, जब आप रन बनाते हैं तो आप ऊपर की ओर जाते हैं। मैं समझता हूं मेरा ध्यान ऑरेंज कैप पर नहीं, बल्कि मेरा ध्यान अपनी टीम के लिए अहम योगदान देने पर केंद्रित है। अगर आप अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। अगर आप ऑरेंज कैप के बारे में सोचते हैं, तो मुझे लगता है कि आपकी क्षमता कम हो जाती है। आप खुद को थोड़ा और सीमित कर लेते हैं क्योंकि व्यक्तिगत प्राथमिकताएं टीम की प्राथमिकताओं से आगे आ जाती हैं। साई सुदर्शन ने कहा कि मेरे ऊपर फ्रैंचाइजी ने जिस प्रकार से भरोसा दिखाया है, मैं उनका धन्यवाद करना चाहता हूं। आशीष नेहरा और सभी सहयोगी कर्मचारियों और टीम का धन्यवाद। फ्रैंचाइजी ने मुझ पर पहले साल से ही भरोसा किया। क्योंकि आप जहां भी जाते हैं, जिस भी टीम के लिए खेलते हैं, जब आपको सम्मान दिया जाता है तो वह आपकी जिम्मेदारी को बढ़ाता है।

19वें वर्ल्ड ट्विंस फेस्टिवल में भारतीय जुड़वां प्रतिभाओं ने मचाई धूम, भोपाल के ट्विंस क्लब ने बढ़ाया मान

मोजियांग/युन्नान, एजेंसी। भारत की संस्कृति, रंग और रचनात्मकता का अद्भुत संगम चीन के युन्नान प्रांत में देखने को मिला, जब भोपाल के प्रतिष्ठित ट्विंस क्लब भोपाल ने 19वें इंटरनेशनल ट्विंस फेस्टिवल-2025, चीन में हिस्सा लेकर भारत का नाम रोशन किया। भारत की संस्कृति, रंग और रचनात्मकता का अद्भुत संगम चीन के युन्नान प्रांत में देखने को मिला, जब भोपाल के प्रतिष्ठित ट्विंस क्लब भोपाल ने 19वें इंटरनेशनल ट्विंस फेस्टिवल-2025, चीन में हिस्सा लेकर भारत का नाम रोशन किया। 30 अप्रैल से 4 मई तक चले इस वैश्विक आयोजन में क्लब के 10 जुड़वां प्रतिभागियों ने अपने अनूठे प्रदर्शन से न सिर्फ सभी का ध्यान खींचा, बल्कि भारतीय संस्कृति की छाप भी पूरे फेस्टिवल में छोड़ दी।

भारतीय प्रतिभागियों की शानदार भागीदारी इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत की ओर से शामिल हुए प्रतिभागी थे -

अभिषेक-अनुज खरे,
ओनी-ओनस मल्होत्रा,
ऋद्धि-सिद्धि सातपुते,
मंजरी-मयूरी अरोरा,
नित्य-निश्चय खडोदे।

इन सभी ने भारतीय परंपराओं, वेशभूषा, नृत्य और संवाद के जरिए विश्व समुदाय के समक्ष भारतीयता की गौरवगाथा प्रस्तुत की।

ट्विंस बिकम द ब्रिज एक्रॉस कलचर - संस्कृति सेतु बने जुड़वां

इस वर्ष के फेस्टिवल की थीम ट्विंस बिकम द ब्रिज एक्रॉस कलचर पर आधारित थी। कार्यक्रम में अमेरिका, इंग्लैंड, मलेशिया, नाइजीरिया, घाना, युगांडा, नेपाल, श्रीलंका सहित 20 देशों के 200 से अधिक विदेशी जुड़वां प्रतिभागी और चीन के 500 ट्विंस शामिल हुए।

रोहित का इस्तेमाल इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर क्यों हो रहा, मुख्य कोच जयवर्धने ने खोला राज

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने सोमवार को कहा कि रोहित शर्मा को 'इम्पैक्ट सब्स्टिट्यूट के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला पहले से तय नहीं था और ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि टीम को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत महसूस हुई जो गेंदबाजी के साथ क्षेत्ररक्षण में बेहतरीन हो।

जयवर्धने ने बताया कि रोहित चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के विजयी अभियान के दौरान मामूली रूप से चोटिल हुए थे और टीम उनकी चोट को बढ़ने नहीं देना चाहती है। उन्होंने कहा, 'ऐसा सत्र की शुरुआत में नहीं था। जाहिर है रो (रोहित) कुछ मैचों के दौरान मैदान पर उतरे थे। श्रीलंका के इस पूर्व कप्तान ने मुंबई इंडियंस के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, 'आप अगर टीम की संरचना को देखें, तो अधिकांश खिलाड़ी दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। उनमें से कुछ ऐसे गेंदबाज है जिसकी जरूरत बाउंड्री के पास क्षेत्ररक्षण के लिए होती है। आपको क्षेत्ररक्षण के लिए

भी तेज दौड़ने वाले खिलाड़ियों की जरूरत होती है। रोहित चैंपियंस ट्रॉफी से मामूली तौर पर चोटिल थे, इसलिए हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम उन पर ज्यादा दबाव न डालें। हम ऐसा करने में कामयाब रहे। हमारे लिए उनकी बल्लेबाजी सबसे महत्वपूर्ण चीज है। जयवर्धने ने कहा कि रोहित ने मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह टीम के लिए 'अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा, 'आपने देखा होगा कि वह हमेशा डगआउट में मौजूद रहते हैं। वह टाइम आउट के दौरान मैदान में जाकर खिलाड़ियों से बातचीत करते हैं।

वह टीम में काफी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। जयवर्धने ने स्वीकार किया कि रोहित और रयान रिकेल्टन की सलामी जोड़ी के रूप में सफलता से टीम को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, 'सलामी जोड़ी किसी भी टीम की पारी को स्थापित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारे पास जिस तरह की बल्लेबाजी लाइनअप है उस में हम अच्छी शुरुआत मिलने पर शानदार तरीके से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'रोहित ने पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा बड़ी पारियां नहीं खेली है लेकिन वह टीम को तेज शुरुआत दिलाकर प्रभावी बल्लेबाजी कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल ने जीते 33 मेडल

शिमला, एजेंसी। 68वीं राष्ट्रीय स्कूल खेलों के बॉक्सिंग के दिल्ली में हुई। इसमें हिमाचल के अंडर-19 वर्ग में बॉक्सरों ने 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते। दिल्ली में बॉक्सिंग के मुकाबले हुए। स्कूलों की 68वीं राष्ट्रीय खेलों में हिमाचल के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। इन खेलों में हिमाचल के छात्र खिलाड़ियों ने अंडर-17 और अंडर-19 की हुई प्रतियोगिताओं में 33 मेडल जीते। इनमें तीन स्वर्ण पदक और छह रजत और 24 कांस्य पदक जीत कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। 68वीं राष्ट्रीय स्कूल खेलों के बॉक्सिंग के दिल्ली में हुई। इसमें हिमाचल के अंडर-19 वर्ग में बॉक्सरों ने 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते।

दिल्ली में बॉक्सिंग के मुकाबले हुए। अंडर-19 में ध्रुव ने 91+ किलोग्राम में रजत पदक, वरुण वर्मा 56 किलोग्राम में रजत, साहिल कुमार ने 46 किलोग्राम में तुषार ने 60 किलोग्राम में, लड़कियों में विभूति नेगी 57 किलोग्राम और सानिया राणा 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। स्कूलों की 68वीं राष्ट्रीय खेलों में हिमाचल के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार

रहा। इन खेलों में हिमाचल के छात्र खिलाड़ियों ने अंडर-17 और अंडर-19 की हुई प्रतियोगिताओं में 33 मेडल जीते। इनमें तीन स्वर्ण पदक और छह रजत और 24 कांस्य पदक जीत कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। 68वीं राष्ट्रीय स्कूल खेलों के बॉक्सिंग के दिल्ली में हुई। इसमें हिमाचल के अंडर-19 वर्ग में बॉक्सरों ने 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते। दिल्ली में बॉक्सिंग के मुकाबले हुए। अंडर-19 में ध्रुव ने 91+ किलोग्राम में रजत पदक, वरुण वर्मा 56 किलोग्राम में रजत, साहिल कुमार ने 46 किलोग्राम में तुषार ने 60 किलोग्राम में, लड़कियों में विभूति नेगी 57 किलोग्राम और सानिया राणा 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। पदक जीतने के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और स्कूली क्रीड़ा संगठन के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

इन खिलाड़ियों ने जीते मेडल

स्कूली नेशनल में पदक विजेता खिलाड़ियों में कुश्ती में सोलन के लोधीमाजरा स्कूल की प्रेमा मेहता, पंजेहरा की हर्षिता, लोधी माजरा के यादविंद्र, हमीरपुर ब्लू स्टार के रजत कुमार, रिसा मंडी के रोहित राव, सुंदरनगर मंडी जीबीएसएएसएस की श्रेया वीर यादव, कावेरी स्कूल धनोटू मंडी के शौर्यवीर चौधरी, ताइक्वांडो में डीएवी दरकोटी हमीरपुर की सृष्टि ठाकुर, बॉक्सिंग में किन्नौर के कल्पा स्कूल के हर्षित कुमार, ब्लू स्टार हमीरपुर के निखिल कुमार, जिला कांगड़ा की सुजल, मंडी के राजगढ़ स्कूल की मोनिका शर्मा, सांजी मंडी के ध्रुव, ऊना के पीएसएसएस पक्का परोह के वरुण शर्मा, बॉयज स्कूल बिलासपुर के साहिल, बॉयज स्कूल सुंदरनगर के तुषार, उर्नी स्कूल किन्नौर की विभूति नेगी, शिमला के गर्ल्स स्कूल पोर्टमोर की सानिया राणा ने मेडल जीता है। जूडो में ब्लू स्टार स्कूल हमीरपुर की कृतिका, हमीरपुर के कुठेड़ा स्कूल की अंकिता ठाकुर ने मेडल जीता।

कराश में गर्ल्स स्कूल सोलन की दीपांशी धूली, देवठी सोलन के गौरव शर्मा, चंबा के कुशनगरी स्कूल के आदित्य ठाकुर, शिमला के देहा स्कूल के अर्व हिमटा, कुल्लू के साई स्टार स्कूल के आर्यन, सोलन धर्मपुर की तानिया सेनी, हमीरपुर के कांगू स्कूल के अक्षित ठाकुर, सोलन के देवठी स्कूल की याशिका, डीएवी एसएसएस ऊना के सार्थक मंडी के धवाल स्कूल के सिद्धार्थ ठाकुर ने मेडल जीता। आर्टिस्टिक योगा के नेशनल में सुपर मेगनेट पीएस हमीरपुर की निधि डोगरा ने मेडल जीता है। टीम इवेंट में हिमाचल ने हॉकी अंडर -17 गर्ल्स और हैंडबाल अंडर-19 गर्ल्स में मेडल जीत का प्रदेश का मान बढ़ाया है।

GT के निदेशक बोले- सभी प्रक्रियाओं का पालन किया गया

रबादा आईपीएल में वापसी के लिए तैयार

मुंबई, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के कागिसो रबादा एक महीने के निलंबन के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी के लिए तैयार हैं और फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज के मनोरंजन के लिए प्रतिबंधित दवा के उपयोग से संबंधित सभी प्रक्रियाओं का 'अक्षरशः पालन किया जा रहा है। इस साल जनवरी में एसए20 टूर्नामेंट में एमआई केपटाउन के लिए खेलते समय मनोरंजन के लिए इस्तेमाल होने वाली प्रतिबंधित दवा के उपयोग के लिए रबादा को एक महीने के लिए निलंबित किया गया था। उन्हें एक अप्रैल को परीक्षण में विफल होने के बारे में सूचित किया गया था और दो दिन बाद टाइटन्स ने घोषणा की कि रबादा 'व्यक्तिगत कारणों से स्वदेश लौट गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका ड्रगरहित खेल संस्थान (एसएआईडीएस) ने सोमवार को कहा कि रबादा ने 'मादक पदार्थ दुरुपयोग उपचार कार्यक्रम पूरा कर लिया है जिससे वह आईपीएल में भाग लेने के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोलंकी ने वानखेड़े स्टेडियम में टाइटन्स के ट्रेनिंग सत्र के दौरान कहा, 'जहां तक कल के मैच का सवाल है, तथ्य यह है कि पिछले एक महीने में लिए गए सभी निर्णयों और जो कुछ भी हुआ है उसे देखते हुए, वह अब उपलब्ध है।

उन्होंने कहा, 'कागिसो ने फैसले में त्रुटि पर खेद व्यक्त किया है लेकिन वह अपने पसंदीदा खेल को फिर से खेलने के लिए बहुत उत्सुक है। वह इससे सबक लेगा और हम उसे अभ्यास में वापस लाने के लिए उत्सुक हैं। सोलंकी ने कहा कि इस मामले में संबंधित पक्षों द्वारा सभी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था क्योंकि 29 वर्षीय रबादा ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले से पहले गुजरात टाइटन्स के साथ ट्रेनिंग की।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 के टिकटों की बिक्री शुरू

बंगलूरू, एजेंसी। आयोजकों की विज्ञप्ति के मुताबिक, टिकट 199 रुपये से 9,999 रुपये की रेंज में उपलब्ध है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 44,999 रुपये की कीमत वाले पांच कॉर्पोरेट बॉक्स भी उपलब्ध हैं। नीरज चोपड़ा क्लासिक के टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। आयोजकों ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इस प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा, थॉमस रोहलर और एंडरसन पीटर्स सहित कई ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी भाग लेंगे। यह भारत में होने वाली भाला फेंक की पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। 24

मई से बेंगलुरु में एनसी क्लासिक टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। आयोजकों की विज्ञप्ति के मुताबिक टिकट 199 रुपये से 9,999 रुपये की रेंज में उपलब्ध है। जोमैटो इस प्रतियोगिता का आधिकारिक टिकट भागीदार है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 44,999 रुपये की कीमत वाले पांच कॉर्पोरेट बॉक्स भी उपलब्ध हैं। कर्नाटक ओलंपिक संघ (केओए) और युवा सशक्तिकरण और खेल विभाग (डीवाईईएस) सहित राज्य संघ और सरकारी निकाय विश्व स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

बंगलूरू में ही क्यों हो रही प्रतियोगिता?

नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलूरू के कांतिरावा स्टेडियम में होगा। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है यानी यह प्रतियोगिता विश्व में एथलेटिक्स की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता प्राप्त है जिसने इसे गोल्ड लेवल का दर्जा दिया है। नीरज ने कहा, मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स 600 लक्स चाहती थी, लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए हमने प्रतियोगिता को बंगलूरू के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। हमारे पास वहां एक टीम है और वहां इसका आयोजन करना बहुत आसान होगा।

कई दिग्गज लेंगे हिस्सा

इस कार्यक्रम का आयोजन नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा। इसमें शीर्ष वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। पीटर्स ने 2024 पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और रोहलर के अलावा केन्या के जूलियस येगो (2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता और 2015 विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने भी भागीदारी की पुष्टि की है। इसके अलावा एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन और उभरते श्रीलंकाई रुमेश पथिरेज भी विदेशी सितारों में शामिल होंगे।

न्यूज बाइट्स

फूफा ने नाबालिग भतीजी को घुमाने के बहाने भगाया

बारूण (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले के बारुण थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहाँ एक फूफा ने अपनी नाबालिग भतीजी को बाजार घुमाने के बहाने घर से भगाकर रिश्ते की मर्यादा को तार-तार कर दिया। घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने बारुण थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। मामले में पुलिस तेजी से कार्रवाई में जुटी है। जानकारी के अनुसार, आरोपी फूफा अपनी ससुराल आया हुआ था और उसी दौरान उसने अपनी पत्नी की नाबालिग भतीजी को बाजार घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया, लेकिन काफी देर बीत जाने के बाद भी जब दोनों वापस नहीं लौटे, तो परिजन चिंतित हो उठे और काफी खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला। अंततः परिजन थाने पहुंचे और फूफा पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष रामएकबाल यादव ने बताया कि प्राथमिकी के आधार पर संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है और पुलिस पूरी कोशिश कर रही है कि जल्द से जल्द नाबालिग की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी की जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस पूरी सतर्कता और तेजी से जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज के कियाखाप गांव में शुक्रवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से नागेश्वर यादव उर्फ छन्नू यादव की पत्नी कुसुम देवी की मौत हो गई थी। इस मामले में मृतका के पति नागेश्वर यादव उर्फ छन्नू यादव ने प्राथमिकी दर्ज किया। उल्लेख किया कि घटना के दिन मेरी पत्नी अपने साइड से घर आ रही थी। रफीगंज की ओर से शिवगंज की तरफ जा रही अज्ञात चार पहिया वाहन ने विपरीत साइड में जाकर चालक द्वारा लापरवाही एवं तेज गति से टक्कर मार दिया गया। जिससे मेरी पत्नी की मौत हो गई। रफीगंज थाना अध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

नाबालिग पुत्री के लापता होने पर मां ने कराई प्राथमिकी दर्ज

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिक के लापता होने का मामला में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में इसकी मां ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें उल्लेख किया कि अपने घर से निकालकर बिना बताए कहीं चली गई।जिसके बाद हम लोग द्वारा आसपास एवं अपने परिजनों के बीच पता किया गया। वह नहीं मिली। इस संबंध में थानाध्यक्ष शम्भू कुमार ने बताया कि कांड संख्या 105 /24 मामले में प्राथमिकी दर्ज किया गया था, आरोपी नगर थाना अंतर्गत रामाबांद निवासी लखन ठाकुर के पुत्र रविश कुमार को उसके घर से ही बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

दो वर्ष पूर्व हुए हत्याकांड का सफल उद्भेदन, दो अभियुक्त गिरफ्तार

- घटना 31 मार्च 2023 को हुई थी, जिसमें अज्ञात अपराधियों द्वारा हत्या की गई थी।

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज के कासमा थाना क्षेत्र से सामने आई है, जहाँ दो साल पहले हुए एक हत्या कांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसडीपीओ मदनपुर अमित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 मार्च 2023 को कासमा थाना क्षेत्र के पिछुलिया गांव निवासी ब्रह्मदेव भुईया की अज्ञात अपराधियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक के पुत्र महेंद्र रिक्यासन के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की एकमात्र चश्मदीद गवाह मृतक की पोती थी, जिसका 164 के तहत न्यायालय में बयान भी दर्ज कराया गया था। घटना के लंबे समय तक सुलझ न पाने के कारण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष एसआईटी टीम का गठन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2, सदर औरंगाबाद के नेतृत्व में किया गया। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए बिरेन्द्र भुईया और उसके ममेरे भाई रंजीत मुईया को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि बिरेन्द्र भुईया के पिता की मौत चेचक के कारण हुई थी, लेकिन उन्हें शक था कि यह मौत झाड़-फूंक और जादू-टोना के चलते हुई है, जिसमें उनका मानना था कि ब्रह्मदेव भुईया का हाथ है। इसी शक में दोनों आरोपियों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकारोक्ति बयान में इस बात की पुष्टि की है। छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष कासमा इमरान आलम, सअनि शेख शेरे अली, सअनि किशोरी साह, सिपाही मनीष कुमार, गोविन्द सिंह कुशवाहा, विजय कुमार एवं सशस्त्र बल कासमा थाना के जवान शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से गांव में चर्चा का माहौल है और वर्षों से लंबित इस मामले में अब न्याय की उम्मीद जगी है।

हत्या मामले का आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | रफीगंज(औरंगाबाद)

रफीगंज पुलिस ने बहू की हत्या के मामले में नामजद अभियुक्त पोगर गांव निवासी स्वर्गीय कारु चौधरी के 42 वर्षीय पुत्र विजय चौधरी को गिरफ्तार किया। घटना के संबंध में मृतिका के पिता रोहतास जिला के बिक्रमगंज खैरा भूधर गांव निवासी संतोष पासी ने 23 मार्च 2025 को प्राथमिकी दर्ज किया था। उल्लेख किया था कि मेरी पुत्री मृतिका रेखा कुमारी का 7 जुलाई 2024 को रफीगंज थाना क्षेत्र के पोगर गांव निवासी विजय चौधरी के पुत्र सुरदीप चौधरी के साथ शादी हुयी थी। शादी के समय अपनी बेटी के नाम से एक बाइक तथा अन्य सामान एवं एक लाख रूपया उपहार के तौर पर दिए थे। शादी के 1 महीने बाद मेरी लड़की को ससुराल पक्ष के लोग मारपीट करने लगे। 23 मार्च 2025 की मेरी बेटी से बात हुई तो मेरी बेटी ने बताई कि मेरे ससुराल के लोग दहेज के लिए मारपीट कर रहे हैं फिर थोड़ी देर बाद मेरी बेटी के भैसुर बताते हैं की रेखा देवी की मृत्यु हो गई । जब मैं अपने परिवार के साथ मिलकर आये तो देखा कि घर में कोई भी व्यक्ति नहीं है तथा मेरी बेटी रेखा कुमारी का शव भी पता नहीं चला। इस रफीगंज थाना अध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी अभियुक्त विजय चौधरी को गिरफ्तार किया गया। पूर्व में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। प्राथमिकी में 6 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।

10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी पर खनन विभाग के साथ समीक्षा बैठक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव तान्या पटेल ने आगामी 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में खनन विभाग के पदाधिकारियों के साथ प्रकोष्ठ में समीक्षा बैठक की। बैठक में अब तक की गई तैयारियों, खासकर खनन से जुड़े सुलह योग्य वादों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सचिव ने निर्देश दिया कि जिन वादों में पक्षकारों द्वारा सुलह शुल्क जमा कर दिया गया है, उनकी सूची और विवरणी तैयार रखी जाए। राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन गठित पीठ के समक्ष खनन विभाग के पदाधिकारी आवश्यक रूप से उपस्थित रहें, ताकि वादों का शीघ्र और बाधारहित निस्तारण हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई पक्षकार अदालत के दिन शुल्क जमा कर निपटारा कराना चाहे, तो उसके लिए भी व्यवस्था सुनिश्चित हो।

समीक्षा के दौरान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री लाल बिहारी पासवान ने निर्देशित किया कि जिन न्यायालयों में खनन से जुड़े वाद लंबित हैं, वे तुरंत वादों को चिन्हित कर उनकी सूची उपलब्ध कराएं। इससे राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन पक्षकारों के मामलों के निस्तारण में किसी तरह की बाधा उत्पन्न नहीं होगी और उनके वाद सरलता से निष्पादित किए जा सकेंगे।

80 वर्षीय वृद्ध को गाड़ी ने मारी टक्कर, घायल, रेफर

औरंगाबाद (एसवीवी सं)। शहर के दानी बिगहा पार्क के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने न केवल एक बुजुर्ग की जिंदगी को झकझोर दिया, बल्कि सड़क सुरक्षा की जमीनी हकीकत को भी उजागर कर दिया। 80 वर्षीय जीतू पासवान, जो पेट दर्द की दवा लेने करमा रोड स्थित मेडिकल दुकान जा रहे थे, लौटते वक्त एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गए। वृद्ध सड़क किनारे पैदल चल रहे थे, जब अचानक पीछे से आई तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें बुरी तरह रौंद दिया और चालक मौके से वाहन समेत फरार हो गया। हादसे के बाद वृद्ध मौके पर ही अचेत हो गए। वहां मौजूद लोगों ने तुरंत सहायता के लिए दौड़ लगाई, लेकिन चालक वाहन को भगा ले जाने में सफल रहा। कुछ स्थानीय युवकों ने वाहन को पकड़ने का प्रयास किया, पर वह नाकाम रहे। घटना स्थल के पास से गुजर रहे जीतू पासवान के ही मोहल्ले के निवासी तपेश्वर पासवान, जो अपनी ससुराल से लौट रहे थे, उन्होंने सड़क किन भीड़ देखी और रुक गए। घायल की पहचान होते ही उन्होंने तत्काल परिजनों को खबर दी और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सदर अस्पताल पहुंचाया।डॉक्टरों ने तत्काल प्राथमिक उपचार किया, पर वृद्ध की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें गया मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों ने तुरंत एंबुलेंस के जरिए गया रेफर कर दिया।

पर्यटन सचिव को विष्णुधाम आयोजन समिति ने किया सम्मानित, धाम के विकास को लेकर रखी कई मांगें

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मंगलवार को बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह को पटना स्थित पुराने सचिवालय में विष्णुधाम महोत्सव आयोजन समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सम्मानित किया। इस दौरान एनडीटीवी के राज्य ब्यूरो प्रमुख व जम्होर निवासी प्रभाकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। समिति के अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सचिव को अंगवस्त्र, विष्णु जी की मूर्ति का प्रतीक चिह्न और बुके भेंट किया।

अजीत कुमार सिंह ने पुनपुन संगम स्थल पर स्थित विष्णुधाम की पौराणिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रथम पिंडदान, अक्षय तृतीया, कार्तिक पूर्णिमा और पितृपक्ष मेला के समय यात्रियों के ठहराव के लिए अनुग्रह नारायण रोड पुनपुन हॉल्ट के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सामुदायिक भवन, यात्री निवास, पेयजल, संगम स्थल का सौंदर्यीकरण, सड़कों की मरम्मत, डीलक्स शौचालय और पुष्प वाटिका जैसी सुविधाओं की स्वीकृति हेतु सचिव से अनुरोध किया।

सचिव ने पूछा कि क्या यह स्थल धार्मिक न्यास परिषद से निबंधित है, जिस पर समिति ने सहमति जताई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सुमन कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह बबलू और प्रेमजीत सिंह ने सचिव से विष्णुधाम स्थल पर आने का निमंत्रण दिया और महोत्सव की राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 15 लाख करने की मांग की। सचिव ने सभी बिंदुओं पर विचार का आश्वासन दिया।

विष्णुधाम में धूमधाम से मनी जानकी नवमी

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

औरंगाबाद सदर प्रखंड के जम्होर स्थित विष्णुधाम में मंगलवार को अशोक वृक्ष के नीचे जानकी नवमी धूमधाम से मनाते हुए माता जानकी को याद किया गया। इस दौरान माता जानकी के जीवन पर आधारित विचार संवाद का आयोजन किया गया। उनके द्वारा किए गए त्याग संघर्ष की कहानी का वर्णन किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विष्णु धाम के महंत बालकानंद ब्रह्मचारी की गरिमामई उपस्थिति रही। महंत को अंग वस्त्र, धार्मिक पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रढुआ निवासी समाजसेवी मधुसूदन त्रिवेदी ने कहा कि विष्णुधाम का यह जानकी अशोक वृक्ष अत्यंत ही दुर्लभ धरोहर है। माता जानकी के जीवन वृत्त पर चर्चा करते हुए उनके द्वारा गाए गए गौरी स्तुति जय जय गिरिराज किशोरी जय महेश मुख चंद्र चकोरी गीत को सुरेश विद्यार्थी ने गाया। कहा कि मां जानकी नारी सशक्तिकरण की आदर्श हैं।

करंट लगने से महिला की मौत

निज संवाददाता | पटना

पटना के बिहटा में भैंस चराने गई एक महिला की बिजली के करंट से मौत हो गई। घटना आईआईटी थाना क्षेत्र के तारानगर पंचायत के दलेलगंज गांव की है। दलेलगंज गांव की रहने वाली 63 वर्षीय देवंती देवी रोज की तरह सुबह अपनी दो भैंसों को चराने गई थीं। बीती रात हुई तेज आंधी और बारिश के कारण खेत में लगे ट्रांसफॉर्मर में करंट दौड़ रहा था। पहले दोनों भैंस करंट की चपेट में आ गईं। उन्हें बचाने की कोशिश में देवंती देवी भी करंट की चपेट में आ गईं। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका किताब साव की पत्नी थीं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अस्पताल भेज दिया है। पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि विवेक कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय प्रशासन को घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक महिला बेहद गरीब परिवार से थीं। परिजनों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है। आईआईटी थानाप्रभारी शिवशंकर कुमार ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

अपराध की प्लानिंग करते चार कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

पटना(नि.सं.)। पटना सिटी के अगमकुआं थाने की पुलिस ने सोमवार रात 4 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ से मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पटना सिटी के एसडीपीओ अखिलेश झा ने बताया कि मेहंदी गंज थाना क्षेत्र के महेशपुर अखाड़ा के पास से अपराधियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार अपराधियों में छोटू उर्फ आशिक उर्फ छोटे सरकार (23), सोहित कुमार (19), राजू कुमार (22) और रवि रंजन उर्फ गोलू (25) शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्तौल, एक देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

ऑटो मेट्रो बैरिकेडिंग से टकराया महिला, बच्ची समेत तीन घायल

निज संवाददाता | पटना

पटना के दानापुर में एक तेज रफ्तार ऑटो मेट्रो बैरिकेडिंग से टकरा गया। हादसे में एक महिला, बच्ची और ऑटो ड्राइवर घायल हो गए। घायलों की पहचान निर्मला देवी, सोनम सिन्हा और शाहपुर थाना क्षेत्र निवासी ध्रुव कुमार के रूप में हुई है। घटना बेली रोड से सगुना मोड़ की तरफ जाते समय हुई। ऑटो अनियंत्रित होकर मेट्रो कार्य के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सगुना मोड़ ट्रैफिक चौकी के प्रभारी सिमर कुमार मिश्रा तुरंत मौके पर पहुंचे। जेसीबी की मदद से घायल महिला और बच्ची को ऑटो से निकालकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्टीयरिंग में फंसे ड्राइवर को निकालकर दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेजा गया।

22 वर्षीय छात्र ने की आत्महत्या, किराये के कमरे में फंदे से लटकता मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

नगर थाना क्षेत्र के रामडीहा मुहल्ले से सामने आई है, जहां मंगलवार दोपहर एक 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृत युवक की पहचान खुदवा थाना क्षेत्र के विच्छहा बिगहा गांव निवासी देवेंद्र यादव के पुत्र डब्लू कुमार के रूप में हुई है। वह यहां जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) की पढ़ाई कर रहा था और रामडीहा में एक किराये के मकान में रह रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगलवार दोपहर लगभग 1:30 बजे तक जब युवक के कमरे का दरवाजा बंद रहा और कोई गतिविधि नहीं दिखी, तो पड़ोसियों को शक हुआ। कई बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर नगर थाने से पहुंचे एसआई अरविंद कुमार सिंह और चंदन कुमार ने दरवाजा तोड़ा, जहां युवक को पंखे से फंदे पर लटका हुआ पाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा, जिसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिजन रोते-बिलखते औरंगाबाद पहुंचे, जहां अस्पताल परिसर में गमगीन माहौल देखा गया। परिवार में मातम पसरा है और हर कोई इस घटना से स्तब्ध है। अब तक की जांच में कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। ऐसे में पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए युवक का मोबाइल फोन खंगाल रही है। साथ ही उसके दोस्तों और साथियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि उसकी मानसिक स्थिति और किसी प्रकार के तनाव या दबाव का सुराग मिल सके। परिजनों ने बताया कि डब्लू कुमार पढ़ाई में बेहद गंभीर था और उसका सपना एक सफल स्वास्थ्यकर्मी बनकर परिवार की उम्मीदों को पूरा करना था। उन्होंने कहा कि वह किसी तनाव में नहीं दिख रहा था, जिससे यह घटना और भी ज्यादा रहस्यमयी बन गई है। नगर थानाध्यक्ष ने बताया कि आत्महत्या की असली वजह जानने के लिए सभी संभावित पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद और तकनीकी जांच के जरिए ही सच्चाई का पता चल सकेगा। यह घटना फिर एक बार छात्र जीवन में मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक दबाव के मुद्दे को उजागर करती है। पुलिस फिलहाल जांच में जुटी है और जल्द ही मामले में आगे की जानकारी देने की बात कह रही है।

अपराधियों पर चला प्रशासन का डंडा, हत्या, बलात्कार, शराब माफिया पर विशेष अभियान

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

पुलिस ने जिले में अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। जिले में हत्या, बलात्कार, शराब माफिया, भू-माफिया, पुलिस पर हमले और आर्म्स एक्ट जैसे संगीन मामलों में संलिप्त फरार अपराधियों की संपत्तियों को कुर्क कर कानून का डंडा चलाया गया है। पुलिस प्रशासन की इस पहल का मकसद जिले में कानून-व्यवस्था को और सख्त करना है। विशेष अभियान के तहत पुलिस ने ऐसे अपराधियों की सूची तैयार की, जो लंबे समय से फरार चल रहे थे और न्याय से बचने की कोशिश कर रहे थे। इनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट, कुर्की-जप्ती और इश्तेहार की प्रक्रिया पूरी की गई है।

अधिकारियों के मुताबिक, विशेष छापेमारी दल ने कई फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, वहीं जो अब भी गिरफ्त से बाहर हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। ऐसे अपराधियों की चल-अचल संपत्तियों को भी कानून के दायरे में लाकर कुर्क किया गया है। पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश के बाद सभी थानाध्यक्षों को आदेश दिया गया है कि किसी भी फरार आरोपी को बख्शा न जाए और उनकी धरपकड़ के लिए हर आवश्यक कानूनी कदम उठाया जाए। शराबबंदी कानून के उल्लंघन में शामिल शराब माफिया के खिलाफ भी अभियान तेज कर दिया गया है। अवैध शराब निर्माण और तस्करी में लिप्त गिरोहों की पहचान कर उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई और कई मामलों में माल भी जब्त किया गया है। वहीं, भू-माफिया के खिलाफ भी प्रशासन की नजर बनी हुई है। अवैध जमीन कब्जा और फर्जी रजिस्ट्री कराने वालों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया जा रहा है।

इस अभियान से जिले में आम जनता ने राहत की सांस ली है और पुलिस की कार्रवाई से उनमें सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। वहीं, अपराधियों में डर और खौफ का माहौल बना है, जो प्रशासन की बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को तुरंत दें, ताकि अपराध पर लगाम लगाई जा सके और जिले को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाया जा सके। अगर आप चाहें तो इस खबर को एक विशेष रिपोर्ट या जनसरोकार से जोड़कर और विस्तार से लिखा जा सकता है।

13 मई से पटना यूनिवर्सिटी के 500 कर्मचारियों का हड़ताल

पटना(नि.सं)। पटना यूनिवर्सिटी के 500 कर्मचारी आज सामूहिक अवकाश पर जाने वाले हैं। पटना विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ ने 19 सूत्री मांगों को लेकर 7 और 8 मई को सामूहिक अवकाश की घोषणा की है। इसकी सूचना कर्मचारी संघ ने पत्र के माध्यम से यूनिवर्सिटी को 25 अप्रैल को ही सूचना दिया था, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया। यूनिवर्सिटी प्रशासन के नकारात्मक रवैये के कारण कर्मचारियों में रोष है। कर्मचारी संघ के महासचिव फरमान अब्बास ने कहा कि राज्यपाल के सामने मांगें माने जाने के आश्वासन के बाद भी यूनिवर्सिटी प्रशासन का नकारात्मक रवैया है। कर्मियों के आवास निर्माण, सहायकों को 4600 ग्रेड, रिक्त पदों पर बहाली, नियम विरुद्ध ट्रांसफर को रोकने, वर्दी की आपूर्ति नहीं हुई है। ऐसे में अगर हमारी मांगे पूरी नहीं होगी तो फिर हमलोग 13 मई से सभी कर्मचारी पटना यूनिवर्सिटी मुख्यालय में अनिश्चित काल तक धरना-प्रदर्शन करेंगे।

बाल अधिकार अधिवक्ता भुवन ऋभु को 'मेडल ऑफ ऑनर, विश्व मंच पर चमका बिहार का नाम

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। प्रख्यात बाल अधिकार अधिवक्ता और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संस्थापक भुवन ऋभु को वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन (डब्ल्यूजेए) ने अपने प्रतिष्ठित 'मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें वर्ल्ड लॉ कांग्रेस की बैठक के दौरान दिया गया। खास बात यह है कि यह सम्मान पाने वाले भुवन ऋभु पहले भारतीय बन गए हैं, जिससे न केवल बिहार बल्कि पूरे देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है। भुवन ऋभु का बिहार से, विशेषकर औरंगाबाद जिले से गहरा संबंध रहा है। औरंगाबाद में जेआरसी के सहयोगी संगठन दीप ज्योति कल्याण संस्थान बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए निरंतर जमीनी स्तर पर सक्रिय है। भुवन ऋभु द्वारा स्थापित जेआरसी आज दुनिया का सबसे बड़ा कानूनी हस्तक्षेप नेटवर्क बन चुका है, जो भारत के 416 जिलों में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहा है। वहीं, वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन की बात करें तो यह संस्था 1963 में स्थापित की गई थी और यह दुनिया के विधिवेत्ताओं की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित संस्था मानी जाती है। इससे पहले यह संस्था विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला, रूथ बेडर गिन्सबर्ग, स्पेन के राजा फेलिप षष्टम्, रेने कैसिन और कैरी कैनेडी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों को भी सम्मानित कर चुकी है।